सम-सामयिक
घटना चक्र
परीक्षा संवाद के 30 वर्ष

ssgcp.com
t.me/ssgcp
ssgc.gs.qa
ssghatnachakra
SamsamyikGhatna

2023

केन्द्रीय एवं राज्य सिविल सेवा परीक्षाओं के 234 सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्रों के

अध्यायवार विभाजित **हल प्रश्न पत्र**

सीसैट सम्मिलित

प्रारम्भिक परीक्षा के सामान्य अध्ययन पाठ्यक्रम के अनुरूप व्यवस्थित

सामान्य अध्ययन 3

8 खण्डों में तृतीय

पूर्वावलोकन®

(1990 से जनवरी, 2023 तक के प्रश्न पत्र शामिल)

(UPPCS मुख्य परीक्षा सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र भी शामिल)

घटना चक्र की किसी एक पुस्तक की **नि:शुल्क PDF** पाने के लिए संबंधित पुस्तक की फोटो **9792276999** पर व्हाट्सऐप करें।

ई-बुक पर्व अपडेटेड रहें
देखें पृष्ठ-1

विशेष आकर्षण अध्यायवार रिवीजन नोट्स

सामान्य भूगोल (भारत एवं विश्व)

CASH BACK ₹50

See Cover Page-2

Validity upto April, 2024

★अनुक्रमणिका★

सामान्य भूगोल

(आठ खंडों में तृतीय)

अध्याय	पृष्ठ संख्या
I. भारत का भूगोल	
1. सामान्य परिचय	
(i) क्षेत्रफल	CA 9-CA10
(ii) अक्षांशीय विस्तार	CA 10-CA11
(iii) भारत एवं कर्क रेखा	CA 11-CA13
(iv) मानक समय	CA 14-CA 16
(v) दूरस्थ बिन्दु	CA 16-CA 18
(vi) सीमावर्ती देश	CA 18-CA 22
2. भौतिक विभाजन	
(i) भारत के प्राकृतिक प्रदेश	CA 22-CA 25
(ii) उत्तर का पर्वतीय प्रदेश	CA 25-CA 32
(iii) दक्षिण एवं मध्य भारत की पर्वत श्रेणियां एवं पहाड़ियां	CA 32-CA 40
(iv) पर्वत चोटियां	CA 40-CA 44
(v) घाटियां	CA 44-CA 45
(vi) दर्रे	CA 45-CA 49
(vii) हिम रेखा एवं हिमनद	CA 49- CA 52
(viii) पठार	CA 52-CA 55
(ix) तटीय भाग	
a. भारत की तट रेखा	CA 55-CA 57
b. पूर्वी एवं पश्चिमी तट	CA 57-CA 59
(x) द्वीप समूह	
a. बंगाल की खाड़ी के द्वीपसमूह	CA 59-CA 61
b. अरब सागर के द्वीपसमूह	CA 61-CA 62
3. भारत के राज्य/केंद्रशासित प्रदेश	
(i) राज्य	CA 63-CA 71
(ii) केंद्रशासित प्रदेश	CA 71-CA 73
4. प्रजाति/जनजातियां	CA 74-CA 88
5. भाषाएं	CA 88-CA 89
6. अपवाह तंत्र	
(i) गंगा नदी तंत्र	CA 90-CA 95
(ii) ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र	CA 96-CA 98
(iii) दक्षिण भारत की नदियां	CA 98-CA 106
(iv) अन्य नदियां	CA 107-CA 115
(v) नदियों के किनारे स्थित नगर	CA 116-CA 118
(vi) प्रपात और झीलें	CA 119-CA 126
7. जलवायु	
(i) मानसून	CA 126-CA 133
(ii) वर्षा	CA 133-CA 139
(iii) शीतकालीन वर्षा	CA 139-CA 141
8. प्राकृतिक आपदाएं	CA 141-CA 146
9. मिट्टियां	CA 147-CA 159
10. प्राकृतिक वनस्पति	CA 159-CA 166
11. सिंचाई एवं नहरें	CA 167-CA 174
12. बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजनाएं	CA 174-CA 194
13. कृषि	CA 194-CA 203
14. हरित क्रांति	CA 203-CA 208
15. खाद्यान्न फसलें	CA 208-CA 219
16. नकदी फसलें	CA 219-CA 225
17. तिलहन	CA 225-CA 229
18. दलहन	CA 229-CA 231
19. रेशम	CA 231-CA 233
20. बागानी फसलें	CA 233-CA 242
21. झूमिंग कृषि	CA 242 - CA 243
22. कृषि : विविध	CA 243-CA 261
23. पशुपालन	CA 261-CA 263
24. खनिज संसाधन	CA 264-CA 308
25. विद्युत ऊर्जा	CA 308-CA 324
26. उद्योग	CA 324-CA 344
27. भारत के अनुसंधान केंद्र	CA 345-CA 357
28. परिवहन	CA 357-CA 384
29. पर्यटन स्थल	CA 384-CA 388
30. विविध	CA 388-CA 392
II. विश्व का भूगोल	
1. ब्रह्माण्ड	
(i) सामान्य अवधारणा	CB 01-CB 07
(ii) सौरमण्डल	CB 07-CB 11
(iii) सूर्य	CB 11-CB 13
(iv) बुध	CB 13-CB 14
(v) शुक्र	CB 14-CB 15
(vi) पृथ्वी	CB 15-CB 21
(vii) मंगल	CB 21-CB 23
(viii) बृहस्पति	CB 23-CB 24
(ix) शनि	CB 24-CB 25
(x) अरुण, वरुण एवं प्लूटो	CB 25-CB 27
(xi) चंद्रमा	CB 27-CB 31
(xii) क्षुद्रग्रह	CB 31-CB 32
(xiii) धूमकेतु एवं उल्का	CB 33-CB 34
2. पृथ्वी	
(i) अक्षांश	CB 34-CB 36
(ii) देशांतर	CB 36-CB 41
(iii) विषुवत रेखा/भूमध्य रेखा	CB 41-CB 43
(iv) कर्क रेखा	CB 43-CB 44
(v) मकर रेखा	CB 44-CB 45
(vi) दिन-रात	CB 45-CB 47
(vii) पृथ्वी की उत्पत्ति	CB 47-CB 48
(viii) भूगर्भिक इतिहास	CB 48-CB 53
3. चट्टानें	CB 53-CB 54
4. ज्वालामुखी	CB 54-CB 59
5. भूकम्प	CB 59-CB 64
6. महाद्वीप	CB 64-CB 67
7. विश्व की पर्वत श्रेणियां	CB 68-CB 75
8. पठार	CB 75-CB 77
9. घाटियां	CB 77-CB 79
10. शुष्क प्रदेश/मरुस्थल	CB 79-CB 84
11. घास मैदान	CB 84-CB 88
12. विश्व के देश एवं उनकी सीमाएं	CB 88-CB 95
13. अधीन क्षेत्र	CB 95-CB 97
14. स्थलरुद्ध देश	CB 97-CB 99

अध्याय	पृष्ठ संख्या
15. देशों के पुराने नाम	CB 99-CB 100
16. अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखाएं	CB 100-CB 101
17. देशों की राजधानियां	CB 102-CB 111
18. विश्व के नगर	CB 111-CB 116
19. भौगोलिक उपनाम	CB 116-CB 120
20. जलमंडल	CB 120-CB 123
21. विश्व के प्रमुख सागर	CB 123-CB 126
22. महासागरीय धाराएं	CB 126-CB 132
23. लवणता	CB 132-CB 134
24. ज्वार-भाटा	CB 134-CB 136
25. महासागरीय गर्त	CB 136-CB 137
26. विश्व की नदियां	CB 138-CB 144
27. नदियों के किनारे स्थित नगर	CB 144-CB 149
28. नदियों द्वारा निर्मित स्थल रूप	CB 149-CB 150
29. द्वीप	CB 150-CB 157
30. झीलें एवं जलप्रपात	CB 157-CB 164
31. जलडमरूमध्य	CB 164-CB 167
32. नहरें	CB 167-CB 170
33. विश्व के प्रमुख बांध	CB 170-CB 172
34. प्रवाल भित्ति	CB 172-CB 173
35. वायुमंडल	CB 173-CB 177
36. सूर्यातप एवं तापमान	CB 178-CB 181
37. चक्रवात	CB 181-CB 185
38. आर्द्रता	CB 185-CB 186
39. वायुदाब	CB 186-CB 187
40. बादल	CB 188-CB 189
41. हवाएं	CB 190-CB 193
42. स्थानीय पवनें	CB 193-CB 195
43. वन CB 196-CB 201	
44. विश्व जलवायु	CB 201-CB 210
45. मृदा	CB 211-CB 214
46. प्रजाति/जनजातियां	CB 214-CB 220
47. भाषाएं	CB 220-CB 222
48. आर्थिक भूगोल	
(A) कृषि एवं पशुपालन	CB 222-CB 238
(B) खनिज	CB 238-CB 260
(C) नगर और उद्योग	CB 260-CB 269
49. परिवहन	CB 269-CB 275
50. पत्तन/बंदरगाह	CB 275-CB 277
51. मानचित्रण	CB 277-CB 278
52. विविध	CB 278-CB 288

© प्रकाशकाधीन :
संस्करण- 13वां
संस्करण वर्ष - 2023
ले.- SSGC
मूल्य : 525/-
ISBN : 978-93-95943-36-9
मुद्रक - कोर पब्लिशिंग सोल्यूशन
मुद्रण क्रम - प्रथम

संपर्क-
सम-सामयिक घटना चक्र
188A/128 एलनगंज, चर्चलेन,
प्रयागराज (इलाहाबाद) - 211002
Ph.: 0532-2465524, 2465525
Mob.: 9335140296
e-mail : ssgcald@yahoo.co.in
Website : ssgcp.com
e-shop : shop.ssgcp.com

■ इस प्रकाशन के किसी भी अंश का पुन: प्रस्तुतीकरण या किसी भी रूप में प्रतिलिपिकरण (फोटोप्रति या किसी भी माध्यम में ग्राफिक्स के रूप में संग्रहण, इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिकीकरण द्वारा जहां कहीं या अस्थायी रूप से या किसी अन्य प्रकार के प्रसंगवश इस प्रकाशन का उपयोग भी) कॉपीराइट के स्वामित्व धारक के लिखित अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है।

किसी भी प्रकार से इसके भंग होने या अनुमति न लेने की स्थिति में बिना किसी पूर्व सूचना के उन पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

*इस प्रकाशन से संबंधित सभी विवादों का निपटारा न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज (इलाहाबाद) के न्यायालय न्यायाधिकरण के अधीन होगा।

संकलन सहयोग-
- **मिथिलेश कुमार चौरसिया**
- **डॉ. राजन गुप्ता**
- **डॉ. विवेक त्रिपाठी**
- **ज्ञान प्रकाश**
- **पीयूष तिवारी**
- **शशिचन्द्र उपाध्याय**
- **फैजुल इस्लाम अंसारी**

पुनर्रचित
पूर्वावलोकन

2010 में सम-सामयिक घटना चक्र द्वारा सर्वप्रथम प्रस्तुत पूर्वावलोकन शृंखला की उपयोगिता एवं लोकप्रियता अब किसी परिचय की मोहताज नहीं है। तब से अब तक लाखों पाठक इस शृंखला में संकलित प्रश्नों एवं उनकी व्याख्या हेतु प्रस्तुत पाठ्य सामग्री से लाभान्वित हुए हैं। इसी बीच संघ एवं विभिन्न राज्यों में सीसैट सम्मिलित प्रारंभिक परीक्षा प्रणाली लागू किए जाने के बाद सामान्य अध्ययन के नवीन पाठ्यक्रम के अनुरूप पूर्वावलोकन शृंखला को व्यवस्थित किए जाने की तीव्र आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इस संबंध में सुधी पाठकों से भी हमें सुझाव प्राप्त हुए थे। इसी आवश्यकता के मद्देनजर वर्ष 2013 में पूर्वावलोकन की पुनर्रचना की गई थी, जिसमें सिविल सेवा (संघ एवं राज्य) परीक्षाओं के सामान्य अध्ययन के 140 वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्रों को सीसैट सम्मिलित प्रारंभिक परीक्षा के सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम के अनुरूप अध्यायवार संकलित किया गया। 11 प्रश्न-पत्र शामिल करके वर्ष 2014 में पूर्वावलोकन शृंखला का अद्यतन संस्करण प्रस्तुत किया गया था। अब 2015 में 13, 2016 में 13 प्रश्न-पत्र तथा 2017 में 9 प्रश्न-पत्र व 2018 में 8 तथा 2019 में 10 प्रश्न-पत्र, 2020 में 6 प्रश्न-पत्र, 2021 में 9 प्रश्न-पत्र, 2022 में 6 प्रश्न-पत्र तथा 2023 में 8 प्रश्न-पत्रों को शामिल कर नया संस्करण प्रस्तुत किया जा रहा है। इस त्रयोदशम् एवं अद्यतन संस्करण की मुख्य विशेषता यह है कि पठनीय सामग्री को आसान करने की छात्रों की भारी मांग पर महत्वपूर्ण तथ्यों को चित्र, आरेख व फ्लो चार्ट के माध्यम से समझाया गया है ताकि उनकी अवधारणा आसानी से स्पष्ट हो सके। इसके साथ ही चित्र, तथ्यों को अधिक समय तक आसानी से याद रखने में सहायक सिद्ध होंगे।

इस त्रयोदशम् एवं अद्यतन संस्करण की विशेषता यह भी है कि प्रश्नों के हल हेतु आयोगों द्वारा जारी उत्तर-पत्रकों से मिलाकर व्याख्या प्रस्तुत की गई है। जहां आयोग के उत्तर त्रुटिपूर्ण पाए गए हैं वहां इसका उल्लेख किया गया है। नए संस्करण में प्रश्नों को विषयवार पाठ्यक्रमानुसार तो संयोजित किया ही गया है, नवीन पाठ्यक्रम में वर्णित उपशीर्षकों के अनुरूप भी व्यवस्थित किया गया है। इस बार के पूर्वावलोकन का एक विशेष आकर्षण यह है कि प्रत्येक अध्याय के प्रारंभ में रिवीजन नोट्स प्रस्तुत है। इस नोट्स का अध्ययन परीक्षा के अंतिम कुछ दिनों में करके संपूर्ण पुस्तक का रिवीजन किया जा सकता है। संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोगों के नवीन पाठ्यक्रम का अवलोकन किया जाए, तो यह विदित होता है कि सभी संस्थाओं के पाठ्यक्रमों में कमोबेश समानता ही है। एक अंतर यह है कि संघ में अर्थात आई.ए.एस. की परीक्षा के पाठ्यक्रम में जहां भाग-1 के तहत राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम का उल्लेख किया गया है, वहीं राज्य लोक सेवा आयोगों ने राज्य से संबंधित घटनाक्रम को भी पाठ्यक्रम में स्थान दिया है। अपने संकलन में हमारे प्रकाशन ने अद्यतन घटनाक्रम के राज्य आधारित प्रश्नों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के साथ ही संयोजित किया है किंतु भूगोल, राजव्यवस्था, इतिहास, पर्यावरण एवं अर्थव्यवस्था से संबंधित राज्य आधारित प्रश्नों के लिए अलग खंड बनाया है। इस प्रकार कुल 8 खंडों में संपूर्ण प्रश्नकोश संकलित किया गया है, जिनमें से 7 सिविल सेवा पाठ्यक्रम के अनुरूप हैं, जबकि एक खंड 8वां राज्य आधारित प्रश्नों पर केंद्रित है।

I. भारत का भूगोल

सामान्य परिचय

i. क्षेत्रफल

नोट्स

*भारत **एशिया महाद्वीप** में अवस्थित एक **दक्षिण एशियाई देश** है। *अनियमित **चतुष्कोणीय आकृति** वाला यह देश हिंद महासागर के उत्तर में अवस्थित है। *अक्षांशीय विस्तार के दृष्टिकोण से भारत **उत्तरी गोलार्द्ध** में तथा देशांतरीय विस्तार की दृष्टि से **पूर्वी गोलार्द्ध** में स्थित है।

*भारत विश्व में **क्षेत्रफल** की दृष्टि से **सातवां** (रूस, कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया के बाद) तथा **जनसंख्या** की दृष्टि से **दूसरा** (चीन के बाद) बड़ा देश है। ***26 जनवरी, 2020*** से भारत में **28 राज्य एवं 8 केंद्रशासित प्रदेश** हैं। नवीनतम केंद्रशासित प्रदेश **'दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव'** हैं, जिसे दो केंद्रशासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव को मिलाकर निर्मित किया गया। इससे पूर्व निर्मित केंद्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख हैं। इनका निर्माण जम्मू और कश्मीर राज्य के पुनर्गठन के पश्चात हुआ है। *भारत का कुल क्षेत्रफल **3287263** वर्ग किमी. है, जो संसार के समस्त क्षेत्रफल के स्थलीय भाग का लगभग **2.4%** है। *भारत में संपूर्ण विश्व की **17.5%** जनसंख्या निवास कर रही है (2011 की जनगणना के अंतिम आंकड़ों के अनुसार)। * भारत की मुख्य भूमि का विस्तार **उत्तर** से **दक्षिण** तक **3214 किमी.** तथा **पूर्व** से **पश्चिम** तक **2933** किमी. है।

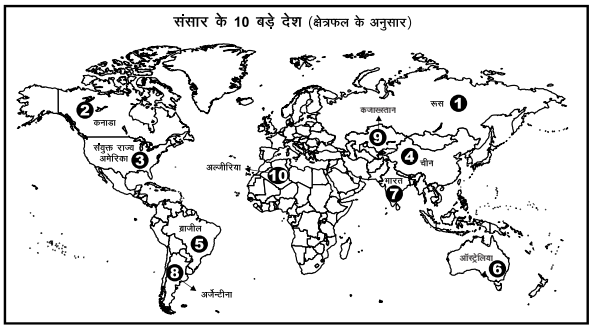

*भारत के कुल क्षेत्रफल (3287263 वर्ग किमी.) में गैर-कानूनी ढंग से पाकिस्तान के कब्जे वाला **78114** वर्ग किमी. क्षेत्र, पाकिस्तान द्वारा गैर-कानूनी ढंग से चीन को दिया गया **5,180** वर्ग किमी. क्षेत्र तथा गैर-कानूनी ढंग से चीन के कब्जे वाला **37555** वर्ग किमी. क्षेत्र शामिल है। वर्ष **2011 की जनगणना** के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, गांवों की संख्या **640932** है।

प्रश्नकोश

1. भारत के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. भारत विश्व का छठा सबसे बड़ा देश है।

2. संसार का लगभग 2.4% क्षेत्र भारत के अंतर्गत आता है।

3. कर्क रेखा देश के बीच से गुजरती है, जो अक्षांशीय विस्तार को दो बराबर भागों में बांटती है।

4. भारत पूरी तरह से उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में स्थित है।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

कूट :

(a) 2 तथा 4 (b) 1 तथा 2

(c) 2 तथा 3 (d) 3 तथा 4

U.P.P.C.S. (Pre) 2022

उत्तर-(c)

भारत विश्व का सातवां बड़ा देश है, न कि छठा। संपूर्ण भारत का अक्षांशीय विस्तार 6°45' से 37°6' उत्तरी अक्षांश के मध्य है, जबकि उष्णकटिबंध क्षेत्र का विस्तार 23°30' उत्तरी एवं दक्षिणी अक्षांशों के मध्य है। इस प्रकार कथन 1 एवं 4 गलत हैं। कथन 2 एवं 3 सही हैं; क्योंकि भारत स्थल मण्डल के कुल क्षेत्रफल का 2.4 प्रतिशत घेरे हुए है और कर्क रेखा देश के बीच से गुजरती है, जो अक्षांशीय विस्तार को दो भागों में विभाजित करती है।

2. निम्नलिखित कथनों में से कौन-से भारत के बारे में सही हैं? सही उत्तर के चयन हेतु अधोलिखित कूट का उपयोग कीजिए—

(1) भारत विश्व का पांचवां बड़ा देश है।

(2) यह स्थलमंडल के कुल क्षेत्रफल का लगभग 2.4 प्रतिशत भाग अधिकृत किए हुए है।

(3) समूचा भारत उष्णकटिबंध में स्थित है।

(4) $82^0 30'$ पूर्वी देशांतर का उपयोग भारतीय मानक समय को निर्धारित करने के लिए किया जाता है।

कूट :

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3

(c) 1 और 3 (d) 2 और 4

U.P.P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर—(d)

भारत विश्व का सातवां बड़ा देश है। संपूर्ण भारत (अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह सहित) का अक्षांशीय विस्तार 6°45' से 37°6' उत्तरी अक्षांश के मध्य है, जबकि उष्णकटिबंध क्षेत्र का विस्तार 23°30' उत्तरी एवं दक्षिणी अक्षांशों के मध्य है। अतः कथन 1 और 3 गलत हैं। भारत स्थलमंडल के कुल क्षेत्रफल का 2.4% अधिकृत किए हुए है एवं 82°30' पूर्वी देशांतर का उपयोग भारतीय मानक समय निर्धारित करने के लिए किया जाता है। अतः कथन 2 और 4 सही हैं।

3. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व के देशों में कौन-सा स्थान है?

(a) पांचवां (b) छठा

(c) सातवां (d) आठवां

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(c)

भारत का क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व में सातवां (7वां) स्थान है।

4. भारतवर्ष आकार में विश्व का—

(a) पांचवां सबसे बड़ा देश है।

(b) छठा सबसे बड़ा देश है।

(c) सातवां सबसे बड़ा देश है।

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

M.P.P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. भारत का क्षेत्रफल संसार के क्षेत्रफल का 2.4% है, परंतु इसकी—

(a) संपूर्ण मानव जाति का 16% जनसंख्या है।

(b) संपूर्ण मानव जाति का 17% जनसंख्या है।

(c) संपूर्ण मानव जाति का 18% जनसंख्या है।

(d) संपूर्ण मानव जाति का 28% जनसंख्या है।

39th B.P.S.C. (Pre) 1994*

उत्तर—(b)

भारत का क्षेत्रफल 3287263 वर्ग किमी. है, जो संसार के समस्त क्षेत्रफल के स्थलीय भाग का लगभग 2.4% है, जबकि भारत में संपूर्ण विश्व की 17.5% (वर्ष 2011की जनगणना के अंतिम आंकड़ों के अनुसार) जनसंख्या निवास कर रही है। अतः निकटतम सही उत्तर विकल्प (b) है।

6. भारतवर्ष में लगभग कितने गांव हैं?

(a) 5 लाख

(b) 6 लाख 30 हजार

(c) 8 लाख

(d) इनमें से कोई नहीं

M.P.P.C.S. (Pre) 2010*

उत्तर—(d)

वर्ष 2011की जनगणना के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, भारत में गांवों की संख्या लगभग 640932 है। अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

7. निम्नलिखित जोड़ों में से कौन-सा जोड़ा सही नहीं है?

(a) भारत का कुल क्षेत्रफल - 3.28 मिलियन वर्ग किलोमीटर

(b) भारत का अक्षांशीय विस्तार - 8° 4' उ. से 37°6' उ.

(c) भारत का रेखांशीय विस्तार - 68° 7' पू. से 97°25' पू.

(d) भारत में राज्यों की संख्या - 26

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(d)

भारत का भौगोलिक क्षेत्रफल लगभग 3.28 मिलियन वर्ग किमी. है। इसके मुख्य भूमि का अक्षांशीय विस्तार 8° 4' उत्तर से 37°6' उत्तर तक तथा देशांतरीय विस्तार 68° 7' पूर्व से 97°25' पूर्व तक है। 26 जनवरी, 2020 से भारत में कुल 28 राज्य एवं 8 केंद्रशासित प्रदेश हैं। नवीनतम केंद्रशासित प्रदेश है- दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव।

8. भारत के लिए निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा असत्य है?

(a) भारत विश्व का 7वां बड़ा देश है।

(b) भारत जनसंख्या की दृष्टि से विश्व का दूसरा राष्ट्र है।

(c) इसकी भूमि सीमा का विस्तार लगभग 15,200 किमी. है।

(d) सर्वप्रथम सूर्योदय इसके मिजोरम राज्य में होता है।

U.P. R.O. / A.R.O. (Mains) 2016

उत्तर—(d)

भारत में सर्वप्रथम सूर्योदय अरुणाचल प्रदेश राज्य में होता है। भारत विश्व का 7वां बड़ा देश है। भारत जनसंख्या की दृष्टि से चीन के पश्चात विश्व का दूसरा राष्ट्र है। इसकी भूमि सीमा का विस्तार लगभग 15200 किमी. (15106.7 किमी.) है।

ii. अक्षांशीय विस्तार

नोट्स

*भू-पृष्ठ पर विषुवत रेखा (Equator) से उत्तर या दक्षिण दिशा में स्थित किसी भी बिंदु की **पृथ्वी के केंद्र से मापी गई कोणीय दूरी** को **अक्षांश** कहा जाता है। ***अक्षांश रेखाएं** वे काल्पनिक रेखाएं होती हैं, जो **पृथ्वी के चारों ओर** पूर्व से पश्चिम दिशा में **विषुवत रेखा के समानांतर** खींची जाती हैं। *अक्षांश को **अंशों**, **मिनटों** एवं **सेकंडों** में

दर्शाया जाता है। *पृथ्वी को दो बराबर भागों में बांटने वाले **0° अक्षांश** को **भूमध्य रेखा** कहा जाता है। ***विषुवत वृत्त (भूमध्य रेखा)** के उत्तरी भाग को **उत्तरी गोलार्द्ध** और दक्षिणी भाग को **दक्षिणी गोलार्द्ध** कहते हैं। *भूमध्य रेखा के उत्तर में स्थित अक्षांश रेखाओं को **उत्तरी अक्षांश रेखाएं** तथा भूमध्य रेखा के दक्षिण में स्थित अक्षांश रेखाओं को **दक्षिणी अक्षांश रेखाएं** कहते हैं।

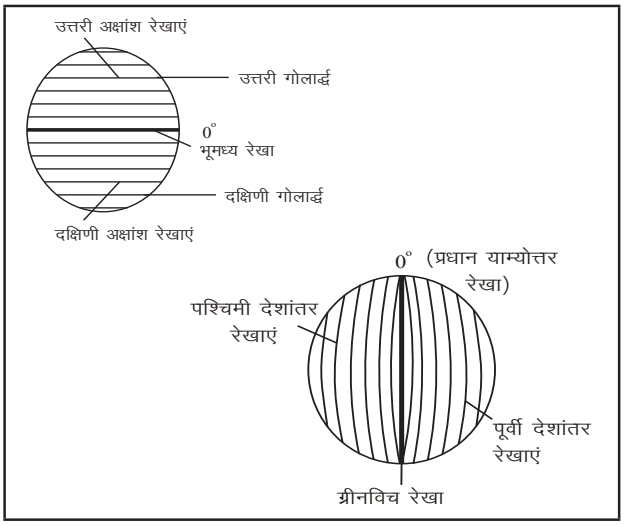

*यदि **अक्षांश रेखाओं** को 1° के अंतराल पर खींचा जाए, तो उत्तरी गोलार्द्ध में **89 अक्षांश रेखाएं** तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में **89 अक्षांश** रेखाएं होंगी। *इस प्रकार **विषुवत वृत्त** को लेकर **अक्षांश रेखाओं** की कुल संख्या **179(89+89+1)** होगी। किन्हीं दो **समांतर अक्षांश रेखाओं** के **मध्य** की दूरी लगभग **111 किमी.** होती है।

*भू-पृष्ठ पर **उत्तरी ध्रुव** एवं **दक्षिणी ध्रुव** को मिलाने वाली **काल्पनिक रेखा** जो पृथ्वी को **दो बराबर भागों** में बांटती है, को **प्रधान याम्योत्तर रेखा** (Greenwich Mean Time) कहा जाता है। *यह रेखा लंदन के **ग्रीनविच शहर** से गुजरती है। प्रधान याम्योत्तर रेखा को **0° देशांतर** भी कहा जाता है। *प्रधान याम्योत्तर के पूर्व एवं पश्चिम में **उत्तरी ध्रुव** एवं **दक्षिणी ध्रुव** को मिलाने वाली **काल्पनिक रेखाओं** को **देशांतर रेखाएं** कहा जाता है। *देशांतर रेखाएं **समांतर नहीं** होती हैं। *ध्रुवों से विषुवत रेखा की ओर बढ़ने पर **देशांतर रेखाओं** के मध्य की दूरी **बढ़ती जाती** है। *विषुवत रेखा पर देशांतर रेखाओं के बीच **अधिकतम (111.33 किमी.)** दूरी होती है।

*भारत पूर्णतया उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है। *संपूर्ण भारत का **अक्षांशीय विस्तार 6°45' उत्तरी अक्षांश से 37°6' उत्तरी अक्षांश** के मध्य है। *इसकी मुख्य भूमि **8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' उत्तरी अक्षांश** एवं **68°7' पूर्वी देशांतर से 97°25' पूर्वी देशांतर** के मध्य फैली हुई है। *उष्णकटिबंध क्षेत्र का विस्तार **23°30' उत्तरी एवं दक्षिणी** अक्षांशों के मध्य है। अतः भारत का विस्तार **उष्ण एवं उपोष्ण** दोनों कटिबंधों में है। ध्यातव्य है कि निम्न अक्षांश (0°) से उच्च अक्षांश (90°) की ओर जाने पर दिन और रात की अवधि में अंतर आता है। उत्तरी गोलार्द्ध में अक्षांश का प्रभाव दक्षिण से उत्तर की ओर, दिन और रात की अवधि पर पड़ता है।

प्रश्नकोश

1. भारत विस्तृत है–

(a) 37°17'53" उ. तथा 8°6'28" द. के बीच

(b) 37°17'53" उ. तथा 8°4'28" द. के बीच

(c) 37°17'53" उ. तथा 8°28' उ. के बीच

(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर–(d)

भारत की मुख्य भूमि का विस्तार उत्तर-पूर्वी गोलार्द्ध में 8°4' उत्तर से 37°6' उत्तरी अक्षांशों तथा 68°7' पूर्व से 97°25' पूर्वी देशांतरों के मध्य है। कर्क रेखा भारत के लगभग बीचों-बीच से होकर गुजरती है। स्पष्ट है कि कोई विकल्प सही नहीं है।

2. सिक्किम से गुजरने वाला अक्षांश निम्नलिखित में से किस एक से भी होकर गुजरता है?

(a) राजस्थान (b) पंजाब

(c) हिमाचल प्रदेश (d) जम्मू-कश्मीर

I.A.S. (Pre) 2010

उत्तर–(a)

सिक्किम से गुजरने वाली अक्षांश रेखा राजस्थान से होकर भी गुजरती है।

3. जिस जिले से 70° पूर्वी देशांतर रेखा गुजरती है, वह है–

(a) जोधपुर (b) जैसलमेर

(c) धौलपुर (d) नागौर

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2010

उत्तर–(b)

70° पूर्वी देशांतर रेखा जैसलमेर जिले से गुजरती है।

iii. भारत एवं कर्क रेखा

नोट्स

*विषुवत रेखा के उत्तर में स्थित **23°30' उत्तरी अक्षांश** को कर्क रेखा कहा जाता है। *कर्क रेखा भारत के लगभग **मध्य से होकर** गुजरती है। *कर्क रेखा भारत के कुल **आठ राज्यों** से होकर गुजरती है, जिनमें **गुजरात**, **राजस्थान**, **मध्य प्रदेश**, **छत्तीसगढ़**, **झारखंड**, **पश्चिम बंगाल**, **त्रिपुरा** और **मिजोरम** हैं।

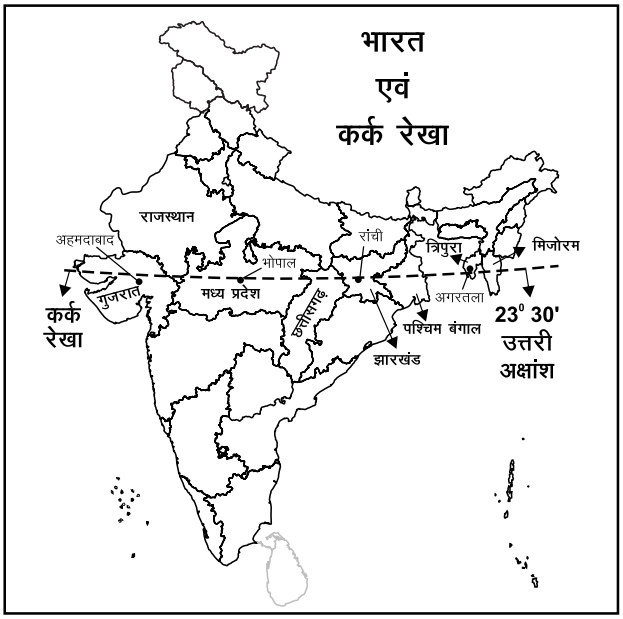

*सूर्य के उत्तरायण (भूमध्य रेखा के उत्तर) होने के बाद से ही **उत्तरी गोलार्द्ध** में **दिनों की अवधि बढ़ती** जाती है। ***21 जून** को सूर्य उत्तरायण स्थिति के **सर्वोच्च बिंदु** पर होता है। जून माह में कर्क रेखा के उत्तर जाने पर दिनों की अवधि बढ़ने लगती है। **माही** नदी कर्क रेखा को दो बार पार करती है।

महत्वपूर्ण भारतीय नगरों की अक्षांशीय स्थिति	
स्थल	**उत्तरी अक्षांश**
अगरतला	23°50'
गांधीनगर	23°19'
जबलपुर	23°11'
उज्जैन	23°09'
कोलकाता	22°30'
नागपुर	21°09'
अहमदाबाद	23°02'
वाराणसी	25°18'
भोपाल	23°25'

प्रश्नकोश

1. कर्क रेखा किस राज्य से होकर गुजरती है?

(a) ओडिशा (b) बिहार (झारखंड)

(c) उत्तर प्रदेश (d) आंध्र प्रदेश

U.P. P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर—(b)

कर्क रेखा पर पड़ने वाले भारत के राज्य (कुल आठ) गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम हैं। अतः वर्तमान में उपर्युक्त दिए गए विकल्पों में कोई भी सही नहीं है, किंतु प्रश्नकाल में झारखंड, बिहार का ही भाग था, अतः तत्कालीन परिस्थितियों में विकल्प (b) सही उत्तर था।

2. कर्क रेखा निम्नलिखित में से किन राज्यों से होकर गुजरती है? नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

1. गुजरात **2. छत्तीसगढ़**

3. उत्तर प्रदेश **4. झारखंड**

कूट :

(a) 1, 2 और 4 (b) 1, 2, 3 और 4

(c) 1, 3 और 4 (d) 2, 3 और 4

U.P.P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. कर्क रेखा गुजरती है-

(a) मध्य प्रदेश से (b) त्रिपुरा से

(c) मिजोरम से (d) इन सभी से

M.P.P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. कितने भारतीय प्रदेशों से होकर कर्क रेखा गुजरती है?

(a) 6 (b) 8

(c) 7 (d) 9

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. भारत का एक राज्य, जिससे होकर कर्क रेखा गुजरती है, है—

(a) जम्मू एवं कश्मीर (b) हिमाचल प्रदेश

(c) बिहार (d) झारखंड

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. निम्नलिखित में से किस राज्य से कर्क रेखा नहीं

(a) त्रिपुरा (b) छत्तीसगढ़

(c) मणिपुर (d) मिजोरम

U.P.R.O./A.R.O. (Re Exam) (Pre) 2016

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. निम्नांकित नगरों में कौन कर्क रेखा से निकटतम दूरी पर स्थित है?

(a) अगरतला (b) गांधीनगर

(c) जबलपुर (d) उज्जैन

U.P. P.C.S. (Pre) 1999

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2002

U.P.P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(b)

विकल्प में दिए गए भारतीय नगरों की अक्षांशीय स्थिति निम्नानुसार है–

स्थल		अक्षांश	अंतर स्थिति $23^0 30'$ से
अगरतला	–	$23^0 50'$ उत्तर	–20 '
गांधीनगर	–	$23^0 19'$ उत्तर	+11 '
जबलपुर	–	$23^0 11'$ उत्तर	+19 '
उज्जैन	–	$23^0 09'$ उत्तर	+21'

दूरी के अनुसार उपर्युक्त में कर्क रेखा से सबसे कम अक्षांशीय अंतर गांधीनगर का है। अतः गांधीनगर कर्क रेखा के सर्वाधिक निकट होगा।

8. निम्न नगरों में कौन-सा कर्क रेखा के निकट है?

(a) दिल्ली (b) कोलकाता

(c) जोधपुर (d) नागपुर

I.A.S. (Pre) 2003

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न में दिए गए नगरों से कर्क रेखा के परिप्रेक्ष्य में अक्षांशीय स्थितियां इस प्रकार हैं–

दिल्ली – $28^\circ 25' – 28^\circ 53'$ उत्तर

कोलकाता – $22^0 30'$ उत्तर

जोधपुर – $26^\circ 0' – 27^\circ 37'$ उत्तर

नागपुर – $21^\circ 09'$ उत्तर

कर्क रेखा (Tropic of Cancer) का वास्तविक अक्षांश विषुवत रेखा के उत्तर में $23^0 30'$ है। अतः उपर्युक्त में कर्क रेखा से निकटतम नगर कोलकाता है।

9. कौन-सा महत्वपूर्ण अक्षांश भारत को दो लगभग बराबर भागों में विभाजित करता है?

(a) $23^0 30'$ दक्षिण (b) $33^0 30'$ उत्तर

(c) 0° (d) $23^0 30'$ उत्तर

M.P.P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर–(d)

$23^0 30'$ उत्तरी अक्षांश भारत को दो बराबर भागों में विभाजित करता है। इसे कर्क रेखा भी कहते हैं।

10. निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय राज्य कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है?

(a) झारखंड (b) मणिपुर

(c) मिजोरम (d) त्रिपुरा

U.P.P.C.S. (Mains) 2008

R.A.S./R.T.S. (Re- Pre) 2013

उत्तर–(b)

मणिपुर कर्क रेखा के उत्तर में अवस्थित है।

11. जून माह में, निम्न स्थानों में से कहां पर दिन की अवधि अधिकतम होगी?

(a) हैदराबाद (b) चेन्नई

(c) भोपाल (d) दिल्ली

Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(d)

सूर्य के उत्तरायण (भूमध्य रेखा के उत्तर) होने के बाद से ही उत्तरी गोलार्द्ध में दिनों की अवधि बढ़ती जाती है। 21 जून को सूर्य उत्तरायण स्थिति के सर्वोच्च बिंदु पर होता है। इस माह में कर्क रेखा से उत्तर जाने पर दिनों की अवधि बढ़ने लगती है। दिल्ली की स्थिति उपर्युक्त विकल्प में सबसे उत्तर है। अतः यहां दिन की अवधि अधिकतम होगी।

12. निम्नलिखित में से कौन-सा शहर कर्क रेखा से सबसे निकटस्थ है?

(a) जबलपुर (b) अहमदाबाद

(c) उज्जैन (d) वाराणसी

U.P.P.C.S. (Mains), 2017

उत्तर–(a)

विकल्प में दिए गए शहरों की अक्षांशीय स्थिति इस प्रकार से है–

(स्थान)	(अक्षांश)
जबलपुर	$23^\circ 11'$ उत्तर
अहमदाबाद	$23^\circ 02'$ उत्तर
उज्जैन	$23^\circ 09'$ उत्तर
वाराणसी	$25^\circ 18'$ उत्तर

उपर्युक्त शहरों की अक्षांशीय स्थिति के अनुसार, कर्क रेखा के सर्वाधिक निकट का शहर जबलपुर होगा, क्योंकि जबलपुर के अक्षांश एवं कर्क रेखा मध्य अक्षांशीय अंतर सबसे कम है।

13. निम्नलिखित भारत की नदियों में कौन कर्क रेखा को दो बार पार करती है?

(a) माही (b) चंबल

(c) नर्मदा (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P.R.O./A.R.O. (Re-Exam) (Pre) 2016

उत्तर–(a)

माही नदी कर्क रेखा को दो बार पार करती है। यह मध्य प्रदेश से उद्गमित होकर राजस्थान, गुजरात में प्रवाहित होते हुए खंभात की खाड़ी में गिरती है।

iv. मानक समय

नोट्स

*भारत की **'प्रामाणिक मध्याह्न रेखा'** अथवा **भारतीय मानक समय** (IST) **82°30' पूर्वी देशांतर** से लिया जाता है। *यह देशांतर रेखा **प्रयागराज, मिर्जापुर** आदि स्थानों से होकर गुजरती है। ***भारतीय मानक समय** (I.S.T.= Indian Standard Time) **ग्रीनविच माध्य** (G.M.T. = Greenwich Mean Time) से **5 घंटा, 30 मिनट** आगे है।

ध्यातव्य है कि विश्व के देशों द्वारा आपसी सहमति के अंतर्गत मानक याम्योत्तर को **7°30' (7°30' = 30 मिनट) देशांतर** के गुणांक पर चुना जाता है। *भारत के बृहद देशांतरीय विस्तार के कारण गुजरात से अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय समय में लगभग दो घंटे का अंतर पाया जाता है। *अतः प्रशासनिक एवं अन्य कार्यों में कठिनाई से बचने हेतु 82°30' पूर्व याम्योत्तर (देशांतर) को भारत का मानक याम्योत्तर चुना गया है।

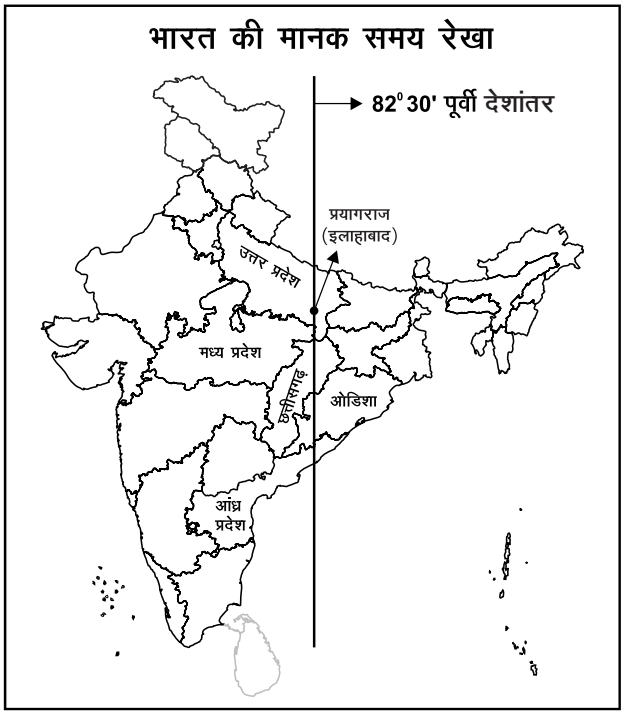

*भारतीय मानक समय की याम्योत्तर रेखा **उत्तर प्रदेश**, **मध्य प्रदेश**, **छत्तीसगढ़**, **ओडिशा**, **आंध्र प्रदेश** (**कुल 5 प्रदेश**) से होकर गुजरती है। *प्रधान याम्योत्तर (0°) के **पूर्व एवं पश्चिम** दोनों ओर **180° तक** देशांतर रेखाएं होती हैं तथा कुल मिलाकर **360°** तक होती हैं। *सभी देशांतर रेखाएं **पृथ्वी को बराबर भागों** में विभाजित करती हैं, *ग्रीनविच या **प्रधान याम्योत्तर रेखा** के **पूर्व में स्थित 180°** तक सभी देशांतर को **पूर्वी देशांतर** एवं पश्चिम की ओर स्थित **180° तक** सभी देशांतर को **पश्चिमी देशांतर** कहा जाता है।

*पृथ्वी **24 घंटे (1440 मिनट)** में **360° घूम** जाती है तथा कुल देशांतर रेखाओं की संख्या भी **360°** है। अतः **1° देशांतर** घूमने में पृथ्वी को **4 मिनट** $\left(\frac{1440}{360}\right)$ का समय लगता है। *इस प्रकार प्रत्येक **15° देशांतर** पर **एक घंटे** का अंतर होता है।

*सूर्य पूर्व में उदित होता है एवं पृथ्वी, **पश्चिम से पूर्व अपनी धुरी** पर घूम रही है। अतः **0°(प्रधान याम्योत्तर)** से **पूर्व** की ओर जाने पर समय G.M.T. से **आगे** और पश्चिम की ओर जाने पर समय G.M.T. से **पीछे** रहता है। *0° से 180° पूर्व की ओर जाने पर **12 घंटे** की अवधि लगती है एवं यह ग्रीनविच समय से **12 घंटे आगे रहता** है। इसी प्रकार **0° से 180°** पश्चिम की ओर जाने पर ग्रीनविच समय से **12 घंटे पीछे का** समय मिलता है। ***180° पूर्व** एवं **180° पश्चिमी** देशांतर में कुल **24 घंटे अर्थात दिन-रात** का अंतर पाया जाता है। *भू-पृष्ठ पर **180° पूर्व एवं पश्चिम याम्योत्तर** के लगभग साथ-साथ स्थल खंडों को छोड़ते हुए निर्धारित की गई काल्पनिक रेखा **अंतरराष्ट्रीय तिथि रेखा (International Date Line)** कहलाती है।

प्रश्नकोश

1. जब भारतीय मानक समय के याम्योत्तर पर अर्द्धरात्रि है, एक स्थान पर सुबह का छः (6) बजता है, उस स्थान की अवस्थिति जिस याम्योत्तर पर है, वह है–

(a) 7°31' पू. (b) 172° 30' पू.
(c) 7°30' पू. (d) 127° 30' प.

U.P.P.C.S. (Mains) 2002

उत्तर–(b)

जब भारतीय मानक समय के याम्योत्तर पर अर्द्धरात्रि है, एक स्थान पर सुबह का 6 बजता है, तो वह स्थान भारत से पूर्व में होगा, क्योंकि पूर्व में सुबह सबसे पहले होती है। 6 घंटे के अंतराल पर उनके याम्योत्तर के बीच $15° \times 6 = 90°$ (15° ≡ 1 घंटा) का अंतराल होगा। भारत का मानक समय $82\frac{1^o}{2}$ याम्योत्तर है। अतः वह स्थान $90 + 82\frac{1^o}{2} = 172\frac{1^o}{2}$ पूर्व होगा।

2. गुजरात के सबसे पश्चिमी गांव और अरुणाचल प्रदेश के सबसे पूर्वी छोर पर स्थित वालांग के समय में कितने घंटे का अंतराल होगा?

(a) 1 घंटा (b) 2 घंटा
(c) 3 घंटा (d) 1/2 घंटा

U.P.P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(b)

गुजरात का देशांतरीय विस्तार $68^0 4'$ पूर्व से $74^0 4'$ पूर्वी देशांतर के मध्य तथा अरुणाचल प्रदेश का देशांतरीय विस्तार 91^0 30' पूर्व से 97^0 30' पूर्व है। अतः गुजरात के पश्चिम एवं अरुणाचल के पूर्वी छोर के मध्य देशांतरीय अंतर $97^0 30 - 68^0 4' = 29^0 26'$ है। चूंकि 1 देशांतर में 4 मिनट का अंतर आता है, इसलिए $29^0 26' \times 4$ = लगभग 118 मिनट (अर्थात लगभग 2 घंटे) का अंतराल होगा।

3. निम्न कथनों पर विचार कीजिए–

1. जबलपुर की देशांतर रेखा इंदौर व भोपाल की देशांतर रेखाओं के बीच है।

2. औरंगाबाद का अक्षांश वडोदरा व पुणे के अक्षांशों के बीच है।

3. बंगलुरू की अवस्थिति चेन्नई की तुलना में अधिक दक्षिणवर्ती है।

इनमें से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) 1 और 3 (b) केवल 2

(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

I.A.S. (Pre) 2003

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न में दिए गए कथनों के स्थलों (जिलों) की अक्षांशीय एवं देशांतरीय स्थितियां 'Census of India- 2011' के अनुसार इस प्रकार हैं-

जबलपुर – 22°49' N से 24°08' N; 79°21' E से 80°58' E

इंदौर – 22°20' N से 23°05' N; 75°26' E से 76°14' E

भोपाल – 23°04' N से 23°53' N; 77°12' E से 77°40' E

औरंगाबाद – 19°18' N से 20°40' N; 74°34' E से 76°04' E

वडोदरा – 21°50' N से 22°50' N; 72°50' E से 74°10' E

पुणे – 17°54' N से 19°24' N; 73°19' E से 75°10' E

बंगलुरू – 12°39' N से 13°14' N; 77°19' E से 77°50' E

चेन्नई – 12°54' N से 13°54' N; 80°7' E से 80°11' E

अतः उपर्युक्त तथ्य के अनुसार स्पष्टीकरण -

कथन (1)– जबलपुर की देशांतर रेखा इंदौर व भोपाल की देशांतर रेखाओं के बीच नहीं है।

कथन (2)– औरंगाबाद का अक्षांश पूर्णतया वडोदरा और पुणे के मध्य स्थित है।

कथन (3)– बंगलुरू की अवस्थिति चेन्नई की तुलना में अधिक दक्षिणवर्ती है।

4. निम्नलिखित में से कौन-सा शहर भारतीय मानक समय (आई. एस. टी.) देशांतर के निकटतम है?

(a) रीवा (b) सागर

(c) उज्जैन (d) होशंगाबाद

M.P.P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर–(a)

मानक समय के निकटता के संबंध में विकल्प में दिए गए स्थलों की स्थिति इस प्रकार है–

रीवा - 81°02' E से 82°20' E

सागर - 78°04' E से 78°20' E

उज्जैन - 75°00' E से 76°30' E

होशंगाबाद - 76°47' E से 78°44' E

अतः स्पष्ट है कि रीवा भारतीय मानक समय देशांतर के निकटतम है।

5. यदि भारतीय मानक समय के अनुसार, पूर्वाह्न के 10 बजे हैं, तो 92^0 पूर्वी देशांतर पर शिलांग का स्थानीय समय क्या होगा?

(a) 9.38 पूर्वाह्न (b) 10.38 पूर्वाह्न

(c) 10.22 पूर्वाह्न (d) 9.22 पूर्वाह्न

I.A.S. (Pre) 1999

उत्तर–(b)

92^0 पूर्वी देशांतर पर स्थित शिलांग (मेघालय की राजधानी) एवं भारत के मानक समय के बीच $92^0 - 82\frac{1}{2}^0 = 9\frac{1}{2}^0$ देशांतर का अंतर है। चूंकि 1 देशांतर पर 4 मिनट का अंतर आता है, इसलिए इनके बीच $9\frac{1}{2}^0 \times 4 = 38$ मिनट का अंतर होगा। चूंकि भारतीय मानक समय पर पूर्वाह्न के 10 बजे हैं, इसलिए शिलांग में पूर्वाह्न का 10.38 का समय होगा। अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

6. यदि भारतीय मानक समय याम्योत्तर पर मध्याह्न है, तो 120^0 पूर्वी देशांतर पर स्थानीय समय क्या होगा?

(a) 09.30 (b) 14.30

(c) 17.30 (d) 20.00

U.P. P.C.S. (Pre) 2001

उत्तर–(b)

120^0 पूर्वी देशांतर एवं भारतीय मानक समय के बीच देशांतरीय अंतर $= 120^0 - 82^0 30' = 37^0 30'$ का है। चूंकि 1 देशांतर में चार मिनट का अंतर आता है। इसलिए $37^0 30' \times 4 = 150$ मिनट (अर्थात 2 घंटा, 30 मिनट) का अंतर होगा। चूंकि भारतीय मानक समय पर मध्याह्न (12 बजे) है, इसलिए 120^0 पूर्वी देशांतर पर $12 + 2.30 = 14.30$ का समय होगा। अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

7. भारतीय मानक समय की याम्योत्तर नहीं गुजरती है–

(a) आंध्र प्रदेश से (b) छत्तीसगढ़ से

(c) महाराष्ट्र से (d) उत्तर प्रदेश से

U.P.P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर–(c)

भारतीय मानक समय की याम्योत्तर रेखा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र प्रदेश से गुजरती है। यह महाराष्ट्र से नहीं गुजरती है। तेलंगाना से भी यह रेखा नहीं गुजरती है।

8. भारतीय मानक समय की देशांतर रेखा (82⁰ 30') किस नगर से होकर गुजरती है?

(a) नागपुर (b) दिल्ली

(c) पटना (d) इलाहाबाद

M.P.P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर—(d)

भारतीय मानक समय की देशांतर रेखा (82º 30' पूर्वी) इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज) से होकर गुजरती है।

9. निम्नलिखित देशांतरों में कौन-सा भारत की 'प्रामाणिक मध्याह्न रेखा' कहलाता है?

(a) 87°30' पूर्वी (b) 85°30' पूर्वी

(c) 84°30' पूर्वी (d) 82°30' पूर्वी

U.P.P.C.S. (Pre), 2013
U.P. Lower Sub. (Pre) 2013

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. भारतीय मानक समय (IST) निम्नलिखित स्थानों में से किसके समीप से लिया जाता है?

(a) इलाहाबाद (नैनी) (b) लखनऊ

(c) मेरठ (d) मुजफ्फरनगर

U.P.P.C.S. (Pre) 1993

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. भारतीय मानक समय (IST) एवं ग्रीनविच माध्य समय (GMT) में अंतर पाया जाता है—

(a) $+4\frac{1}{2}$ घंटे (b) $+5\frac{1}{2}$ घंटे

(c) $-5\frac{1}{2}$ घंटे (d) $-4\frac{1}{2}$ घंटे

45th B.P.S.C (Pre) 2001
Jharkhand P.C.S. (Pre) 2003, 2010

उत्तर—(b)

भारतीय मानक समय (IST) एवं ग्रीनविच माध्य समय (GMT) में $+5\frac{1}{2}$ घंटे का अंतर पाया जाता है। अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

12. यदि अरुणाचल प्रदेश में तिरप (Tirap) में सूर्योदय 5.00 बजे प्रातः (IST) होता है, तो गुजरात में कांडला में सूर्योदय किस समय (IST) पर होगा?

(a) लगभग 5.30 बजे प्रातः (b) लगभग 6.00 बजे प्रातः

(c) लगभग 7.00 बजे प्रातः (d) लगभग 7.30 बजे प्रातः

U.P.P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर—(c)

अरुणाचल प्रदेश के तिरप (95°31') और गुजरात के कांडला (70°11') में सूर्योदय के समय में देशांतर स्थिति के अनुरूप लगभग दो घंटे का अंतर रहता है। अतः तिरप में सूर्योदय 5.00 बजे प्रातः होने पर कांडला में सूर्योदय लगभग 7.00 बजे प्रातः होगा।

13. निम्नलिखित में से कौन-सा शहर दिल्ली के सबसे समीप के देशांतर पर स्थित है?

(a) बंगलुरू (b) हैदराबाद

(c) नागपुर (d) पुणे

I.A.S. (Pre), 2018

उत्तर—(a)

दिल्ली का देशांतरीय विस्तार 76°50' पूर्व से 77°22' पूर्व के मध्य है। वह शहर दिल्ली के समीप देशांतर पर स्थित होगा, जिसका देशांतरीय अंतर दिल्ली से सबसे कम होगा। प्रश्न में दिए गए शहरों का देशांतरीय विस्तार इस प्रकार है-

	(शहर)		(देशांतरीय विस्तार)
(a)	बंगलुरू	-	77°19' पूर्व से 77°50' पूर्व
(b)	हैदराबाद	-	78°23' पूर्व से 78°68' पूर्व
(c)	नागपुर	-	78°15' पूर्व से 79°40' पूर्व
(d)	पुणे	-	73°19' पूर्व से 75°10' पूर्व

अतः दिए गए विकल्पों में बंगलुरू, दिल्ली के सर्वाधिक समीप देशांतर पर स्थित होगा, क्योंकि दिल्ली और बंगलुरू के मध्य देशांतरीय अंतर सबसे कम है। अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

V. दूरस्थ बिंदु

नोट्स

*31 अक्टूबर, 2019 से भारत में सर्वाधिक **पूर्वी राज्य अरुणाचल प्रदेश**; **पश्चिमी राज्य गुजरात**; **उत्तरी राज्य हिमाचल प्रदेश** एवं **दक्षिणी राज्य तमिलनाडु** है। राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में सर्वाधिक **उत्तरी भाग में लद्दाख** तथा **दक्षिणी भाग में अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह** है। भारत के इतने वृहद् क्षेत्रफल के चार सुदूरस्थ बिंदु (Extreme Points) इस प्रकार हैं—

*सुदूरस्थ **दक्षिणी बिंदु** (Southernmost Point)- ***इंदिरा प्वाइंट** (ग्रेट निकोबार अथवा बड़ा निकोबार द्वीप) है एवं भारत की मुख्य भूमि पर दक्षिणतम बिंदु **कन्याकुमारी (तमिलनाडु)**।

*सुदूरस्थ उत्तरी बिंदु, (Northernmost Point)—सियाचिन ग्लेशियर के निकट, **इंदिरा कोल** (Indira Col) **लद्दाख**।

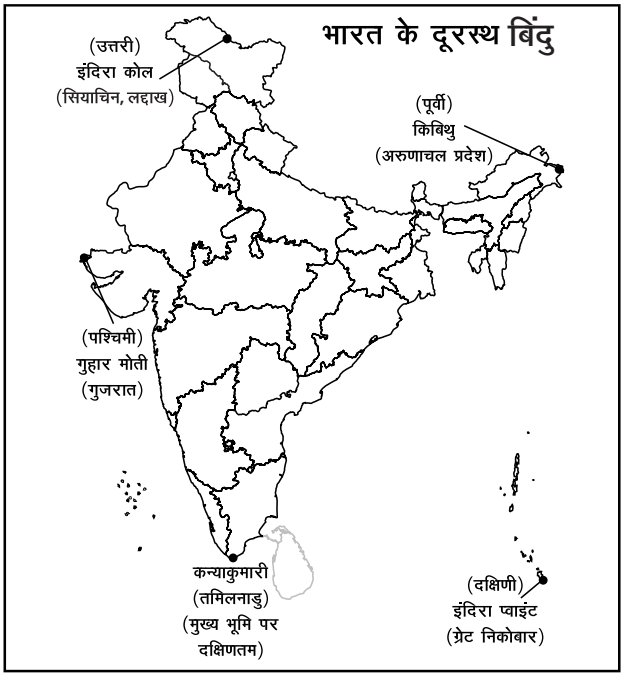

*सुदूरस्थ पश्चिमी बिंदु (Westernmost Point)–**गुहार मोती (गुजरात)**।
*सुदूरस्थ पूर्वी बिंदु (Easternmost Point)–**किबिथु (अरुणाचल प्रदेश)**।
*तमिलनाडु राज्य में अवस्थित कन्याकुमारी भारत की मुख्य भूमि पर स्थित दक्षिणतम स्थल है। *कन्याकुमारी (केप कोमोरिन), भारत का वह स्थान है जहां बंगाल की खाड़ी, अरब सागर तथा हिंद महासागर मिलते हैं।

प्रश्नकोश

1. भारत का सुदूरस्थ दक्षिणी बिंदु (Southernmost Point) है–
(a) कन्याकुमारी पर (b) रामेश्वरम पर
(c) इंदिरा प्वाइंट पर (d) प्वाइंट कालीमेर पर
U.P. Lower Sub. (Pre) 2002
Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर–(c)

भारत का सुदूरस्थ दक्षिणी बिंदु (Southernmost Point)–इंदिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार अथवा बड़ा निकोबार द्वीप) है। अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।

2. भारत का दक्षिणतम बिंदु कहां है?
(a) कन्याकुमारी (b) बड़ा निकोबार
(c) लक्षद्वीप (d) मद्रास
U.P.P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. भारत का सुदूर दक्षिण में 'इंदिरा प्वाइंट' निम्नलिखित में से कहां स्थित है?
(a) तमिलनाडु (b) छोटा निकोबार
(c) बड़ा निकोबार (d) कार निकोबार द्वीप
M.P. PCS (Pre) 2006

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. भारत के राज्यों का निम्नलिखित में से कौन-सा एक युग्म, सबसे पूर्वी और सबसे पश्चिमी राज्य को इंगित करता है?
(a) असम और राजस्थान
(b) अरुणाचल प्रदेश और राजस्थान
(c) असम और गुजरात
(d) अरुणाचल प्रदेश और गुजरात
I.A.S. (Pre) 2015

उत्तर–(d)

भारत के राज्यों में सर्वाधिक पूर्वी राज्य अरुणाचल प्रदेश एवं सबसे पश्चिमी राज्य गुजरात है।

5. भारत का सुदूर पश्चिम का बिंदु है–
(a) 68^0 7' पश्चिम, गुजरात में
(b) 68^0 7' पश्चिम, राजस्थान में
(c) 68^0 7' पूर्व, गुजरात में
(d) 68^0 7' पूर्व, राजस्थान में
M.P.P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर–(c)

भारत के मुख्य भूमि का सुदूरस्थ पश्चिमी बिंदु 23.713° उत्तरी अक्षांश तथा $68^0$7′ पूर्वी देशांतर पर गुहार मोती (गुजरात) में स्थित है।

6. निम्नलिखित प्रमुख भारतीय नगरों में से कौन-सा एक सबसे अधिक पूर्व की ओर अवस्थित है?
(a) हैदराबाद (b) भोपाल
(c) लखनऊ (d) बंगलुरू
I.A.S. (Pre) 2007

उत्तर–(c)

उपर्युक्त भारतीय नगरों (जिलों) की अवस्थिति उनके देशांतरीय विस्तार से स्पष्ट की जा सकती है, जिनका विवरण इस प्रकार है-

हैदराबाद	-	$78^o23'$ से $78^o68'$ पूर्वी देशांतर
भोपाल	-	$77^o12'$ से $77^o40'$ पूर्वी देशांतर
लखनऊ	-	$80^o34'$ से $81^o12'$ पूर्वी देशांतर
बंगलुरू	-	$77^o19'$ से $77^o50'$ पूर्वी देशांतर

उपर्युक्त सभी नगर पूर्वी देशांतरों के मध्य अवस्थित हैं। अतः जिस नगर का देशांतरीय मान सबसे अधिक होता है, वही सबसे अधिक पूर्व में अवस्थित होगा। देशांतरीय विश्लेषण से स्पष्ट है कि सबसे अधिक पूर्व की ओर अवस्थित नगर लखनऊ है।

7. भारत का वह कौन-सा स्थान है, जहां बंगाल की खाड़ी, अरब सागर तथा हिंद महासागर मिलते हैं?

(a) कन्याकुमारी (b) इंदिरा प्वाइंट

(c) नागरकोइल (d) रामेश्वरम

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(a)

भारतीय मुख्य भूमि के दक्षिणी छोर पर स्थित कन्याकुमारी वह स्थान है, जहां बंगाल की खाड़ी, अरब सागर तथा हिंद महासागर मिलते हैं। कन्याकुमारी भारतीय राज्य तमिलनाडु में स्थित है।

vi. सीमावर्ती देश

नोट्स

*भारत के निकटतम पड़ोसी देश **पाकिस्तान**, **अफगानिस्तान**, **चीन**, **नेपाल**, **भूटान**, **म्यांमार**, **बांग्लादेश**, **मालदीव** व **श्रीलंका** हैं।* देश की सीमाएं **प्राकृतिक** एवं **मानव निर्मित** दोनों प्रकार की हैं।* भारत की **स्थलीय सीमा** उत्तर में **चीन** व **नेपाल**, **उत्तर-पश्चिम** में **अफगानिस्तान**, **पश्चिम** में **पाकिस्तान**, **पूर्व** में **बांग्लादेश** एवं **म्यांमार** तथा **उत्तर-पूर्व** में **भूटान** से मिलती है। *पश्चिम में **पाकिस्तान** तथा पूर्व में **बांग्लादेश** के साथ भारत की सीमाएं **कृत्रिम अथवा मानव निर्मित** हैं, जबकि अन्य देशों- **अफगानिस्तान**, **पाकिस्तान**, **चीन**, **नेपाल**, **भूटान** तथा **म्यांमार** के साथ भारत की सीमाएं **प्राकृतिक** हैं।

भारत की भू-सीमा **15,106.7 किमी.** और द्वीप क्षेत्रों सहित तटरेखा **7,516.6 किमी.** है। पड़ोसी देशों के साथ भू-सीमाओं की लंबाई निम्नानुसार है-

देश का नाम	सीमा की लंबाई (किमी. में)	सीमा से संबद्ध भारतीय राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश
बांग्लादेश	4096.7	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
चीन	3488.0	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश
पाकिस्तान	3323.0	लद्दाख, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात
नेपाल	1751.0	उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
म्यांमार	1643.0	अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम
भूटान	699.0	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश
अफगानिस्तान	106.0	लद्दाख
कुल	**15,106.7**	

*भारत की **सबसे लंबी स्थलीय** सीमा **बांग्लादेश** के साथ, जबकि **सबसे छोटी स्थलीय** सीमा **अफगानिस्तान** के साथ है।

***भारत-बांग्लादेश** के साथ सबसे लंबी सीमा **पश्चिम बंगाल** राज्य की, जबकि **भारत-म्यांमार** के साथ सबसे लंबी सीमा **अरुणाचल प्रदेश** राज्य की है।

एक से अधिक देशों की सीमा को स्पर्श करने वाले राज्य/केंद्रशासित प्रदेश	
राज्य/केंद्रशासित प्रदेश	**देश**
लद्दाख	पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन
उत्तराखंड	चीन, नेपाल
पश्चिम बंगाल	बांग्लादेश, नेपाल, भूटान
सिक्किम	नेपाल, चीन, भूटान
असम	बांग्लादेश, भूटान
अरुणाचल प्रदेश	चीन, म्यांमार, भूटान
मिजोरम	बांग्लादेश, म्यांमार

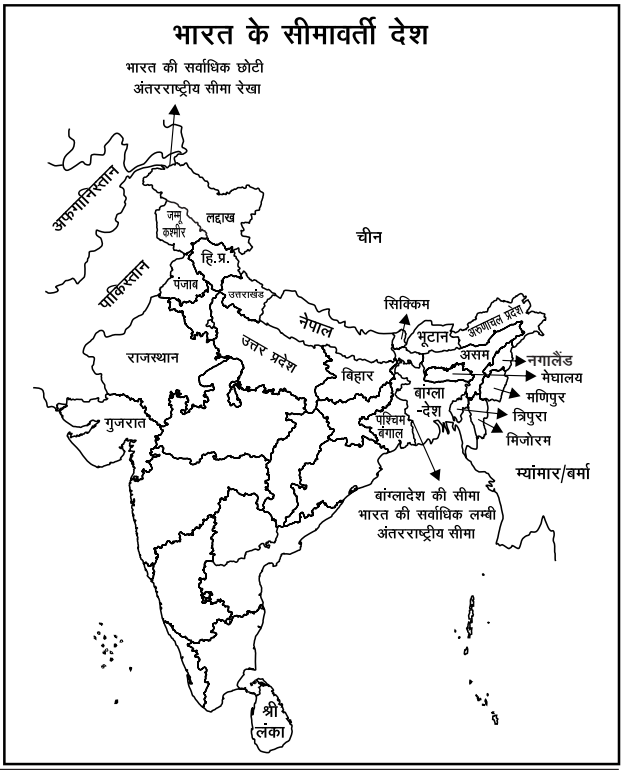

*उत्तर में हिमालय, दक्षिण-पूर्व में बंगाल की खाड़ी, दक्षिण में हिंद महासागर तथा दक्षिण-पश्चिम में अरब सागर, भारत की **प्राकृतिक सीमाएं** निर्धारित करते हैं। ***भारत तथा पाकिस्तान** के मध्य सीमा-रेखा **अध्यारोपित सीमा** (Superimposed Boundary) का एक उदाहरण है। **अध्यारोपित सीमा** एक ऐसी सीमा होती है, जो **किसी बाह्य शक्ति द्वारा** आरोपित की जाती है। वर्ष 1947 में भारत और पाकिस्तान ने **ग्रेट ब्रिटेन द्वारा** अध्यारोपित सीमा को साझा किया था। *इस रेखा को **रेडक्लिफ रेखा** कहते हैं। इस रेखा का निर्धारण **सर सीरिल रेडक्लिफ** द्वारा किया गया। *चीन, भारत से **मैकमोहन** (मैकमाहोन) **रेखा** द्वारा पृथक होता है। *मैकमाहोन रेखा का निर्धारण वर्ष **1914** में **सर हेनरी मैकमाहोन** (Sir Henry McMahon) द्वारा किया गया था। *अफगानिस्तान, भारत से **डूरंड रेखा** द्वारा पृथक होता है। इस सीमा रेखा का निर्धारण वर्ष **1893** में ब्रिटिश कर्नल **मोर्टिमर डूरंड** द्वारा अफगानों के साथ समझौता के माध्यम से किया गया था। *समुद्र पार भारत का सर्वाधिक निकटतम देश **श्रीलंका** है, जो **पाक जलडमरूमध्य द्वारा** भारतीय मुख्य भू-भाग (तमिलनाडु) से पृथक होता है। यह बंगाल की खाड़ी को मन्नार की खाड़ी से जोड़ता है। इसकी **चौड़ाई 64-137 किमी.** है। इसका नामकरण **रॉबर्ट पाक (Robert Palk)** के नाम पर किया गया है।

***भारत-म्यांमार** के मध्य हिमालय की उत्तरी-पूर्वी पर्वत श्रेणियां (**अराकान योमा, नागा, पटकाई**) स्थलीय सीमा बनाती हैं। ये भारत को **इरावदी नदी** द्वारा **म्यांमार** से अलग करती हैं। ***त्रिपुरा राज्य** उत्तर, पश्चिम एवं दक्षिण में **तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा** हुआ है। अतः इसके तीन तरफ **अंतरराष्ट्रीय सीमा** है। ***लद्दाख** एवं **सिक्किम** के भी तीनों ओर अंतरराष्ट्रीय सीमा है। *भारत की ओर से भारत-बांग्लादेश की सीमा **पश्चिम बंगाल** (2216.7 किमी.), **असम** (263 किमी.), **मेघालय** (443 किमी.), **त्रिपुरा** (856 किमी.) और **मिजोरम** (318 किमी.) से होकर गुजरती है। *अरुणाचल प्रदेश (520 किमी.), नगालैंड (215 किमी.), मणिपुर (398 किमी.) और मिजोरम (510 किमी.) ऐसे राज्य हैं, जिनकी सीमाएं म्यांमार के साथ स्पर्श करती हैं। *भूटान के साथ सर्वाधिक सीमा **असम** (267 किमी.) राज्य की स्पर्श करती है। इसके पश्चात क्रमशः **अरुणाचल प्रदेश** (217 किमी.), पश्चिम बंगाल (183 किमी.) एवं **सिक्किम** (32 किमी.) राज्यों की सीमाएं स्पर्श करती हैं। *भारत और चीन के मध्य 3488 किमी. स्थलीय सीमा है, जो लद्दाख (1597 किमी.), **हिमाचल प्रदेश** (200 किमी.), **उत्तराखंड** (345 किमी.), **सिक्किम** (220 किमी.) एवं **अरुणाचल प्रदेश** (1126 किमी.) में विस्तृत है।

प्रश्नकोश

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. असम, भूटान तथा बांग्लादेश की सीमाओं से लगा हुआ है।

2. पश्चिम बंगाल, भूटान तथा नेपाल की सीमाओं से लगा हुआ है।

3. मिजोरम, बांग्लादेश तथा म्यांमार की सीमाओं से लगा हुआ है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) 1, 2 तथा 3 (b) केवल 1 तथा 2

(c) केवल 2 तथा 3 (d) केवल 1 तथा 3

I.A.S. (Pre) 2006

उत्तर–(a)

भारत के मानचित्र अध्ययन से सुस्पष्ट होता है कि उपर्युक्त तीनों ही कथन सत्य हैं।

2. निम्न में किस राज्य की सीमा बांग्लादेश से नहीं मिलती है?

(a) मेघालय (b) त्रिपुरा

(c) मणिपुर (d) मिजोरम

U.P.P.C.S. (Pre) 2002
U.P. Lower Sub. (Pre) 2002
U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2004
Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Mains) 2007

उत्तर–(c)

मणिपुर की सीमा बांग्लादेश से नहीं मिलती है। बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगने वाले भारतीय राज्य इस प्रकार हैं– पश्चिम बंगाल (2216.7 किमी.), असम (263 किमी.), मेघालय (443 किमी.), त्रिपुरा (856 किमी.) और मिजोरम (318 किमी.) से होकर गुजरती है।

3. निम्नलिखित राज्यों में से कौन-सा राज्य बांग्लादेश से अपनी सीमा नहीं बनाता है?

(a) असम (b) नगालैंड

(c) मेघालय (d) मिजोरम

U.P.P.C.S. (Mains) 2016

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. बांग्लादेश की सीमा से लगे भारत के राज्य हैं–

(a) पश्चिम बंगाल, नगालैंड, असम, मेघालय

(b) नगालैंड, असम, सिक्किम, पश्चिम बंगाल

(c) मेघालय, असम, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा

(d) नगालैंड, असम, पश्चिम बंगाल, मणिपुर

Chhattisgarh P.C.S. (Spl.) (Pre) 2003

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. निम्नलिखित में से किस भारतीय राज्य की सीमाएं भूटान राष्ट्र के साथ नहीं मिलती हैं?

(a) सिक्किम (b) मेघालय
(c) अरुणाचल प्रदेश (d) पश्चिम बंगाल

M.P.P.C.S. (Pre.), 2012

उत्तर—(b)

भूटान के साथ सीमा साझा करने वाले भारतीय राज्य इस प्रकार हैं-अरुणाचल प्रदेश, असम, प.बंगाल और सिक्किम, जबकि मेघालय की सीमा बांग्लादेश के साथ मिलती है। भूटान के साथ सर्वाधिक सीमा असम (267 किमी.) राज्य की स्पर्श करती है। इसके पश्चात क्रमशः अरुणाचल प्रदेश (217 किमी.), पश्चिम बंगाल (183 किमी.) एवं सिक्किम (32 किमी.) राज्य की स्पर्श करती है।

6. निम्न में से कौन-सा भारतीय राज्य, भूटान के साथ सीमा नहीं बांटता है?

(a) असम (b) सिक्किम
(c) बिहार (d) अरुणाचल प्रदेश

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. नवंबर, 1998 में भारत और पाकिस्तान के बीच 'सम्मिश्र संवाद प्रक्रिया' में तीन विवादग्रस्त मुद्दों पर, जो नीचे 1, 2 तथा 3 पर सूचीगत हैं, विचार-विमर्श हुआ था—विवादग्रस्त मुद्दे हैं—

1. सैन्यदलों का विनियोजन 2. सीमा-विवाद का निपटारा
3. नदी जल का बंटवारा

इन मुद्दों को मानचित्र में चिह्नित A, B तथा C क्षेत्रों से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए—

कूट :

(a) A-2 B-1 C-3 (b) A-2 B-3 C-1
(c) A-1 B-3 C-2 (d) A-3 B-2 C-1

I.A.S. (Pre) 1999

उत्तर—(a)

नवंबर, 1998 में भारत और पाकिस्तान के बीच प्रारंभ 'सम्मिश्र संवाद प्रक्रिया' (Composite Dialogue Process) के तहत वार्ता हेतु कुल 6 मुद्दे निर्धारित थे, जिसमें सरक्रीक की समुद्री जल सीमा, सिंधु नदी जल बंटवारे के अंतर्गत तुलबुल एवं वूलर बैराज तथा नियंत्रण रेखा पर सैन्य दलों का विनियोजन शामिल था। A सरक्रीक क्षेत्र को, B नियंत्रण रेखा क्षेत्र को तथा C सिंधु नदी क्षेत्र को प्रदर्शित कर रहा है।

8. कौन-से भारतीय राज्य की अधिकतम सीमा म्यांमार से स्पर्श करती है?

(a) मणिपुर (b) अरुणाचल प्रदेश
(c) मिजोरम (d) नगालैंड

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2007

उत्तर—(b)

अरुणाचल प्रदेश (520 किमी.), नगालैंड (215 किमी.), मणिपुर (398 किमी.) और मिजोरम (510 किमी.) ऐसे राज्य हैं, जिनकी सीमाएं म्यांमार को स्पर्श करती हैं।

9. निम्नलिखित में से भारत के किस राज्य की सीमा म्यांमार से उभयनिष्ठ नहीं है?

(a) असम (b) नगालैंड
(c) अरुणाचल प्रदेश (d) मिज़ोरम

U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर—(a)

असम राज्य की सीमा म्यांमार से उभयनिष्ठ नहीं है।

10. भारत के निम्नलिखित राज्यों के समूहों में से कौन-सा समूह पाकिस्तान से सीमा बनाता है?

(a) जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब तथा राजस्थान
(b) पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, राजस्थान तथा गुजरात
(c) पंजाब, हरियाणा, जम्मू एवं कश्मीर तथा राजस्थान
(d) पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान तथा गुजरात

U.P. P.C.S. (Pre) 1990
U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2001

उत्तर—(b)

पाकिस्तान के साथ भारतीय राज्य पंजाब, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान तथा गुजरात सीमा बनाते हैं। 31 अक्टूबर, 2019 से जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश के रूप में पाकिस्तान से सीमा बनाते हैं।

11. नेपाल के पड़ोसी भारतीय राज्यों का युग्म है—

(a) सिक्किम-भूटान (b) सिक्किम-बिहार
(c) असम-बिहार (d) उत्तर प्रदेश-हरियाणा

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1999, 2000

उत्तर—(b)

नेपाल के साथ सिक्किम-बिहार राज्य युग्म बनाते हैं। नेपाल की सीमा को स्पर्श करने वाले अन्य भारतीय राज्य हैं- उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल।

12. निम्नलिखित में से किस देश की भारत के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा है?

(a) चीन (b) नेपाल (c) पाकिस्तान (d) बांग्लादेश

M.P.P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(d)

भारत की सबसे लंबी स्थलीय सीमा बांग्लादेश के साथ लगती है। इसकी कुल लंबाई 4096.7 किमी. है। वहीं सबसे छोटी सीमा अफगानिस्तान (106 किमी.) के साथ है।

13. भारत तथा पाकिस्तान के बीच सीमा निर्धारित की गई थी—

(a) डूरंड रेखा द्वारा
(b) मैकमोहन रेखा द्वारा
(c) मैगीनॉट रेखा द्वारा
(d) रेडक्लिफ रेखा द्वारा

U.P.P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर—(d)

भारत एवं पाकिस्तान के मध्य अंतरराष्ट्रीय सीमा का निर्धारण रेडक्लिफ रेखा द्वारा किया गया है।

14. रेडक्लिफ रेखा कौन-सी है?

(a) अमेरिका-कनाडा सीमा रेखा
(b) भारत-पाकिस्तान सीमा रेखा
(c) भारत-चीन सीमा रेखा
(d) रूस-फिनलैंड सीमा रेखा

M.P. P.C.S. (Pre) 2006

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. डूरंड लाइन किसके साथ भारत की सीमा निर्धारित करती है?

(a) अफगानिस्तान (b) बर्मा
(c) नेपाल (d) तिब्बत

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2006

उत्तर—(a)

भारत और अफगानिस्तान के साथ डूरंड लाइन सीमा निर्धारित करती है। इस सीमा रेखा का निर्धारण वर्ष 1893 में ब्रिटिश कर्नल मोर्टिमर डूरंड द्वारा अफगानों के साथ समझौता के माध्यम से किया गया था।

16. भारत तथा पाकिस्तान के मध्य सीमा-रेखा एक उदाहरण है-

(a) अध्यारोपित सीमा का
(b) पूर्ववर्ती सीमा का
(c) अवशिष्ट सीमा का
(d) परवर्ती सीमा का

M.P.P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(a)

भारत तथा पाकिस्तान के मध्य सीमा-रेखा अध्यारोपित सीमा (Super-imposed Boundary) का एक उदाहरण है। अध्यारोपित सीमा एक ऐसी सीमा होती है, जो किसी बाह्य शक्ति द्वारा आरोपित की जाती है। वर्ष 1947 में भारत और पाकिस्तान ने ग्रेट ब्रिटेन द्वारा अध्यारोपित सीमा को साझा किया था।

17. कौन-से दो देशों को 'मैकमोहन रेखा' विभक्त करती है?

(a) भारत और चीन
(b) चीन और अफगानिस्तान
(c) पाकिस्तान और भारत
(d) पाकिस्तान और अफगानिस्तान

M.P.P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. भारत और चीन के बीच सीमा-रेखा को क्या कहा जाता है?

(a) मैकमोहन रेखा
(b) रेडक्लिफ रेखा
(c) इंदिरा प्वाइंट
(d) डूरंड रेखा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) (Re. Exam) 2022

उत्तर—(a)

भारत और चीन की उत्तर-पूर्वी सीमा का सीमांकन मैकमोहन (मैकमाहोन) रेखा करती है। इस रेखा का निर्धारण वर्ष 1914 में सर हेनरी मैकमाहोन द्वारा किया गया था।

19. भारत और चीन की उत्तर-पूर्वी सीमा का सीमांकन कौन-सी रेखा करती है?

(a) डूरंड रेखा
(b) मैकमोहन रेखा
(c) रेडक्लिफ रेखा
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

M.P.P.C.S. (Pre) 1993

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. मैकमोहन रेखा सीमा रेखा बनाती है-

(a) भारत एवं चीन के बीच
(b) भारत एवं पाकिस्तान के बीच
(c) भारत एवं म्यांमार के बीच
(d) भारत एवं नेपाल के बीच

U.P.P.C.S. (Pre) 2018

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. किसके द्वारा भारत, श्रीलंका से अलग होता है?

(a) स्वेज नहर (b) पाक जलडमरूमध्य
(c) खंभात की खाड़ी (d) कच्छ की खाड़ी

M.P.P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर—(b)

पाक जलडमरूमध्य द्वारा भारत, श्रीलंका से अलग होता है।

22. भारत के किस प्रदेश की सीमाएं तीन देशों क्रमशः नेपाल, भूटान एवं चीन से मिलती हैं?

(a) अरुणाचल प्रदेश (b) मेघालय

(c) पश्चिम बंगाल (d) सिक्किम

M.P.P.C.S. (Pre) 2008, 2015

उत्तर—(d)

भारत के मानचित्र अध्ययन से सुस्पष्ट होता है कि सिक्किम प्रदेश की सीमाएं तीन देशों क्रमशः नेपाल, भूटान एवं चीन से मिलती हैं।

23. भारत के निम्नांकित राज्यों में से किसके तीन तरफ अंतरराष्ट्रीय सीमाएं हैं?

(a) असम (b) नगालैंड

(c) त्रिपुरा (d) पश्चिम बंगाल

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2008

उत्तर—(c)

त्रिपुरा राज्य पूर्णतया उत्तर, पश्चिम एवं दक्षिण में तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा हुआ है, अतः इसके तीन तरफ अंतरराष्ट्रीय सीमा है। वहीं पश्चिम बंगाल के केवल उत्तरी क्षेत्र के तीन तरफ अंतरराष्ट्रीय सीमाएं हैं।

24. भारत का अपने पड़ोसी देशों के मध्य अंतरराष्ट्रीय सीमा के विस्तार का आरोही क्रम है?

(a) चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल

(b) नेपाल, पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश

(c) नेपाल, पाकिस्तान, बांग्लादेश, चीन

(d) पाकिस्तान, नेपाल, चीन, बांग्लादेश

M.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर—(b)

भारत के पड़ोसी देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा (भू-सीमा) की लंबाई निम्नानुसार है-

देश	सीमा की लंबाई (किमी. में)
बांग्लादेश	4096.7
चीन	3488
पाकिस्तान	3323
नेपाल	1751
म्यांमार	1643
भूटान	699
अफगानिस्तान	106
कुल	15,106.7

अतः प्रश्नानुसार आरोही क्रम है - नेपाल, पाकिस्तान, चीन तथा बांग्लादेश।

भौतिक विभाजन

i. भारत के प्राकृतिक प्रदेश

नोट्स

***पुराचुंबकत्व** (Paleomagnetism) अध्ययन की वह शाखा है, जो **चट्टानों, अवसादों** के **निर्माण के समय संरक्षित गुणों** का अध्ययन करती है। विज्ञान की यह शाखा **प्राचीन भूवैज्ञानिक घटनाओं** के अध्ययन में सहायक होती है। ***पृथ्वी के **चुंबकीय क्षेत्र** का अध्ययन भी **पुराचुंबकत्व** के माध्यम से किया जाता है। अल्फ्रेड वेगनर के **महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत** को प्रमाणित करने के लिए भी **पुराचुंबकीय अध्ययन** को आधार बनाया गया है। ***महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत के अनुसार, **भारतीय स्थल पिंड गोंडवानालैंड** का भाग है। ***गोंडवाना भू-भाग के विशाल क्षेत्र में **भारत, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका** तथा **अंटार्कटिका** के क्षेत्र शामिल थे। ***मध्यवर्ती मध्यजीवी कल्प में **संवहनीय धाराओं** द्वारा **गोंडवानालैंड** को अनेक टुकड़ों में **विभाजित** कर दिया गया। ***इस विभाजन के फलस्वरूप भारतीय प्लेट गोंडवाना भूमि से अलग होने के बाद **उत्तर दिशा की ओर** विस्थापित होने लगी। उत्तर दिशा की ओर विस्थापन के परिणामस्वरूप **भारतीय प्लेट** अपने से अधिक विशाल प्लेट, **यूरेशियन प्लेट** से टकराई। ***इस टकराव के कारण इन दोनों प्लेटों (भारतीय तथा यूरेशियन) के बीच स्थित **'टेथिस सागर'** (Tethys sea) के **अवसादी चट्टान** वलित होकर **हिमालय** तथा **पश्चिम एशिया** की **पर्वतीय श्रृंखला** के रूप में विकसित हो गए। ***हिमालय की पूरी पर्वत श्रृंखला एक **युवा स्थालाकृति** को दर्शाती है। इसमें **ऊंचे शिखर, गहरी घाटियां** तथा **तेज बहने वाली** नदियां हैं। ***हिमालय के तराई क्षेत्र में **पाताल तोड़ कुएं** भी पाए जाते हैं।

***टेथिस सागर** के हिमालय के रूप में ऊपर उठने तथा **प्रायद्वीपीय पठार** के उत्तरी किनारे के नीचे धंसने के कारण एक वृहद **द्रोणी (Basin)** का निर्माण हुआ। समय के साथ-साथ यह बेसिन **उत्तर के पर्वतों** एवं **प्रायद्वीपीय पठारों** से बहने वाली नदियों के **अवसादी निक्षेपों** द्वारा धीरे-धीरे भर गया। ***इस प्रकार **जलोढ़ निक्षेपों** से निर्मित एक विस्तृत समतल भू-भाग भारत के **उत्तरी मैदान** के रूप में विकसित हो गया।

***भूगर्भीय रूप में **प्रायद्वीपीय पठार पृथ्वी की सतह** का **प्राचीनतम भाग** है। ***प्रायद्वीपीय** भाग भारत का सर्वाधिक **स्थिर** भाग है। ***प्रायद्वीपीय पठार **आग्नेय** तथा **रूपांतरित शैलों** वाली कम ऊंची पहाड़ियों एवं चौड़ी घाटियों से बना है। ***मेघालय पठार प्रायद्वीपीय पठार का **बहिर्शायी (Outlier)** है। ***यह एक समतल भूमि है, जो **भ्रंशन के** कारण **भारतीय प्रायद्वीप** से **माल्दा गैप द्वारा** पृथक हो गया है। ***भारत के **पश्चिमी तट** का निर्माण भूमि के **उत्थान** एवं **निर्गमन** के कारण हुआ।

***भारत की भूमि बहुत अधिक भौतिक विभिन्नताओं को दर्शाती है। इसलिए भारत को **चार प्राकृतिक प्रदेशों** में विभाजित किया जाता है। ये

हैं- 1. **उत्तर का पर्वतीय क्षेत्र** 2. **विशाल मैदान** 3. **प्रायद्वीपीय पठार** तथा 4. **तट एवं द्वीप**। *इसके अतिरिक्त भारत को शैल स्तर क्रम, उच्चावच और विवर्तनिक प्रक्रमों के आधार पर तीन प्रमुख और छः उपभौतिक भू-आकृतिक प्रदेशों में बांटा गया है-

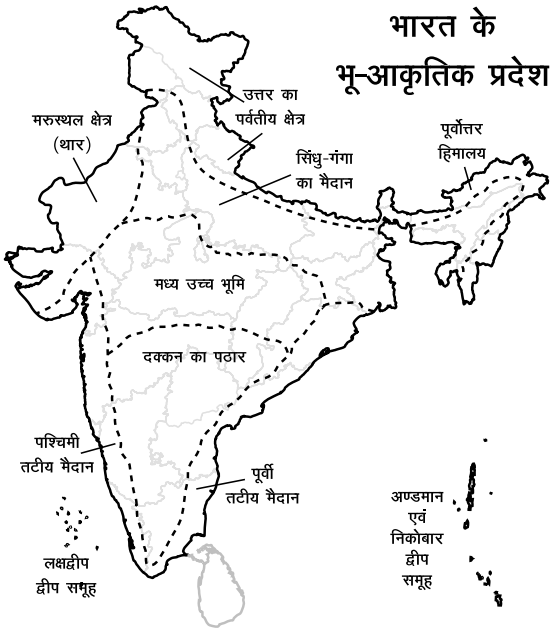

1. उत्तरी तथा उत्तरी-पूर्वी पर्वतमाला
2. उत्तरी भारत का मैदान
3. भारतीय मरुस्थल
4. प्रायद्वीपीय पठार
5. तटीय मैदान
6. द्वीप समूह

*धारवाड़ क्रम की चट्टानों का निर्माण आर्कियन क्रम की चट्टानों के रूपांतरण अथवा भ्रंशन से हुआ। ये शिलाएं अत्यधिक धात्विक हैं जिनमें सोना, लोहा, मैंगनीज, अभ्रक, कोबाल्ट, क्रोमियम, तांबा, टंगस्टन, सीसा आदि खनिज प्राप्त होते हैं। *कुडप्पा क्रम की चट्टानों का निर्माण धारवाड़ क्रम की चट्टानों के बाद हुआ है। विंध्यन क्रम की चट्टानों का निर्माण कुडप्पा क्रम की चट्टानों के बाद हुआ है। इनमें चूने का पत्थर, बलुआ पत्थर, चीनी मिट्टी तथा वर्ण मिट्टी प्राप्त होती है। *विंध्यन क्रम की चट्टानों के काफी समय बाद गोंडवाना क्रम की चट्टानों का निर्माण हुआ। भारत का अधिकांश कोयला गोंडवाना क्षेत्र से ही प्राप्त होता है। *इस क्षेत्र का कोयला उच्च श्रेणी का होता है। यहां सर्वाधिक बिटुमिनस कोयले की प्राप्ति होती है। इसमें सल्फर की मात्रा न्यून होती है।

प्रश्नकोश

1. भारत से उपबंध पुराचुंबकीय परिणामों से संकेत मिलते हैं कि भूतकाल में भारतीय स्थलपिंड सरका है–

(a) उत्तर को (b) दक्षिण को
(c) पूर्व को (d) पश्चिम को

I.A.S. (Pre) 1995
U.P.P.C.S. (Pre) 1998

उत्तर–(a)

महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत के अनुसार, भारतीय स्थलपिंड गोंडवानालैंड का भाग है। गोंडवानालैंड में द. अमेरिका, अफ्रीका, अंटार्कटिका, ऑस्ट्रेलिया और भारत एक ही स्थल पिंड के रूप में जुड़े थे। मध्यवर्ती मध्यजीवी कल्प में गोंडवानालैंड के विशाल भूखंड का विखंडन हुआ, जिसमें भारतीय स्थल पिंड उत्तर की ओर विस्थापित हुआ।

2. भारतीय उपमहाद्वीप मूलतः एक विशाल भूखंड का भाग था, जिसे कहते हैं–

(a) जुरैसिक भूखंड (b) आर्यावर्त
(c) इंडियाना (d) गोंडवानालैंड

I.A.S. (Pre) 1995

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. भारत कितने प्राकृतिक प्रदेशों में विभाजित है?

(a) 4 (b) 6
(c) 7 (d) 8

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1996

उत्तर–(a)

भारत को मुख्यतः चार प्राकृतिक प्रदेशों में विभाजित किया जाता है। ये हैं- 1. उत्तर का पर्वतीय क्षेत्र, 2. विशाल मैदान, 3. प्रायद्वीपीय पठार तथा 4. तट एवं द्वीप। भारत को छः उपभौतिक भू-आकृतिक प्रदेशों में (NCERT के अनुसार) बांटा गया है।

4. उत्तराखंड के किस भाग में पाताल तोड़ कुएं पाए जाते हैं?

(a) भाभर में (b) तराई में
(c) शिवालिक पहाड़ियों में (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(b)

पाताल तोड़ कुएं ऐसे प्राकृतिक जल स्रोत होते हैं, जो धरातल से स्वतः ऊपर प्रकट होते हैं और सतह पर जल निकलता रहता है, परंतु जल स्रोत तथा पाताल तोड़ कूप में अंतर होता है- प्रथम में जल स्वतः ऊपर आ जाता है, परंतु दूसरे के लिए (पाताल तोड़ कूप में) मनुष्य को धरातलीय सतह पर पहले कुआं खोदना पड़ता है और बाद में जल स्वतः निकलने लगता है। पाताल तोड़ कुएं भारत में तराई क्षेत्र में पाए जाते हैं।

5. भारत में भू-आकारों की रचना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर मनन कीजिए–

1. संरचनात्मक दृष्टि से मेघालय पठार दक्कन पठार का ही विस्तारित भाग है।

2. कश्मीर घाटी की रचना एक समभिनति में हुई।

3. गंगा मैदान की रचना एक अग्रगर्त में हुई।

4. हिमालय की उत्पत्ति भारतीय प्लेट, यूरोपीय प्लेट तथा चीनी प्लेट के त्रिकोणीय अभिसरण के फलस्वरूप हुई है।

इन कथनों में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) 1, 2 तथा 3 (b) 1, 3 तथा 4
(c) 1 तथा 3 (d) 2 तथा 4

47th B.P.S.C. (Pre) 2005

उत्तर—(a)

मेघालय पठार प्रायद्वीपीय पठार का बहिर्शायी (Outlier) है। यह एक समतल भूमि है, जो भ्रंशन के कारण भारतीय प्रायद्वीप से माल्दा गैप द्वारा पृथक हो गया है। अतः कथन (1) सही है।
कश्मीर घाटी की रचना हिमालय की समभिनति में ही हुई है। अतः कथन (2) सही है।
स्वेस के अनुसार, गंगा के विशाल मैदान की उत्पत्ति तब हुई, जब प्रायद्वीप के दृढ़ भूखंड ने हिमालय के दक्षिण की ओर प्रसार को रोका, तो हिमालय के उच्च वलनों के समक्ष एक अग्रगर्त (Foredeep) पैदा हो गया। यह अग्रगर्त एक विशाल भूसन्नति की भांति था। हिमालय से निकलने वाली नदियों द्वारा निरंतर लाए जा रहे अवसादों से यह अग्रगर्त धीरे-धीरे भरता रहा। बाद में इसी में विशाल मैदानों का निर्माण हुआ। अतः कथन (3) सही है।
हिमालय की उत्पत्ति भारतीय प्लेट और यूरेशियन प्लेट की टक्कर से हुई है। चीनी प्लेट का विवरण प्लेट टेक्टॉनिक सिद्धांत में नहीं है। अतः कथन (4) गलत है।

6. निम्न में से कौन-सा कथन असत्य है?

(a) भौमिकीय दृष्टि से प्रायद्वीप क्षेत्र भारत का सबसे प्राचीन भाग है।
(b) हिमालय विश्व में सबसे नवीन वलित (फोल्डेड) पर्वतों को प्रदर्शित करते हैं।
(c) भारत के पश्चिमी समुद्र तट का निर्माण नदियों की जमाव क्रिया द्वारा हुआ है।
(d) भारत में गोंडवाना शिलाओं में कोयले का वृहत्तम भंडार है।

U.P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर—(c)

भारत के पश्चिमी समुद्र तट का निर्माण नदियों की जमाव क्रिया द्वारा नहीं, बल्कि भूमि के उत्थान एवं निर्गमन के कारण हुआ है। भारत में कोयले का विशाल भंडार यहां की गोंडवाना शैलों में पाया जाता है। हिमालय विश्व में सबसे नवीन वलित पर्वतों में से एक है। भौमिकीय दृष्टि से प्रायद्वीपीय क्षेत्र भारत का सबसे प्राचीन भाग है। अतः स्पष्ट है कि विकल्प (c) असत्य है।

7. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I	सूची-II
A. दक्कन ट्रैप	1. उत्तर नूतन
B. पश्चिमी घाट	2. प्री-कैम्ब्रियन
C. अरावली	3. क्रिटेशियस-आदि नूतन
D. नर्मदा-ताप्ती जलोढ़ निक्षेप	4. कैम्ब्रियन
	5. अत्यंत नूतन

कूट :

(a) A-3, B-5, C-1, D-4 (b) A-3, B-1, C-2, D-5
(c) A-2, B-1, C-3, D-4 (d) A-1, B-4, C-2, D-5

I.A.S. (Pre) 1997

उत्तर—(b)

उपर्युक्त का विवरण इस प्रकार है—
दक्कन ट्रैप की उत्पत्ति—क्रिटेशियस काल के अंतिम चरण में
पश्चिमी घाट पर्वत की उत्पत्ति—सेनोजोइक (उत्तर नूतन) काल में
अरावली पर्वत की उत्पत्ति—प्री कैम्ब्रियन युग में
नर्मदा-ताप्ती जलोढ़ निक्षेप—अत्यंत नूतन काल में

8. केरल का कुट्टानाड (या कुट्टानाडु) प्रसिद्ध है-

(a) मीठे पानी की झील के लिए
(b) भारत का न्यूनतम ऊंचाई वाला क्षेत्र
(c) एक प्रवालद्वीप के लिए
(d) भारत के सबसे पश्चिम में स्थित बिंदु के लिए

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर—(b)

केरल का कुट्टानाड भारत का न्यूनतम ऊंचाई वाला क्षेत्र है। समुद्र तल से नीचे अपने खेती के तरीकों के लिए प्रसिद्ध है। इसे केरल का 'धान का कटोरा' कहा जाता है। कुट्टानाड सतत कृषि और मत्स्य पालन के लिए भी जाना जाता है। खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) द्वारा कुट्टानाड की खेती के तरीकों को 'वैश्विक महत्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली' (GIAHS) घोषित किया गया है।

9. निम्नलिखित में से कौन-सा मरुस्थल है?

(a) सिंधु क्षेत्र (b) गंगा क्षेत्र
(c) असम क्षेत्र (d) मध्य भारत क्षेत्र

M.P.P.S.C. (Pre), 2018

उत्तर–(a)

भारत का विशाल मरुस्थलीय भाग 'थार का मरुस्थल' है, जिसका विस्तार भारत के राजस्थान राज्य तथा पाकिस्तान में है। लगभग 200,000 वर्ग किमी. विस्तारित इस क्षेत्र के पश्चिम में सिंधु द्वारा सिंचित क्षेत्र है।

10. निम्नलिखित में से कौन-सा जिला धारवाड़ भूस्तरीय रचना वाला नहीं है?

(a) मुंगेर (b) रोहतास
(c) जमुई (d) नवादा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर—(b)

बिहार में धारवाड़ भू-स्तरीय रचना वाले जिले दक्षिण-पूर्व बिहार के अंतर्गत आते हैं। इनमें मुंगेर, नवादा एवं जमुई जिले शामिल हैं। वहीं रोहतास दक्षिण-पश्चिम बिहार का भाग है। इस क्षेत्र में विंध्यन प्रकार की भूस्तरीय रचना पाई जाती है। बिहार में विंध्यन भूस्तरीय रचना कैमूर एवं सोन नदी घाटी (रोहतास) में पाई जाती है।

11. निम्नलिखित में से कौन-सी चट्टान प्रणाली, भारत में नवीनतम है?

(a) विंध्यन (b) कुडप्पा
(c) धारवाड़ (d) गोंडवाना

U.P.P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(d)

धारवाड़ क्रम की चट्टानों का निर्माण आर्कियन क्रम की चट्टानों के रूपांतरण अथवा भ्रंशन से हुआ। ये शिलाएं अत्यधिक धात्विक हैं जिनमें सोना, लोहा, मैंगनीज, अभ्रक, कोबाल्ट, क्रोमियम, तांबा, टंगस्टन, सीसा आदि खनिज प्राप्त होते हैं। कुडप्पा क्रम की चट्टानों का निर्माण धारवाड़ क्रम की चट्टानों के बाद हुआ है। विंध्यन क्रम की चट्टानों का निर्माण कुडप्पा क्रम की चट्टानों के बाद हुआ है। इनमें चूने का पत्थर, बलुआ पत्थर, चीनी मिट्टी तथा वर्ण मिट्टी प्राप्त होती है। विंध्यन क्रम की चट्टानों के काफी समय बाद गोंडवाना क्रम की चट्टानों का निर्माण हुआ। भारत का अधिकांश कोयला गोंडवाना क्षेत्र से ही प्राप्त होता है। इस क्षेत्र का कोयला उच्च श्रेणी का होता है। यहां सर्वाधिक बिटुमिनस कोयले की प्राप्ति होती है। इसमें सल्फर की मात्रा न्यून होती है।

12. निम्न कथनों को पढ़कर सही विकल्प का चुनाव करें -

कथन- I : जे.डी. डाना ने भारतीय उपमहाद्वीप के चट्टानों के भूगर्भीय इतिहास के लिए एक विशेष भूगर्भिक समय मापक तैयार किया।

कथन- II : भूगर्भिक समय मापक के अनुसार भारतीय चट्टानों को आर्कियन, पौराणिक, द्रविड़ियन तथा आर्यन युग में विभाजित किया जाता है।

(a) कथन- I एवं कथन- II दोनों सत्य हैं।
(b) कथन- I एवं कथन- II दोनों असत्य हैं।
(c) कथन- I सत्य है, परंतु कथन- II असत्य है।
(d) कथन- I असत्य है, परंतु कथन- II सत्य है।

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(d)

भू-गर्भिक समय मापक के अनुसार भारतीय चट्टानों को आर्कियन, पौराणिक, द्रविड़ियन तथा आर्यन युग में विभाजित किया जाता है। भारतीय भूगर्भिक समय मापक टी.एस. हॉलैंड द्वारा लाया गया है।

13. गंगा के मैदान को एक _____ के रूप में वर्णित किया गया है।

(a) पेडीप्लेन
(b) पेनिप्लेन
(c) जियोसिनक्लाइन
(d) कार्स्ट प्लेन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर–(c)

गंगा के मैदान को एक जियोसिनक्लाइन या भू-अभिनति गर्त के रूप में वर्णित किया गया है। इसका निर्माण मुख्य रूप से हिमालय पर्वतमाला निर्माण प्रक्रिया के तीसरे चरण में हुआ था।

ii. उत्तर का पर्वतीय प्रदेश

नोट्स

*भारत की उत्तरी सीमा पर विस्तृत हिमालय **भूगर्भीय रूप से युवा** एवं बनावट के दृष्टिकोण से **नवीन वलित पर्वत** शृंखला है। *ये पर्वत शृंखलाएं पश्चिम-पूर्व दिशा में **सिंधु** से लेकर **ब्रह्मपुत्र** तक फैली हैं। *हिमालय विश्व की सबसे ऊंची पर्वत श्रेणी है। *हिमालय लगभग **2500 किलोमीटर** की लंबाई (औसत चौड़ाई लगभग 240 किमी.) में फैलकर **अर्द्धवृत्त** का निर्माण करता है। इसकी चौड़ाई **कश्मीर** में **400** किमी. एवं **अरुणाचल प्रदेश** में **150 किमी.** है। भारत के प्रमुख हिमालयी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा हैं। इनके अलावा असम और पश्चिम बंगाल के पहाड़ी क्षेत्र भी इसके अंतर्गत आते हैं। *हिमालय के पश्चिमी भाग की अपेक्षा पूर्वी भाग की ऊंचाई में अधिक विविधता पाई जाती है। *हिमालय को निर्माण की आयु के आधार एवं वलयों की तीव्रता के आधार पर **चार समांतर संरचनात्मक** क्षेत्रों में बांटा जा सकता है-

1. ट्रांस हिमालय (तिब्बत का क्षेत्र)
2. वृहद हिमालय (महान हिमालय)
3. लघु हिमालय (मध्य हिमालय)
4. बाह्य उप हिमालय (शिवालिक)

हिमालय का उपर्युक्त अनुदैर्ध्य (Longitudinal) विभाजन उत्तर से दक्षिण क्रम में है।

ट्रांस हिमालय का अंतिम रूप से उत्थान क्रिटेशियस-टर्शियरी काल तक हुआ था। इस प्रकार यह हिमालय की सबसे प्राचीन श्रेणी है। हिमालय की अन्य श्रेणियों का उत्थान टर्शियरी काल के विभिन्न युगों में हुआ है। जिसमें वृहद हिमालय या महान हिमालय, हिमालय की दूसरी प्राचीन श्रेणी है, जिसका निर्माण **ओलिगोसीन युग** (25-40 मिलियन वर्ष पूर्व) में हुआ है, उसके पश्चात् **लघु हिमालय** श्रेणी का निर्माण **मध्य मायोसीन युग** (14 मिलियन वर्ष पूर्व) में तथा **शिवालिक** सबसे नवीनतम श्रेणी का निर्माण **प्लायोसीन युग** (5-1.7 मिलियन वर्ष पूर्व) में हुआ है।

*हिमालय के उत्तरी भाग में स्थित शृंखला को महान या आंतरिक **हिमालय या हिमाद्री** कहते हैं। यह सबसे अधिक **सतत् शृंखला** है, जिसमें लगभग **6000 मीटर** की औसत ऊंचाई वाले **सर्वाधिक ऊंचे शिखर** हैं।

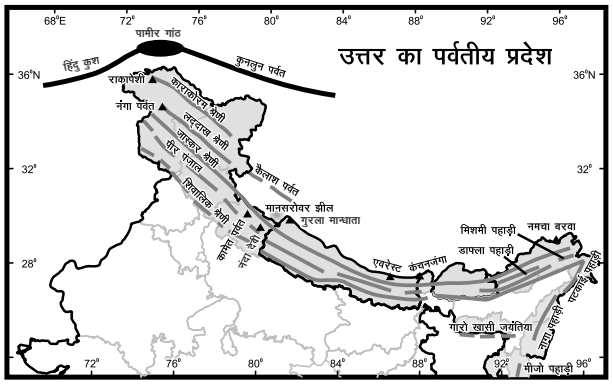

*महान हिमालय स्थित **एवरेस्ट विश्व की सर्वोच्च चोटी** है। यह **नेपाल** और **तिब्बत** की सीमा पर स्थित है। ***कंचनजंगा** हिमालय पर्वत शृंखला में स्थित विश्व की **तीसरी सबसे ऊंची** चोटी है। यह पूर्व में **तीस्ता नदी** और पश्चिम में **तामुर नदी** के बीच स्थित है। *कंचनजंगा पूर्वी नेपाल और **भारत के सिक्किम राज्य** की सीमा पर स्थित है। *अन्नपूर्णा चोटी की स्थिति **उत्तर-मध्य नेपाल** में है। **धौलागिरि चोटी** भी **नेपाल के मध्य** में स्थित है।

*महान हिमालय के वलय की प्रकृति **असममित** (Asymmetric) है। *हिमालय के इस भाग का क्रोड **ग्रेनाइट** का बना है। यह शृंखला हमेशा बर्फ से ढकी रहती है। *इसमें बहुत-सी हिमानियों का प्रवाह होता है, इसलिए हिमालय से निकलने वाली नदियां **सतत वाहिनी** हैं। *महान हिमालय के दक्षिण में स्थित शृंखलाओं को **लघु हिमालय/मध्य हिमालय** कहा जाता है। इसका निर्माण मुख्यतः अत्यधिक संपीडित तथा परिवर्तित शैलों से हुआ है। इनकी ऊंचाई **3700 मीटर** से **4500 मीटर** के बीच तथा चौड़ाई **60 से 80 किमी.** के मध्य है। *मध्य हिमालय में **पीर पंजाल शृंखला सबसे लंबी** है। *धौलाधर एवं महाभारत शृंखलाएं भी महत्वपूर्ण हैं। इसी शृंखला में **कश्मीर की घाटी** तथा हिमाचल के **कांगडा** एवं **कुल्लू** की घाटियां स्थित हैं।

*हिमालय की सबसे बाहरी शृंखला को **शिवालिक** कहा जाता है। इनकी चौड़ाई **10 से 50 किमी.** तथा **ऊंचाई 900 से 1100 मीटर** के बीच है। *ये शृंखलाएं उत्तर में स्थित मुख्य हिमालय की शृंखलाओं से **नदियों द्वारा** लाई गई **असंपीडित अवसादों** से बनी हैं। *निम्न हिमाचल (लघु हिमालय) तथा शिवालिक के बीच में स्थित **लंबवत घाटी** को **दून** के नाम से जाना जाता है। कुछ प्रसिद्ध दून हैं- **देहरादून, कोटलीदून** एवं **पाटलीदून।** *शिवालिक क्षेत्र के **गिरिपद (Foothills) क्षेत्र** में पश्चिम में **सिंधु से पूर्व में तीस्ता** के बीच फैले **समतल मैदान** को **भाबर** कहा जाता है। यह सामान्यतया **8 से 16 किमी.** चौड़ी **हिमालयी नदियों** द्वारा अचानक ढाल भंग होने के कारण **शिवालिक अग्र क्षेत्र में** की गई **कंकड़** और **बजरी** के **जमावों से निर्मित** मेखला है। *कंकड़ और बजरी की **सरंध्रता इतनी** अधिक होती है कि **समूची नदी इसमें लुप्त** हो जाती है और धरातल पर केवल **सूखी घाटी** ही दिखाई पड़ती है। *भाबर मैदान की चौड़ाई **पूर्व** में **कम** और **पश्चिम भाग** में **अधिक** पाई जाती है। *भाबर के दक्षिण में **15-30 किलोमीटर** चौड़ा **दलदली क्षेत्र** फैला हुआ है, जिसे **तराई** कहते हैं। *महान हिमालय के **उत्तर** में **ट्रांस हिमालय** स्थित है। *पामीर की गांठ (तिब्बत) **ट्रांस हिमालय** में ही स्थित है। ***काराकोरम, लद्दाख और जास्कर पर्वत** श्रेणियां ट्रांस हिमालय का ही भाग हैं। *हिंदू धर्म का पवित्र **कैलाश पर्वत ट्रांस हिमालय** पर्वत माला के पश्चिमी हिस्से में स्थित है।

*हिमालय को **पश्चिम से पूर्व** तक स्थित क्षेत्रों के आधार पर भी विभाजित किया गया है। इन वर्गीकरणों को नदी घाटियों की सीमाओं के आधार पर किया गया है। उदाहरण के लिए- **सतलज (सतलुज) एवं सिंधु** के बीच स्थित हिमालय के भाग को **पंजाब हिमालय** के नाम से जाना जाता है। *पश्चिम से पूर्व तक क्रमशः इसे कश्मीर तथा हिमाचल, हिमालय नाम से भी जाना जाता है। ***सतलज तथा काली** नदियों के बीच स्थित हिमालय के भाग को **कुमाऊं हिमालय** के नाम से भी जाना जाता है। ***काली तथा तीस्ता** नदियों के बीच स्थित हिमालय के भाग को **नेपाल हिमालय** के नाम से जाना जाता है। ***तीस्ता एवं दिहांग** नदियों के बीच स्थित हिमालय को **असम हिमालय** के नाम से जाना जाता है।

***ब्रह्मपुत्र नदी** हिमालय की **सबसे पूर्वी सीमा** बनाती है। ***दिहांग महाखड्ड** (गार्ज : Gorge) के बाद हिमालय दक्षिण की ओर तीखा मोड़ बनाते हुए भारत की **पूर्वी सीमा के साथ फैल जाता** है। *इन्हें **पूर्वांचल** या **पूर्वी पहाड़ियों** के नाम से जाना जाता है। ये पहाड़ियां **उत्तर-पूर्वी राज्यों** से होकर गुजरती हैं। *पूर्वी हिमालय की पहाड़ियां अधिकतर **समानांतर शृंखलाओं** एवं घाटियों के रूप में फैली हैं। *पूर्वांचल में **पटकाई, नागा, मिजो** तथा **मणिपुर** पहाड़ियां शामिल हैं।

*भारत के लिए हिमालय का बड़ा महत्व है। यदि हिमालय-पर्वत-श्रेणियां नहीं होतीं, तो भारत के अधिकांश भाग में साइबेरिया से आने वाली शीत लहरों का अनुभव होता, सिंधु-गंगा मैदान इतनी सुविस्तृत जलोढ़ मृदा से वंचित होता तथा मानसून का प्रतिरूप वर्तमान प्रतिरूप से भिन्न होता। *हिमालय पर्वत मानसून पवनों को रोककर उपमहाद्वीप में वर्षा का कारण बनता है। साथ ही हिमालय क्षेत्र से प्रवाहित होने वाली सिंधु, गंगा एवं उनकी सहायक नदियां अपरदन एवं निक्षेपण के द्वारा जलोढ़ मैदान का निर्माण करती हैं।

***अटल टनल- 9.02 किमी.** लंबी अटल टनल हिमालय के **पूर्वी पीर-पंजाल** शृंखला में स्थित है। यह पूरे वर्ष मनाली को लाहौल-स्पीति घाटी से जोड़कर रखती है। इसका निर्माण **सीमा सड़क संगठन** द्वारा किया गया है तथा यह भारत के लिए सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। वर्ष 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इस टनल की पहुंच सड़क की आधारशिला रखी थी। **3 अक्टूबर, 2020** को **रोहतांग (हिमाचल प्रदेश)** में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'अटल टनल' का उद्घाटन किया।

हिमालय के अनुदैर्ध्य उत्क्रम

हिमालय में कई अनुदैर्ध्य उत्क्रम (Thrust) एवं भ्रंश/दरार (Fault) पाए जाते हैं। दक्षिण से उत्तर बढ़ने पर 'मेन फ्रंटल थ्रस्ट' (Main Frontal Thrust : MFT) मिलता है। MFT एवं MBT (Main Boundary Fault) के मध्य उप-हिमालय (शिवालिक) का विस्तार है। MBT एवं MCT (Main Central Thrust) के मध्य लघु हिमालय का विस्तार है। इसके ऊपर वृहद् हिमालय जिसे CCZ (Central Crystalline Zone) भी कहा जाता है, का विस्तार है। MCT के ऊपर 'HHC' (Higher Himalayan Crystallines) स्थित है। तिब्बत हिमालय (टेथियन) HHC एवं STDS (South Tibetan Detachment System) के मध्य अवस्थित है। इसके उत्तर में सिंधु-सांग्पो सिचर क्षेत्र (Indus-Tsangpo Suture Zone : ITSZ) अवस्थित है। ITSZ के उत्तर में ट्रांस हिमालय है। इन उत्क्रम क्षेत्रों की अवस्थिति एवं हिमालय भौगोलिक संरचना के कारण यह भारत का सर्वाधिक सघनता वाला भूकंपीय क्षेत्र बन जाता है। इस क्षेत्र में प्लेटों के संचालन के कारण यह भूकंप प्रवण क्षेत्र है।

प्रश्नकोश

1. निम्न वक्तव्यों पर विचार कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिए कूट से कीजिए :

कथन (A) : हिमालय से निकलने वाली सभी नदियां सतत वाहिनी हैं।

कारण (R) : हिमालय अपनी वर्षा का अधिकांश दक्षिणी-पश्चिमी मानसून से प्राप्त करता है।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

U.P.P.C.S. (Mains) 2011

उत्तर—(b)

हिमालय से निकलने वाली सभी नदियां सतत वाहिनी हैं, इसका प्रमुख कारण इन नदियों के उद्गम स्रोत का हिमानियों में स्थित होना है। हिमालय अपनी वर्षा का अधिकांश भाग दक्षिण-पश्चिम मानसून से ही प्राप्त करता है। अतः कथन एवं कारण दोनों सत्य हैं, परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

2. निम्न वक्तव्यों पर विचार कर सही उत्तर का चयन कीजिए :

कथन (A) : हिमालय से निकलने वाली नदियां सतत वाहिनी हैं।

कारण (R) : हिमालयी नदियों का उद्गम स्रोत हिमानियों में स्थित है।

(a) (A) गलत है और (R) सही है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की पुष्टि करता है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की पुष्टि नहीं करता है।
(d) (A) सही और (R) गलत है।

R.A.S./R.T.S. (Re-Pre) 2013

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. हिमालय की रचना समांतर वलय श्रेणियों से हुई है, जिसमें से प्राचीनतम श्रेणी है—

(a) शिवालिक श्रेणी (b) निम्न हिमालय
(c) वृहत हिमालय श्रेणी (d) धौलाधर श्रेणी

I.A.S. (Pre) 1994

उत्तर—(c)

उपर्युक्त विकल्पों के अनुसार वृहत, हिमालय सबसे प्राचीनतम श्रेणी (ओलिगोसीन युग- 25-40 मिलियन वर्ष पूर्व) है, उसके पश्चात लघु हिमालय श्रेणी (मध्य मायोसीन-14 मिलियन वर्ष पूर्व) है तथा शिवालिक सबसे नवीनतम (प्लायोसीन युग 5-1.7 मिलियन वर्ष पूर्व) है। वृहत, लघु एवं शिवालिक हिमालय श्रेणियों का उत्थान टर्शियरी काल के विभिन्न युगों में हुआ है।

4. यदि हिमालय-पर्वत-श्रेणियां नहीं होतीं, तो भारत पर सर्वाधिक संभाव्य भौगोलिक प्रभाव क्या होता?

1. देश के अधिकांश भाग में साइबेरिया से आने वाली शीत लहरों का अनुभव होता।
2. सिंधु-गंगा मैदान इतनी सुविस्तृत जलोढ़ मृदा से वंचित होता।
3. मानसून का प्रतिरूप वर्तमान प्रतिरूप से भिन्न होता।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

I.A.S. (Pre) 2010

उत्तर—(d)

यदि हिमालय-पर्वत-श्रेणियां नहीं होतीं, तो भारत के अधिकांश भाग में साइबेरिया से आने वाली शीत लहरों का अनुभव होता, सिंधु-गंगा मैदान इतनी सुविस्तृत जलोढ़ मृदा से वंचित होता तथा मानसून का प्रतिरूप वर्तमान प्रतिरूप से भिन्न होता। हिमालय पर्वत मानसून पवनों को रोककर उपमहाद्वीप में वर्षा का कारण बनता है। साथ ही हिमालय क्षेत्र से प्रवाहित होने वाली सिंधु, गंगा एवं उनकी सहायक नदियां अपरदन एवं निक्षेपण के द्वारा जलोढ़ मैदान का निर्माण करती हैं।

5. उत्तर भारत में उप हिमालय क्षेत्र के सहारे फैले समतल मैदान को कहा जाता है—

(a) तराई (b) दून
(c) खादर (d) भाबर

U.P.P.C.S. (Pre) 2007

उत्तर—(d)

उप हिमालय क्षेत्र के गिरिपद क्षेत्र में पश्चिम में सिंधु से पूर्व में तीस्ता के बीच फैले समतल मैदान को भाबर कहा जाता है। यह सामान्यतया 8 से 16 किलोमीटर चौड़ी हिमालयी नदियों द्वारा अचानक ढाल भंग होने के कारण शिवालिक के गिरिपद क्षेत्र में की गई कंकड़ और बजरी के जमावों से निर्मित मेखला है। अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

6. हिमालय का पर्वत पदीय प्रदेश है—

(a) ट्रांस-हिमालय (b) शिवालिक
(c) वृहत हिमालय (d) अरावली

43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर—(b)

हिमालय का पर्वत पदीय प्रदेश शिवालिक श्रेणी के दक्षिणी भाग पर स्थित है। ये हिमालय की सबसे दक्षिणी श्रेणियां हैं। शिवालिक के उत्तरी ढालों तथा लघु हिमालय के दक्षिणी ढालों के मध्य अनेक चौरस तल वाली संरचनात्मक घाटियां स्थित हैं।

7. शिवालिक पहाड़ियां निम्न में से किसका हिस्सा हैं?

(a) अरावली (b) पश्चिमी घाट
(c) हिमालय (d) सतपुड़ा

M.P.P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. शिवालिक श्रेणी का निर्माण हुआ—

(a) इयोजोइक में (b) पैलियोजोइक में
(c) मेसोजोइक में (d) सेनोजोइक में

42nd B.P.S.C. (Pre) 1997

उत्तर—(d)

शिवालिक या बाह्य हिमालय का निर्माण आज से लगभग 5-1.7 मिलियन वर्ष पूर्व प्लायोसीन (Pliocene) अर्थात सेनोजोइक युग में हुआ।

9. शिवालिक श्रेणियों की ऊंचाई है—

(a) 850-1200 मीटर के मध्य (b) 750-1100 मीटर के मध्य
(c) 750-1500 मीटर के मध्य (d) 750-1300 मीटर के मध्य

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर—(*)

उप हिमालय या शिवालिक श्रेणी हिमालय की सबसे दक्षिणी श्रेणी है, जिसकी औसत ऊंचाई 900 से 1100 मीटर के मध्य है। हालांकि शिवालिक श्रेणियों की ऊंचाई में प्रादेशिक विभिन्नता भी पाई जाती है।

10. कुमाऊं हिमालय निम्नलिखित में किन नदियों के बीच स्थित है?

(a) सिंधु और सतलज (b) काली और तिस्ता
(c) सतलज और काली (d) तिस्ता और ब्रह्मपुत्र

U.P.R.O./A.R.O. (Re Exam) (Pre) 2016

उत्तर–(c)

कुमाऊं हिमालय सतलज (सतलुज) और काली नदियों के बीच स्थित है। सिंधु और सतलज (सतलुज) नदियों के बीच स्थित हिमालय के भाग को पंजाब हिमालय, काली और तिस्ता नदियों के बीच स्थित हिमालय के भाग को नेपाल हिमालय तथा तिस्ता और दिहांग नदियों के बीच स्थित हिमालय के भाग को असम हिमालय के नाम से जाना जाता है।

11. 'शिवालिक' शैल समूह के दक्षिण में भाबर क्षेत्र उदाहरण है—

(a) मध्यभूमि स्थिति का (b) अंतरा पर्वतीय स्थिति का
(c) गिरिपद की स्थिति का (d) अनुसमुद्री स्थिति का

U.P.P.C.S. (Pre) 1994

उत्तर—(c)

भाबर मैदान (Bhabar Plain) शिवालिक के गिरिपद क्षेत्र के पश्चिम में सिंधु से पूरब में तीस्ता के बीच फैला हुआ है। 8-16 किमी. चौड़ाई में इस मैदान का निर्माण कंकड़ व बजरी के जमाव से हुआ है।

12. जब आप हिमालय की यात्रा करेंगे, तो आप निम्नलिखित को देखेंगे—

1. गहरे खड्ड
2. U घुमाव वाले नदी-मार्ग
3. समानांतर पर्वत श्रेणियां
4. भूस्खलन के लिए उत्तरदायी तीव्र ढाल प्रवणता

उपर्युक्त में से कौन-से हिमालय के तरुण वलित पर्वत (नवीन मोड़दार पर्वत) के साक्ष्य कहे जा सकते हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1, 2 और 4
(c) केवल 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

I.A.S. (Pre) 2012

उत्तर—(d)

उपर्युक्त सभी हिमालय के नवीन वलित पर्वत के साक्ष्य कहे जा सकते हैं। गहरे खड्ड, U घुमाव (U-turn) वाले नदी मार्ग, समानांतर पर्वत श्रेणियां एवं भूस्खलन के लिए उत्तरदायी तीव्र ढाल प्रवणता जैसे लक्षण हिमालय पर सरलता से देखे जा सकते हैं। नवीन मोड़दार पर्वतों में ये भू-आकृतिक लक्षण प्रमुख स्थान रखते हैं।

13. नीचे दिए हुए जम्मू और कश्मीर के मानचित्र की जांच कीजिए—

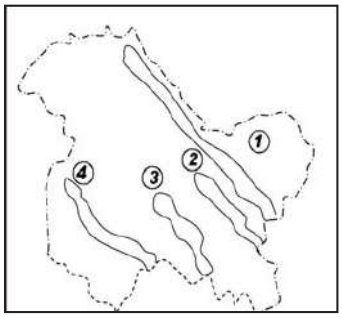

1, 2, 3 और 4 से अंकित पर्वत-श्रेणियां क्रमशः हैं—

(a) लद्दाख, जास्कर, काराकोरम और पीर पंजाल
(b) काराकोरम, पीर पंजाल, जास्कर और लद्दाख

(c) काराकोरम, लद्दाख, जास्कर, पीर पंजाल
(d) लद्दाख, पीर पंजाल, काराकोरम और जास्कर

I.A.S. (Pre) 1995

उत्तर—(c)

जम्मू और कश्मीर (31 अक्टूबर, 2019 से पूर्व का) के दिए गए उपर्युक्त मानचित्र की 1, 2, 3 और 4 से अंकित पर्वत-श्रेणियां क्रमशः इस प्रकार हैं— 1. काराकोरम श्रेणी, 2. लद्दाख श्रेणी, 3. जास्कर श्रेणी एवं 4. पीर पंजाल।

14. लघु हिमालय स्थित है, मध्य में—
(a) ट्रांस हिमालय और महान हिमालय
(b) शिवालिक और महान हिमालय
(c) ट्रांस हिमालय और शिवालिक
(d) शिवालिक और बाह्य हिमालय

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2006

उत्तर—(b)

लघु हिमालय, शिवालिक तथा महान हिमालय के मध्य स्थित है। हिमालय का अनुदैर्ध्य विभाजन उत्तर से दक्षिण की ओर इस प्रकार है- ट्रांस हिमालय → महान हिमालय → लघु हिमालय → शिवालिक हिमालय।

15. पश्चिमी भाग में हिमालय की श्रेणियों का दक्षिण से उत्तर की ओर निम्नांकित में से कौन-सा क्रम सही है?
(a) महान हिमालय-लघु हिमालय-शिवालिक
(b) शिवालिक-लघु हिमालय-महान हिमालय
(c) लघु हिमालय-महान हिमालय-शिवालिक
(d) शिवालिक-महान हिमालय-लघु हिमालय
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर—(b)

पश्चिमी भाग में हिमालय की श्रेणियों में सबसे दक्षिण में शिवालिक श्रेणी है। उसके बाद उत्तर की ओर क्रमशः लघु या मध्य हिमालय एवं महान हिमालय हैं।

16. निम्नलिखित में से कौन सबसे नवीन पर्वत श्रेणी है?
(a) विंध्य (b) अरावली
(c) शिवालिक (d) अन्नामलाई

U.P.U.D.A./L.D.A. (Pre) 2010

उत्तर—(c)

भारत में सबसे नवीन पर्वत श्रेणी शिवालिक है, जो कि नवीन वलित पर्वत का उदाहरण है।

17. अधोलिखित उच्चावच आकृतियों पर ध्यान दीजिए-
1. जास्कर पर्वत श्रृंखला
2. धौलाधर पर्वत श्रृंखला
3. लद्दाख पर्वत श्रृंखला
4. काराकोरम पर्वत श्रृंखला

उपरोक्त उच्चावच आकृतियों का दक्षिण से उत्तर की ओर बढ़ते हुए सही क्रम बताइए-
(a) 2, 1, 3, 4 (b) 2, 3, 4, 1
(c) 4, 3, 2, 1 (d) 4, 2, 1, 3

Jharkhand PCS (Pre.), 2013

उत्तर—(a)

दक्षिण से उत्तर की ओर क्रमशः धौलाधर, जास्कर, लद्दाख और काराकोरम स्थित हैं। काराकोरम, लद्दाख और जास्कर श्रेणियां ट्रांस हिमालय क्षेत्र से संबंधित हैं, जबकि धौलाधर पर्वत श्रृंखला लघु या मध्य हिमालय श्रेणी में स्थित है।

18. निम्नलिखित में से उत्तर दिशा की ओर के क्रम वाली पर्वत श्रेणी कौन-सी है?
(a) जास्कर पर्वत श्रेणी, पीर पंजाल पर्वत श्रेणी, लद्दाख पर्वत श्रेणी, काराकोरम पर्वत श्रेणी
(b) पीर पंजाल पर्वत श्रेणी, जास्कर पर्वत श्रेणी, लद्दाख पर्वत श्रेणी, काराकोरम पर्वत श्रेणी
(c) काराकोरम पर्वत श्रेणी, लद्दाख पर्वत श्रेणी, जास्कर पर्वत श्रेणी, पीर पंजाल पर्वत श्रेणी
(d) पीर पंजाल पर्वत श्रेणी, लद्दाख पर्वत श्रेणी, जास्कर पर्वत श्रेणी, काराकोरम पर्वत श्रेणी

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2013

उत्तर—(b)

दक्षिण से उत्तर दिशा की ओर स्थित पर्वत श्रेणियां क्रमशः पीर पंजाल, ज़ास्कर, लद्दाख तथा काराकोरम हैं। पीर पंजाल पर्वत श्रेणी मध्य हिमालय के क्षेत्र में स्थित है, जबकि अन्य पर्वत श्रेणियां ट्रांस हिमालय क्षेत्र से संबंधित हैं। अतः स्पष्ट है कि विकल्प (b) सही उत्तर है।

19. निम्नलिखित समूहों में कौन-सा पूर्व से पश्चिम की ओर पर्वत शिखरों का सही क्रम है?
(a) एवरेस्ट, कंचनजंगा, अन्नपूर्णा , धौलागिरि
(b) कंचनजंगा, एवरेस्ट, अन्नपूर्णा, धौलागिरि
(c) कंचनजंगा, धौलागिरि, अन्नपूर्णा, एवरेस्ट
(d) एवरेस्ट, कंचनजंगा, धौलागिरि, अन्नपूर्णा

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त पर्वत शिखरों का पूर्व से पश्चिम की ओर सही क्रम इस प्रकार है- कंचनजंगा, एवरेस्ट, अन्नपूर्णा, धौलागिरि ।

20. उत्पत्ति की दृष्टि से निम्न पर्वत श्रेणियों में से सबसे नवीनतम कौन-सी है?
(a) अजंता श्रेणी (b) पालकोंडा श्रेणी
(c) कैमूर पर्वत (d) पटकोई श्रेणियां

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1996

उत्तर—(d)

पटकोई श्रेणी हिमालय श्रेणियों में स्थित है, जिसका निर्माण टर्शियरी युग में हुआ। शेष सभी दक्षिण और मध्य भारत में स्थित हैं, जो प्रायद्वीपीय पठार का भाग है। चूंकि प्रायद्वीपीय पठार भारत का सर्वाधिक प्राचीनतम भूखंड है। अत: उपर्युक्त में सबसे नवीनतम पर्वत श्रेणी पटकोई (पटकाई) श्रेणी है।

21. निम्नलिखित राज्यों में से कौन-सा पटकाई पहाड़ियों से संलग्न नहीं है?

(a) नगालैंड (b) त्रिपुरा
(c) मणिपुर (d) मिजोरम

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर—(b)

पटकाई पहाड़ियां असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम एवं नगालैंड से संलग्न हैं। त्रिपुरा राज्य पटकाई पहाड़ियों से संलग्न नहीं है। मिजो पहाड़ियां त्रिपुरा से संलग्न हैं।

22. पीर पंजाल श्रेणी पाई जाती है—

(a) अरुणाचल प्रदेश में (b) जम्मू एवं कश्मीर में
(c) पंजाब में (d) उत्तराखंड में

U.P.P.C.S. (Mains) 2007

उत्तर—(b)

पीर पंजाल श्रेणी मध्य हिमालय में अवस्थित है, यह हिमाचल प्रदेश और जम्मू और कश्मीर (अविभाजित) में दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम तक विस्तारित है।

23. 'अटल टनल' से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए। उनमें कौन-सा/से सही है/हैं?

1. इसका निर्माण सीमा सड़क संगठन द्वारा किया गया है।
2. यह मनाली और लाहौल स्पीती घाटी को जोड़ती है।
3. यह हिमालय के पीर-पंजाल पर्वत श्रृंखला के मध्य स्थित है।
4. यह भारत के लिए सामरिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

कूट :

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1, 2 और 4 (d) केवल 1, 2, 3 और 4

U.P. R.O. / A.R.O. (Mains) 2016

उत्तर—(d)

9.02 किमी. लंबी अटल टनल हिमालय के पूर्वी पीर-पंजाल श्रृंखला में स्थित है। यह पूरे वर्ष मनाली को लाहौल-स्पीति घाटी से जोड़कर रखती है। इसका निर्माण सीमा सड़क संगठन द्वारा किया गया है तथा यह भारत के लिए सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। वर्ष 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इस टनल की पहुंच सड़क की आधारशिला रखी थी। 3 अक्टूबर, 2020 को रोहतांग (हिमाचल प्रदेश) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'अटल टनल' का उद्घाटन किया।

24. अटल सुरंग, रोहतांग, हिमाचल प्रदेश की लंबाई कितनी है?

(a) 8.02 किमी. (b) 9.02 किमी.
(c) 10.02 किमी. (d) 11.02 किमी.
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

25. निम्न हिमालय पर्वतश्रेणियों में से किस पर्वतश्रेणी को अटल टनेल पार करती है?

(a) जास्कर
(b) पश्चिमी पीरपंजाल
(c) लद्दाख
(d) पूर्वी पीरपंजाल
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. (Pre) 2020

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. किन दो पर्वत श्रेणियों के मध्य कश्मीर घाटी स्थित है?

(a) लद्दाख व जस्कर
(b) वृहत् हिमालय व पीर पंजाल
(c) वृहत् हिमालय व जस्कर
(d) काराकोरम व लद्दाख

M.P.P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(b)

भारत के जम्मू और कश्मीर (31 अक्टूबर, 2019 से केंद्रशासित प्रदेश) में स्थित कश्मीर घाटी उत्तर-पूर्व में वृहत्-हिमालय और दक्षिण-पश्चिम में पीर पंजाल श्रेणी के बीच स्थित है।

27. कश्मीर घाटी स्थित है-

(a) कांगड़ा और धौलाधर पर्वत - श्रेणियों के मध्य
(b) पीर-पंजाल और हिमाद्री पर्वत-श्रेणियों के मध्य
(c) महाभारत और धौलाधर पर्वत - श्रेणियों के मध्य
(d) पीर-पंजाल और महाभारत पर्वत - श्रेणियों के मध्य

U.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

28. निम्नलिखित में कौन अक्साई चिन का भाग है?

(a) काराकोरम श्रेणी (b) शिवालिक श्रेणी
(c) कश्मीर घाटी (d) लद्दाख पठार

U.P.P.C.S. (Pre) 1995

उत्तर—(d)

अक्साई चिन (Aksai Chin) की अवस्थिति भारत, चीन और पाकिस्तान की सीमाओं के सम्मिलन संधि स्थल पर है। इस भारतीय भू-भाग पर वर्ष 1962 के युद्ध में चीन ने कब्जा कर लिया था। तब से यह भारत-चीन के मध्य सीमा विवाद का क्षेत्र है। लद्दाख पठार अक्साई चिन क्षेत्र में ही अवस्थित है।

29. ग्रेट हिमालय की ऊंचाई क्या है?

(a) 8850 मी.ए.एस.एल. (b) 8815 मी.ए.एस.एल.
(c) 8890 मी.ए.एस.एल. (d) 8860 मी.ए.एस.एल.

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर—(a)

महान (ग्रेट) हिमालय की औसत ऊंचाई 6000 मी. है, जबकि इसकी सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई सागर तल से ऊपर 8848 मी. (लगभग 8850 मी.) है। नेपाल एवं चीन ने माउंट एवरेस्ट की आधिकारिक ऊंचाई 8848.86 मी. घोषित किया है। अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

30. हिमाचल पर्यायवाची है—

(a) महान हिमालय का (b) मध्य हिमालय का
(c) शिवालिक का (d) ट्रांस हिमालय का

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2008

उत्तर—(b)

हिमाचल उपर्युक्त में से मध्य हिमालय का पर्यायवाची है। मध्य अथवा लघु हिमालय श्रेणी को महाभारत श्रेणी अथवा हिमाचल हिमालय के नाम से भी जाना जाता है।

31. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. भारत में, हिमालय केवल पांच राज्यों में फैला हुआ है।
2. पश्चिमी घाट केवल पांच राज्यों में फैले हुए हैं।
3. पुलिकट झील केवल दो राज्यों में फैली हुई है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3
(c) केवल 2 और 3 (d) केवल 1 और 3

I.A.S. (Pre) 2017

उत्तर—(b)

भारत के प्रमुख हिमालयी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, (31 अक्टूबर, 2019 से) हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम एवं त्रिपुरा हैं। इनके अलावा असम और पश्चिम बंगाल के पहाड़ी क्षेत्र भी इसके अंतर्गत आते हैं। अतः हिमालय का पांच से अधिक राज्यों में विस्तार है। पश्चिमी घाट गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, तमिलनाडु एवं केरल राज्यों में फैला हुआ है। इस प्रकार इसका विस्तार छः राज्यों में है। पुलिकट भारत का दूसरा सबसे बड़ा (चिल्का के बाद) लैगून है। इसका विस्तार तमिलनाडु एवं आंध्र प्रदेश में है। व्याख्यानुसार कथन (1) एवं (2) गलत हैं, जबकि कथन (3) सही है। अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

32. हिमालय पर्वत श्रेणियां निम्नलिखित में से किस राज्य का हिस्सा नहीं हैं?

(a) उत्तराखंड (b) उत्तर प्रदेश
(c) सिक्किम (d) हिमाचल प्रदेश

M.P.P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. भारत में निम्नलिखित में से कौन-सी श्रेणी नवीनतम है?

(a) अरावली (b) विंध्याचल श्रेणी
(c) हिमालय श्रेणी (d) पूर्वी घाट

Chhattisgarh P.C.S. (Pre), 2018

उत्तर—(c)

हिमालय श्रेणी नवीन वलित पर्वत का उदाहरण है तथा यह दिए गए विकल्पों में नवीनतम श्रेणी है। वहीं अरावली पर्वत शृंखला भारत में सर्वाधिक प्राचीन पर्वत शृंखला है। महान हिमालय को हिमाद्री श्रेणी भी कहा जाता है।

34. निम्नलिखित में से कौन-सी भारत की नवीनतम पर्वत श्रेणी है?

(a) हिमाद्री श्रेणी
(b) अरावली श्रेणी
(c) पश्चिमी घाट
(d) विंध्याचल श्रेणी

U.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

35. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

कथन (A) : भारत में सर्वाधिक सघनता वाला भूकंपीय क्षेत्र हिमालय क्षेत्र में स्थित है।

कारण (R) : हिमालय में कई अनुदैर्ध्य उत्क्रम क्षेत्र अवस्थित हैं।

कूट :

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(b) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।
(d) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

U.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(a)

भारत में सर्वाधिक सघनता वाला भूकंपीय क्षेत्र हिमालय क्षेत्र में स्थित है। इस क्षेत्र का अधिकांश भाग भूकंपीय क्षेत्र (Seismic zone) IV एवं V में आता है। इस क्षेत्र के अंतर्गत भारत के पूर्वोत्तर भारत, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के क्षेत्र शामिल हैं तथा भारत में इन्हीं क्षेत्रों में हिमालय का विस्तार है। अतः कथन (A) सही है। हिमालय में कई अनुदैर्ध्य उत्क्रम (Thrust) एवं भ्रंश/दरार (Fault) पाए जाते हैं। दक्षिण से उत्तर बढ़ने पर 'मेन फ्रंटल थ्रस्ट' (Main Frontal Thrust : MFT) मिलता है। MFT एवं MBT (Main Boundary Fault) के मध्य उप-हिमालय (शिवालिक) का विस्तार है। MBT एवं MCT (Main Central Thrust) के मध्य लघु हिमालय का विस्तार है। इसके ऊपर वृहद् हिमालय जिसे CCZ (Central Crystalline Zone) भी कहा जाता है, का विस्तार है। MCT के ऊपर 'HHC' (Higher Himalayan Crystallines) स्थित है। तिब्बत हिमालय (टेथियन) HHC एवं STDS (South Tibetan Detachment System) के मध्य अवस्थित है। इसके उत्तर में सिंधु-सांग्पो सिचर क्षेत्र (Indus-Tsangpo Suture Zone : ITSZ) अवस्थित है। ITSZ के उत्तर में ट्रांस हिमालय है। इन उत्क्रम क्षेत्रों की अवस्थिति एवं हिमालय भौगोलिक संरचना के कारण यह भारत का सर्वाधिक सघनता वाला भूकंपीय क्षेत्र बन जाता है। इस क्षेत्र में प्लेटों के संचालन के कारण यह भूकंप प्रवण क्षेत्र है।

36. मणिपुर पहाड़ियों से घिरा 'इंफाल बेसिन' एक सुंदर उदाहरण है
(a) सरोवरीय मैदान का
(b) लोयस मैदान का
(c) हिमनदीय मैदान का
(d) जलोढ़ मैदान का

U.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(a)

पूर्व में किसी झील के अस्तित्व के कारण तलछट जमाव से निर्मित मैदान सरोवरीय मैदान कहलाता है। कश्मीर घाटी एवं इंफाल बेसिन इसके उत्तम उदाहरण हैं।

37. हिमालय पर्वत श्रेणी के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
1. मुख्य हिमालय की परतदार चट्टानें जीवाश्म हीन हैं।
2. लघु हिमालय की परतदार चट्टानों में समुद्री जीव-जंतुओं के जीवाश्म मिलते हैं।
3. बाह्य हिमालय या शिवालिक हिमालय में मानव सभ्यता के अवशेष मिले हैं।
नीचे दिए हुए कूट में से सही उत्तर चुनिए -
कूट :
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3 सही हैं

U.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(b)

मुख्य हिमालय की परतदार चट्टानें जीवाश्म हीन नहीं हैं। अतः कथन 1 असत्य है। लघु हिमालय की परतदार चट्टानों में समुद्री जीव-जंतुओं के जीवाश्म मिलते हैं। बाह्य हिमालय या शिवालिक हिमालय में स्थित बुर्जहोम एवं गुफकराल में मानव सभ्यता के अवशेष प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कथन 2 एवं 3 सही हैं।

38. हिमालय के किस भाग पर 'करेवा' भू-आकृति पाई जाती है?
(a) उत्तर-पूर्वी हिमालय
(b) पूर्वी हिमालय
(c) हिमाचल - उत्तराखंड हिमालय
(d) कश्मीर हिमालय

M.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर—(d)

हिमालय के कश्मीर हिमालय भाग पर 'करेवा' भू-आकृति पाई जाती है। ये तलछट निक्षेप के रूप में पाए जाते हैं। यह क्षेत्र जाफरान (केसर) की खेती के लिए प्रसिद्ध है।

39. कैलाश पर्वत निम्न में से किस क्षेत्र में अवस्थित है?
(a) सिक्किम (b) तिब्बत
(c) नेपाल (d) उत्तराखंड

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर—(b)

कैलाश पर्वत तिब्बत (चीन) क्षेत्र में अवस्थित है। यह हिंदू धर्म में पवित्र तीर्थ स्थल के रूप में जाना जाता है।

40. निम्नलिखित पर्वत शृंखलाओं में से कौन-सी हिमालय पर्वत श्रेणी में अवस्थित है?
1. चो ओऊ **2. ल्होत्से**
3. अन्नामलाई **4. सिरुमाली**
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए -
कूट :
(a) केवल 1, 2 तथा 3 (b) केवल 1 तथा 2
(c) केवल 2, 3 तथा 4 (d) केवल 3 तथा 4

U.P.P.C.S. (Pre) 2022

उत्तर-(b)

चो ओऊ (चोयू) एवं ल्होत्से हिमालय पर्वत श्रेणी में अवस्थित पर्वत शृंखला है, जबकि अन्नामलाई एवं सिरुमाली दक्षिण भारत की पर्वत श्रेणियां हैं।

iii. दक्षिण एवं मध्य भारत की पर्वत श्रेणियां एवं पहाड़ियां

नोट्स

*भारत के वृहद् क्षेत्रफल में **प्रायद्वीपीय पठार** एक मेज की आकृति वाला स्थल है, जो पुराने **क्रिस्टलीय आग्नेय** तथा **रूपांतरित शैलों** से बना है। *प्रायद्वीपीय भाग **गोंडवाना भूमि** के अपक्षय एवं अपवाह के कारण बना **प्राचीनतम भू-भाग** है। इस पठारी भाग में **चौड़ी तथा छिछली घाटियां** एवं **गोलाकार पहाड़ियां** हैं। इस पठार के दो मुख्य भाग हैं- **'मध्य उच्च भूमि'** तथा **'दक्कन का पठार'**। * नर्मदा नदी के उत्तर में **प्रायद्वीपीय पठार** का वह भाग जो कि **मालवा पठार** के अधिकतर भागों पर फैला है, उसे मध्य **उच्च भूमि के नाम** से जाना जाता है। **विंध्य श्रृंखला** दक्षिण में **मध्य उच्च भूमि** तथा उत्तर-पश्चिम में **अरावली से घिरी** है। *अरावली श्रेणी **गुजरात के पालनपुर** से लेकर **राजस्थान** एवं **हरियाणा** से होकर **दिल्ली** तक लगभग **800 किमी.** की लंबाई में फैली है। *इसका निर्माण **प्री-कैम्ब्रियन काल** में हुआ था, जो **600 से 570 मिलियन** वर्ष पूर्व का माना जाता है। *यह **भारत** की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखला है, जबकि **विश्व** की **सबसे प्राचीन** पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। इसकी सर्वोच्च चोटी **गुरु शिखर (1722 मी.)** है। *अरावली **अवशिष्ट पर्वत** (Residual Mountain) का उदाहरण है। *अवशिष्ट पर्वत उन पर्वतों को कहा जाता है, जो प्रारंभिक पर्वत **अपरदन की शक्तियों** द्वारा अपरदित होकर नीचे हो जाते हैं तथा उनका **अवशिष्ट** या **शेष अवरोधक** भाग ही **दृष्टिगोचर** होता है। चूंकि इनका निर्माण अन्य प्रकार के **पर्वतों पर अत्यधिक अपरदन होने से होता** है, अतः इन्हें **घर्षित पर्वत** या **अवशिष्ट पर्वत** भी कहा जाता है। उदाहरण- **विंध्याचल, अरावली, सतपुड़ा** आदि।

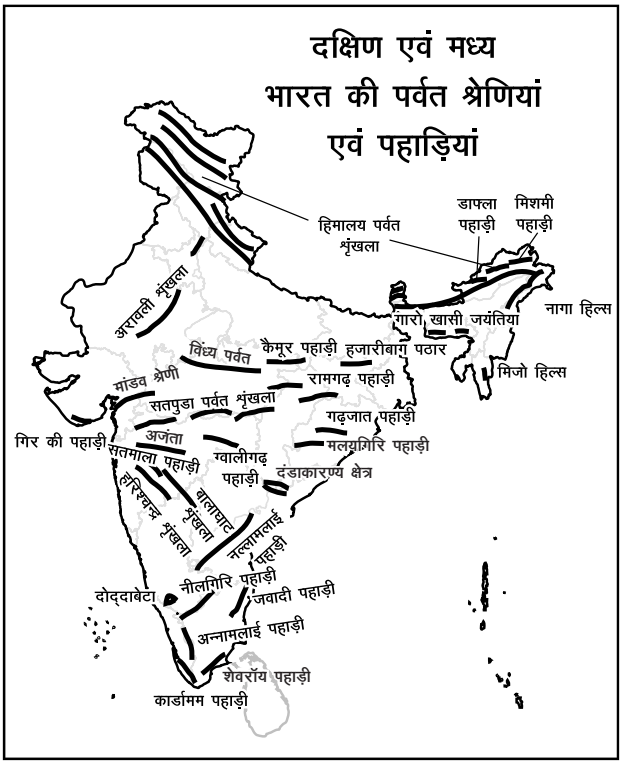

*सतपुड़ा श्रेणियां (Satpura Range) दक्कन पठार का भाग हैं। इनका विस्तार **गुजरात, महाराष्ट्र**, **मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़** राज्यों में है। इन श्रेणियों के **उत्तरी भाग** पर **नर्मदा नदी** तथा **दक्षिणी भाग** पर **ताप्ती नदी** बहती है। *सतपुड़ा श्रेणियां इन दोनों नदियों के मध्य में स्थित हैं। ***धूपगढ़ चोटी सतपुड़ा श्रेणी** की **सबसे ऊंची चोटी है। यह पंचमढ़ी** में स्थित है। ***पश्चिमी घाट** को **सह्याद्रि** के नाम से भी जाना जाता है। ***पश्चिमी घाट** की **औसत ऊंचाई** लगभग **1200 मी.** है। केरल में इसे **सव्यपर्वतम** के नाम से जाना जाता है। *पश्चिमी घाट की **सबसे ऊंची चोटी** केरल में स्थित **अनाइमुडी चोटी (2695 मी.)** है। *पश्चिमी घाट का **दक्षिणी क्षेत्र उत्तरी क्षेत्र की अपेक्षा** अधिक ऊंचा है। पश्चिमी घाट का विस्तार पश्चिमी सागर तट के समांतर **गुजरात** से लेकर **तमिलनाडु** तक लगभग **1500 किमी.** की लंबाई में उत्तर में तापी के मुहाने से दक्षिण में कुमारी अंतरीप तक पाया जाता है। *ये **भ्रंशोत्थ (ब्लॉक)** पर्वत हैं, जिनका निर्माण स्थल के एक खंड के अरब सागर में अपसंवलन के कारण हुआ है। *इसका पश्चिमी ढाल तीव्र एवं खड़ा, जबकि पूर्वी ढाल मंद एवं सीढ़ीनुमा या क्रमशः नीचा होता हुआ पठार है। ***16° उत्तरी अक्षांश** तक पश्चिमी घाट मुख्यतः **बेसाल्ट** शैलों से एवं गोवा से दक्षिण **ग्रेनाइट** और **नाइस** शैलों से निर्मित है। ***नल्लामलाई पहाड़ियां आंध्र प्रदेश** एवं तेलंगाना के मध्य सीमा बनाती है। ये पहाड़ियां **कृष्णा** और **पेन्नार नदी** के मध्य स्थित हैं, यह **पूर्वी घाट** की पहाड़ी में **पूर्वी तटीय मैदान** के **समानांतर महानदी** (ओडिशा में) से **नीलगिरि** की पहाड़ियों के **मध्य विस्तृत** हैं। ***जवादी पहाड़ियां तमिलनाडु** राज्य में स्थित हैं। ***पहाड़ियों की रानी** के नाम से विख्यात **नीलगिरि पहाड़ियां पूर्वी घाट** एवं **पश्चिमी घाट** के **सम्मिलन स्थल पर अवस्थित** हैं। ***दोदाबेट्टा (2637 मी.) नीलगिरि** पहाड़ी की **सर्वोच्च चोटी** है। ***दक्षिण भारत** की प्रसिद्ध **टोडा** (तमिलनाडु) **जनजाति** यहीं निवास करती है। **अन्नामलाई पहाड़ियां केरल** एवं **तमिलनाडु** राज्य की सीमा पर अवस्थित हैं। इसकी सर्वोच्च चोटी **अनाइमुडी** है। *नीलगिरि पर्वतमाला **तमिलनाडु, केरल एवं कर्नाटक** राज्यों में विस्तृत है। यह एक **पर्वत ग्रंथि** है। ***कार्डामम पहाड़ियां** दक्षिण भारत में **दक्षिण-पश्चिमी घाट** के केरल के दक्षिण-पूर्वी हिस्से तथा **तमिलनाडु** के **दक्षिण-पश्चिमी** हिस्से में अवस्थित हैं। *इन पहाड़ियों पर **इलायची (Cardamom)** की खेती व्यापक पैमाने पर की जाती है। ***शेवरॉय पहाड़ियां** (Shevaroy Hills) **तमिलनाडु के सलेम** के पास अवस्थित हैं। ये पहाड़ियां **पूर्वी घाट** का हिस्सा हैं। ***तमिलनाडु** का प्रसिद्ध हिल स्टेशन **'यारकॉड'** इन्हीं पहाड़ियों पर स्थित है। ***महादेव पहाड़ियां सतपुड़ा पर्वत** श्रेणी का भाग है, जो **मध्य प्रदेश** राज्य में स्थित है। ***कैमूर पहाड़ियां मध्य प्रदेश** से बिहार के सासाराम तक विस्तृत हैं। ***गढ़जात** की पहाड़ियां **ओडिशा राज्य** में स्थित हैं, जहां **गोंड जनजाति** निवास करती है। ***अजंता श्रेणी का विस्तार केवल महाराष्ट्र** राज्य में ही है। ***रामगिरि की पहाड़ियां तेलंगाना** में स्थित हैं। *यह **पूर्वी घाट** या **महेंद्र पर्वत का हिस्सा** है। ***मैकाल श्रेणी सतपुड़ा श्रेणी** का पूर्वी भाग है, यह मध्य प्रदेश एवं **छत्तीसगढ़ राज्य** में विस्तृत हैं।

प्रश्नकोश

1. निम्नलिखित में सबसे प्राचीन पर्वत शृंखला कौन-सी है?

(a) हिमालय (b) अरावली
(c) विंध्य (d) सतपुड़ा

M.P.P.C.S. (Pre) 1993
R.A.S./R.T.S. (Pre) 2003

उत्तर—(b)

अरावली श्रेणी गुजरात के पालनपुर से लेकर राजस्थान एवं हरियाणा से होकर दिल्ली तक लगभग 800 किमी. की लंबाई में फैली है। इसका निर्माण प्री-कैम्ब्रियन काल में हुआ था, जो 600 से 570 मिलियन वर्ष पूर्व का माना जाता है। यह भारत की प्राचीनतम पर्वत शृंखला है, जबकि विश्व की सबसे प्राचीन पर्वत शृंखलाओं में से एक है। इसकी सर्वोच्च चोटी गुरु शिखर (1722 मी.) है।

2. भारत के निम्नलिखित पर्वत प्रणालियों में से कौन सबसे पुरानी है?

(a) अरावली (b) हिमालय
(c) सतपुड़ा (d) नीलगिरि

U.P.P.C.S. (Mains), 2017

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. अधोलिखित में से कौन-सी पर्वत शृंखला भारत में प्राचीनतम है?

(a) नीलगिरि (b) अरावली
(c) सतपुड़ा (d) पश्चिमी घाट
(e) हिमालय

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. अरावली श्रेणियां किस राज्य में स्थित हैं?

(a) राजस्थान (b) हिमाचल प्रदेश
(c) ओडिशा (d) आंध्र प्रदेश

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2014

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. भारत की प्राचीनतम पर्वत श्रेणी है—

(a) अरावली (b) हिमालय
(c) शिवालिक (d) विंध्य

M.P. P.C.S. (Pre) 1995
U.P. P.C.S. (Pre) 1991
U.P.P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. अरावली श्रेणियों (Aravallis Ranges) की अनुमानित आयु है—

(a) 370 मिलियन वर्ष (b) 470 मिलियन वर्ष
(c) 570 मिलियन वर्ष (d) 670 मिलियन वर्ष

I.A.S. (Pre) 2001

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. देश में निम्नांकित में से कौन-सा भौगोलिक क्षेत्र सबसे प्राचीन है?

(a) हिमालय का पर्वतीय क्षेत्र
(b) उत्तर भारत का विशाल मैदान
(c) भारतीय प्रायद्वीपीय पठार
(d) पूर्वी तटीय मैदान
(e) उपर्युक्त में कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre), 2018

उत्तर—(c)

दिए गए भौगोलिक क्षेत्रों में भारतीय प्रायद्वीपीय पठार सबसे प्राचीन है। यह गोंडवाना भूमि के अपक्षय एवं अपवाह के कारण बना है।

8. निम्न में से कौन 'रेजीड्युल पर्वत' का उदाहरण है?

(a) हिमालय (b) किलिमंजारो
(c) एटना (d) अरावली

U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर—(d)

अरावली, अवशिष्ट पर्वत (Residual Mountain) का उदाहरण है।

9. दक्षिण भारत की सबसे ऊंची चोटी है—

(a) अनाइमुडी (b) दोद्दाबेट्टा
(c) अमरकंटक (d) महेंद्रगिरि

U.P. P.C.S. (Pre) 2005, 2012
U.P.U.D.A./L.D.A. (Pre), 2013

उत्तर—(a)

अनाइमुडी (अन्नाईमुदी या अनामुदी) दक्षिण भारत या प्रायद्वीपीय भारत की सर्वोच्च पर्वत चोटी है। इसकी ऊंचाई 2695 मी. है तथा यह केरल में स्थित है। यह चोटी पश्चिमी घाट पर्वत का भाग है।

10. निम्नलिखित में से दक्षिण भारत की सबसे ऊंची चोटी कौन-सी है?

(a) अनाइमुडी (b) दोद्दाबेट्टा
(c) गुरु शिखर (d) महेंद्रगिरि

M.P.P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. भारतीय प्रायद्वीप की सबसे ऊंची चोटी है–

(a) उटकमंड (b) अनाईमुडी

(c) दोद्दाबेट्टा (d) महाबलेश्वर

U.P.P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. नर्मदा एवं ताप्ती नदियों के मध्य स्थित है–

(a) विंध्य पर्वत (b) सतपुड़ा श्रेणियां

(c) राजमहल पहाड़ियां (d) अरावली पहाड़ियां

U.P.P.C.S. (Pre) 2007

उत्तर–(b)

सतपुड़ा श्रेणियों के उत्तरी भाग पर नर्मदा नदी तथा दक्षिणी भाग पर ताप्ती नदी बहती है अर्थात सतपुड़ा श्रेणियां दोनों नदियों के मध्य में स्थित है। अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

13. उत्तर से शुरू कर दक्षिण की ओर नीचे दी गई पहाड़ियों का सही अनुक्रम कौन-सा है?

(a) नल्लामलाई पहाड़ियां–नीलगिरि पहाड़ियां–जवादी पहाड़ियां–अन्नामलाई पहाड़ियां

(b) अन्नामलाई पहाड़ियां–जवादी पहाड़ियां–नीलगिरि पहाड़ियां–नल्लामलाई पहाड़ियां

(c) नल्लामलाई पहाड़ियां–जवादी पहाड़ियां–नीलगिरि पहाड़ियां–अन्नामलाई पहाड़ियां

(d) अन्नामलाई पहाड़ियां–नीलगिरि पहाड़ियां–जवादी पहाड़ियां–नल्लामलाई पहाड़ियां

I.A.S. (Pre) 2005

उत्तर–(c)

नल्लामलाई पहाड़ियां आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मध्य सीमा बनाती हैं। ये पहाड़ियां कृष्णा और पेन्नरू नदी के मध्य स्थित हैं। जवादी पहाड़ियां तमिलनाडु राज्य में स्थित हैं। पहाड़ियों की रानी के नाम से विख्यात नीलगिरि पहाड़ियां पूर्वी घाट एवं पश्चिमी घाट के सम्मिलन स्थल पर अवस्थित हैं। अन्नामलाई पहाड़ियां केरल एवं तमिलनाडु की सीमा पर अवस्थित हैं। ये चारों पहाड़ियां मुख्यतः आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु एवं केरल राज्यों में क्रमशः उत्तर से दक्षिण की ओर घटते क्रम में अवस्थित हैं। इस प्रकार विकल्प (c) सही उत्तर होगा।

14. निम्नलिखित उच्चावच आकृतियों पर ध्यान दीजिए-

1. महादेव पर्वत श्रृंखला 2. मैकाल पर्वत श्रृंखला

3. छोटानागपुर पठार 4. खासी की पहाड़ियां

उपर्युक्त उच्चावच आकृतियों का पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ते हुए सही क्रम बताइए-

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 4, 3, 2, 1

(c) 2, 3, 4, 1 (d) 1, 3, 2, 4

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(a)

प्रश्नानुसार दिए गए उच्चावच आकृतियों का पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ते हुए सही क्रम है- महादेव पर्वत श्रृंखला, मैकाल पर्वत श्रृंखला, छोटानागपुर पर्वत श्रृंखला तथा खासी की पहाड़ियां। महादेव एवं मैकाल श्रेणियां सतपुड़ा श्रेणी के पूर्वी विस्तार के रूप में स्थित हैं। इनके पूर्व में छोटानागपुर श्रेणी तथा सबसे पूर्व में खासी की पहाड़ियां (मेघालय) स्थित हैं।

15. निम्नलिखित किस पहाड़ी पर पूर्वी घाट, पश्चिमी घाट से मिलता है?

(a) पालनी पहाड़ी (b) अनाइमुडी पहाड़ी

(c) नीलगिरि पहाड़ी (d) शेवरॉय पहाड़ी

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

नीलगिरि पहाड़ी भारतीय प्रायद्वीप के पूर्वी घाट तथा पश्चिमी घाट के मिलन बिंदु पर स्थित है। नीलगिरि पहाड़ी को ब्लू माउंटेन भी कहा जाता है। इसकी सर्वाधिक ऊंची चोटी डोडा-बेट्टा (लगभग 2637 मी. ऊंची) है।

16. डोडा-बेट्टा चोटी स्थित है-

(a) अन्नामलाई पहाड़ियों में

(b) नीलगिरि पहाड़ियों में

(c) विंध्याचल श्रेणी में

(d) सतपुड़ा श्रेणी में

R.A.S. / R.T.S. (Pre) 2021

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. जहां पूर्वी घाट और पश्चिमी घाट मिलते हैं, वहां निम्नलिखित में से कौन-सी पहाड़ियां अवस्थित हैं?

(a) अन्नामलाई पहाड़ियां (b) कार्डामम पहाड़ियां

(c) नीलगिरि पहाड़ियां (d) शेवरॉय पहाड़ियां

I.A.S. (Pre) 2008

43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. जहां पूर्वी घाट और पश्चिमी घाट मिलते हैं वहां कौन-सी पहाड़ियां स्थित हैं?

(a) नीलगिरि पहाड़ियां (b) कार्डामम पहाड़ियां

(c) अन्नामलाई पहाड़ियां (d) सह्याद्रि पहाड़ियां

Uttarakhand P.C.S. (Pre), 2021

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. निम्नलिखित में से कौन एक कर्नाटक, केरल एवं तमिलनाडु राज्यों के मिलन स्थल पर स्थित हैं?

(a) अन्नामलाई पहाड़ियां
(b) पालनी पहाड़ियां
(c) नंदी पहाड़ियां
(d) नीलगिरि पहाड़ियां

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर—(d)

नीलगिरि पहाड़ियां भारत के दक्षिणी भाग में स्थित एक पर्वतमाला है। यह पर्वतमाला पश्चिमी घाट शृंखला का हिस्सा है। ये कर्नाटक, केरल एवं तमिलनाडु राज्यों के मिलन स्थल पर स्थित हैं।

20. नीलगिरि पर्वतमाला जिस राज्य में स्थित है, वह है-

(a) तमिलनाडु (b) महाराष्ट्र
(c) ओडिशा (d) उत्तराखंड

Uttarakhand Lower (Pre), 2010

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. भारतीय समुद्रशास्त्रियों ने अरब सागर के तल में, बंबई से पश्चिम-दक्षिण पश्चिम में लगभग 455 किलोमीटर दूर, एक नए 1505 मीटर ऊंचे पर्वत की खोज की है। इस पर्वत का नाम रखा गया है—

(a) कैलाश II (b) रमन सागर पर्वत
(c) सागर कन्या सागर पर्वत (d) बंबई पर्वत

40th B.P.S.C. (Pre) 1995

उत्तर—(b)

भारतीय समुद्रशास्त्रियों ने तीन समुद्र पर्वत श्रेणियों की खोज की है, जिनमें एक मध्य हिंद महासागर बेसिन में, दूसरा पूर्वी अरब सागर में सागर कन्या तथा तीसरा मुंबई से 455 किमी. दक्षिण-पश्चिम में खोजा गया। इस पर्वत का नामकरण महान वैज्ञानिक सी.वी. रमन के नाम पर रमन सागर पर्वत (Raman Sea mount) रखा गया है। अन्य दो का नाम पन्निकर एवं वाडिया के नाम पर रखा गया है।

22. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक सही नहीं है?

(a) पश्चिमी घाट उत्तरी क्षेत्र में अपेक्षाकृत अधिक ऊंचाई पर है।
(b) पश्चिमी घाट में अनाईमुडी सबसे ऊंची चोटी है।
(c) ताप्ती नदी, सतपुड़ा के दक्षिण में है।
(d) नर्मदा नदी तथा ताप्ती नदी घाटियां पुरानी रिफ्ट घाटियां मानी जाती हैं।

I.A.S. (Pre) 2005

उत्तर—(a)

पश्चिमी घाट की ऊंचाई उत्तर से दक्षिण बढ़ती जाती है। इसकी सबसे ऊंची चोटी केरल में स्थित अनाईमुडी चोटी (2695 मीटर) है, जो दक्षिणी क्षेत्र में स्थित है। अतः कथन (b) सत्य है। ताप्ती नदी, सतपुड़ा के दक्षिण में बहती है। इस प्रकार कथन (c) सत्य है। दो समानांतर भागों के फैलाव से रिफ्ट घाटी या ग्राबेन (Graben) का निर्माण होता है। ये घाटियां संकरी होती हैं। नर्मदा, दामोदर एवं ताप्ती नदियां भारतीय रिफ्ट घाटी के उदाहरण हैं। अतः कथन (d) भी सत्य है। विकल्प (a) का कथन सही नहीं है।

23. भारत की निम्नलिखित में से कौन-सी पर्वत श्रेणी केवल एक ही राज्य में फैली है?

(a) अरावली (b) सतपुड़ा
(c) अजंता (d) सह्याद्रि

I.A.S. (Pre) 1995
M.P.P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर—(c)

अजंता श्रेणी– महाराष्ट्र राज्य में स्थित है। इसका विस्तार केवल महाराष्ट्र राज्य में ही है। अन्य का विस्तार एक से अधिक राज्यों में है।

24. महाराष्ट्र एवं कर्नाटक में पश्चिमी घाट.....कहलाते हैं।

(a) नीलगिरि पर्वत (b) सह्याद्रि (Sahyadri)
(c) दक्कन पठार (d) इनमें से कोई नहीं

44th B.P.S.C. (Pre) 2000

उत्तर—(b)

पश्चिमी घाट को महाराष्ट्र, गोवा एवं कर्नाटक में सह्याद्रि (Sahyadri) के नाम से जाना जाता है।

25. नीचे दिए गए कूट से निम्नलिखित पहाड़ियों का दक्षिण से उत्तर की ओर बढ़ते हुए सही अवस्थिगत अनुक्रम चुनिए-

(1) सतमाला पहाड़ियां (2) कैमूर पहाड़ियां
(3) पीर पंजाल श्रेणी (4) नागा पहाड़ियां

कूट :

(a) 2, 3, 1, 4 (b) 1, 2, 4, 3
(c) 1, 2, 3, 4 (d) 4, 3, 2, 1

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर—(b)

निम्नलिखित पहाड़ियों का दक्षिण से उत्तर की ओर बढ़ते हुए सही क्रम इस प्रकार है-सतमाला पहाड़ियां (महाराष्ट्र), कैमूर पहाड़ियां (मध्य प्रदेश से बिहार), नागा पहाड़ियां (भारत-म्यांमार सीमा) तथा पीर पंजाल श्रेणी (जम्मू-कश्मीर से हिमाचल प्रदेश)।

26. कार्डामम पहाड़ियां जिन राज्यों की सीमाओं पर स्थित हैं, वह हैं-

(a) कर्नाटक एवं तमिलनाडु
(b) कर्नाटक एवं केरल
(c) केरल एवं तमिलनाडु
(d) तमिलनाडु एवं आंध्र प्रदेश

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2010
U.P.P.C.S (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर—(c)

कार्डामम पहाड़ियां दक्षिण भारत में दक्षिणी-पश्चिमी घाट के केरल के दक्षिण-पूर्वी हिस्से तथा तमिलनाडु के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में अवस्थित हैं।

27. भारत की दक्षिणतम पर्वत श्रेणी है–

(a) नीलगिरि (b) अन्नामलाई
(c) कार्डामम (d) नल्लामलाई

M.P.P.S.C. (Pre), 2018

उत्तर–(c)

कार्डामम पहाड़ी भारत की दक्षिणतम पर्वत श्रेणी है। यह अन्नामलाई पहाड़ी के दक्षिण में स्थित है। यहां पर इलायची का अत्यधिक उत्पादन होता है, जिसके कारण इन्हें 'इलायची पहाड़ियां' भी कहा जाता है।

28. शेवरॉय पहाड़ियां कहां अवस्थित हैं?

(a) आंध्र प्रदेश (b) कर्नाटक
(c) केरल (d) तमिलनाडु

I.A.S. (Pre) 2007

उत्तर—(d)

समुद्रतल से 4000-5000 फीट ऊंचे पठार से संलग्न शेवरॉय पहाड़ियां (Shevaroy Hills) तमिलनाडु के सलेम के पास अवस्थित हैं।

29. निम्नलिखित में से कौन महाराष्ट्र में नहीं स्थित है?

(a) बालाघाट श्रेणी (b) हरिश्चंद्र श्रेणी
(c) माण्डव पहाड़ियां (d) सतमाला पहाड़ियां

U.P.P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर—(c)

बालाघाट श्रेणी, हरिश्चंद्र श्रेणी तथा सतमाला पहाड़ियां महाराष्ट्र में फैली हैं, जबकि माण्डव पहाड़ियां गुजरात राज्य में विस्तृत हैं।

30. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) गढ़जात पहाड़ियां - ओडिशा
(b) माण्डव पहाड़ियां - महाराष्ट्र
(c) नल्लामलाई पहाड़ियां - आंध्र प्रदेश
(d) शेवरॉय पहाड़ियां - तमिलनाडु

U.P.P.C.S (Mains) 2011

उत्तर—(b)

माण्डव पहाड़ियां गुजरात राज्य में स्थित हैं न कि महाराष्ट्र राज्य में, अतः विकल्प (b) सही सुमेलित नहीं है। गढ़जात की पहाड़ियां ओडिशा राज्य में स्थित हैं, जहां गोंड जनजाति निवास करती है। नल्लामलाई पहाड़ियां आंध्र प्रदेश और तेलंगाना एवं शेवरॉय पहाड़ियां तमिलनाडु राज्य में अवस्थित हैं।

31. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

(पहाड़ियां)		(क्षेत्र)
1. कार्डामम पहाड़ियां	—	**कोरोमंडल तट**
2. कैमूर पहाड़ियां	—	**कोंकण तट**
3. महादेव पहाड़ियां	—	**मध्य भारत**
4. मिकिर पहाड़ियां	—	**पूर्वोत्तर भारत**

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 2 और 4

I.A.S. (Pre) 2014

उत्तर—(c)

कार्डामम पहाड़ियां केरल के दक्षिण-पूर्व तथा तमिलनाडु के दक्षिण-पश्चिम भागों के बीच में स्थित हैं, जबकि 'कोरोमंडल तट' भारत की दक्षिण-पूर्वी तट रेखा को दिया गया नाम है। कैमूर पहाड़ियां मध्य प्रदेश से बिहार तक विस्तृत हैं, जबकि 'कोंकण तट' भारत के दक्षिण-पश्चिम तट (महाराष्ट्र व गोवा) रेखा को दिया गया नाम है। महादेव पहाड़ियां मध्य भारत के मध्य प्रदेश में और मिकिर पहाड़ियां पूर्वोत्तर भारत के असम में स्थित हैं। इस प्रकार विकल्प (c) सही उत्तर है।

32. महादेव पहाड़ियां भाग हैं-

(a) सतपुड़ा (b) विंध्य
(c) पश्चिमी घाट (d) इनमें से कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर—(a)

महादेव पहाड़ियां, सतपुड़ा पर्वत श्रेणी का विस्तार (extension) हैं।

33. धूपगढ़ चोटी स्थित है—

(a) सतपुड़ा रेंज में (b) मैकाल रेंज में
(c) विंध्य रेंज में (d) इनमें से किसी में नहीं

M.P.P.C.S. (Pre), 2015

उत्तर—(a)

धूपगढ़ चोटी की ऊंचाई 1350 मीटर है, जो सतपुड़ा श्रेणी की सबसे ऊंची चोटी है। यह पंचमढ़ी में स्थित है।

34. रामगिरि की पहाड़ियां इस पर्वत श्रृंखला का भाग है-

(a) विंध्याचल (b) सतपुड़ा
(c) मैकाल (d) सह्याद्रि
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर—(*)

रामगिरि की पहाड़ियां तेलंगाना में स्थित हैं। यह पूर्वी घाट या महेंद्र पर्वत का हिस्सा हैं। इसके अतिरिक्त रामगिरि (रामगढ़) की पहाड़ियां छत्तीसगढ़ के मैकाल श्रेणी में भी स्थित हैं। चूंकि मैकाल श्रेणी सतपुड़ा श्रेणी का पूर्वी भाग है। इसलिए इसका उत्तर (b), (c) तथा (e) तीनों ही हो सकता है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी संशोधित उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर (b) दिया गया था, जो कि त्रुटिपूर्ण है।

35. पारसनाथ पहाड़ी की ऊंचाई क्या है?

(a) 1600 मीटर (b) 1565 मीटर
(c) 1365 मीटर (d) 1260 मीटर

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(c)

पारसनाथ पहाड़ी, झारखंड राज्य के गिरिडीह जिले में स्थित है। इसकी ऊंचाई लगभग 1365 मीटर है। इसके शिखर पर शिखरजी जैन मंदिर स्थित है। यह पहाड़ी छोटानागपुर पठार के पूर्वी छोर पर स्थित है। यह झारखंड राज्य की सर्वोच्च चोटी है। इसका नाम जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ के नाम रखा गया है।

36. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए -

सूची - I (पहाड़ियां)	**सूची -II (राज्य)**
A. गारो	**1. मेघालय**
B. मिरी	**2. तमिलनाडु**
C. कोल्लइ मलाई	**3. अरुणाचल प्रदेश**
D. डालमा	**4. झारखंड**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	3	2	4
(b)	1	2	3	4
(c)	1	3	4	2
(d)	2	1	3	4

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2017

उत्तर—(a)

सूची - I में दी गई पहाड़ी का सूची - II में दिए गए राज्यों से सुमेलन इस प्रकार है-

(पहाड़ियां)	(राज्य)
गारो	मेघालय
मिरी	अरुणाचल प्रदेश
कोल्लइ मलाई	तमिलनाडु
डालमा	झारखंड

37. पश्चिमी घाट के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह एक भ्रंशोत्थ पर्वत है।
2. इसका पूर्वी ढाल क्रमशः नीचा होता हुआ पठार है।
3. इसका उत्तरी खंड लावा (बेसाल्ट) से आच्छादित है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) 1 तथा 2 (b) 2 तथा 3
(c) 1 तथा 3 (d) 1, 2 तथा 3

U.P. R.O./A.R.O. (Mains), 2017

उत्तर—(d)

पश्चिमी घाट का विस्तार पश्चिमी सागर तट के समांतर लगभग 1500 किमी. की लंबाई में उत्तर में तापी के मुहाने से दक्षिण में कुमारी अंतरीप तक पाया जाता है। ये भ्रंशोत्थ (ब्लॉक) पर्वत हैं, जिनका निर्माण स्थल के एक खंड के अरब सागर में अपसंवलन के कारण हुआ है। इसका पश्चिमी ढाल तीव्र एवं खड़ा, जबकि पूर्वी ढाल मंद एवं सीढ़ीनुमा या क्रमशः नीचा होता हुआ पठार है। 16° उत्तरी अक्षांश तक पश्चिमी घाट मुख्यतः बेसाल्ट शैलों से एवं गोवा से दक्षिण ग्रेनाइट और नाइस शैलों से निर्मित है।

38. 'कोडाईकनाल' किस पहाड़ी में स्थित है?

(a) अनामलाई (b) बूंदी
(c) पालनी (d) अमरकंटक
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre), 2018

उत्तर—(c)

कोडाईकनाल तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले में पालनी पहाड़ी में अवस्थित है।

39. निम्नलिखित में से कौन-सी पहाड़ियां राजस्थान में विंध्यन पर्वत श्रेणियों का विस्तार हैं?

(a) मुकंदरा पहाड़ियां
(b) डोरा पर्वत
(c) अलवर पर्वत
(d) गिरवा पर्वत

R.A.S./R.T.S. (Pre), 2018

उत्तर–(a)

मुकंदरा पहाड़ियां राजस्थान में विंध्यन पर्वत श्रेणियों की विस्तार हैं। मुकंदरा पहाड़ियां कोटा व झालवाड़ा के बीच अवस्थित हैं।

40. निम्नलिखित में से कौन-सी पर्वतीय चोटी पूर्वी घाट में अवस्थित नहीं है?

(a) गली कौंडा (b) सलहेर
(c) सिंकराम गट्टा (d) मादुगुला कौंडा

R.A.S./R.T.S. (Pre), 2018

उत्तर–(b)

पूर्वी घाट पर्वत का विस्तार भारत की मुख्य भूमि के पूर्वी तट के समानांतर ओडिशा से तमिलनाडु तक है। पूर्वी घाट के प्रमुख पर्वत चोटियों में मलयगिरि, महेन्द्रगिरि, गली कौंडा (आंध्र प्रदेश), सिंकराम गट्टा (ओडिशा), मादुगुला कौंडा (आंध्र प्रदेश) आते हैं। सलहेर चोटी महाराष्ट्र में स्थित है। यह पश्चिमी घाट पर्वत की चोटी है। इसकी ऊंचाई लगभग 1567 मी. है।

41. सूची-I को सूची-II से मिलान कीजिए और सूची के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

सूची-I (राज्य)	सूची-II (सबसे ऊंची चोटी)
A. केरल	1. दोद्दाबेट्टा
B. नगालैंड	2. नंदा देवी
C. उत्तराखंड	3. अनाईमुडी
D. तमिलनाडु	4. सारामति

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	3	4	2
(b)	2	3	4	1
(c)	3	4	2	1
(d)	1	2	3	4

U.P.P.C.S. (Pre), 2018

उत्तर—(c)

प्रश्नगत सर्वोच्च चोटी एवं उनसे संबंधित राज्यों का सही सुमेलन निम्न प्रकार से है-

राज्य		चोटी
केरल	–	अनाईमुडी
नगालैंड	–	सारामति
उत्तराखंड	–	नंदा देवी
तमिलनाडु	–	दोद्दाबेट्टा

42. मध्य भारत में स्थित पहाड़ियों का पश्चिम से पूर्व निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही क्रम है?

(a) मैकाल, सतपुड़ा, महादेव और छोटानागपुर

(b) सतपुड़ा, महादेव, मैकाल और छोटानागपुर

(c) मैकाल, महादेव, सतपुड़ा और छोटानागपुर

(d) सतपुड़ा, महादेव, छोटानागपुर और मैकाल

U.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(b)

मध्य भारत में स्थित विकल्पगत पहाड़ियों का पश्चिम से पूर्व का सही क्रम निम्न है–सतपुड़ा, महादेव, मैकाल तथा छोटानागपुर।

43. सतपुड़ा क्षेत्र में स्थित श्रेणियों में से पश्चिम से पूर्व की ओर उनकी स्थिति को दर्शाने वाला निम्नलिखित में से कौन-सा क्रम सही है?

(a) बड़वानी की पहाड़ियां - महादेव श्रेणी - मैकाल श्रेणी

(b) महादेव श्रेणी - बड़वानी की पहाड़ियां - मैकाल श्रेणी

(c) महादेव श्रेणी - मैकाल श्रेणी - बड़वानी की पहाड़ियां

(d) मैकाल श्रेणी - महादेव श्रेणी - बड़वानी की पहाड़ियां

M.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर—(a)

सतपुड़ा में स्थित श्रेणियों में से पश्चिम से पूर्व की ओर उनकी स्थिति को दर्शाने वाला सही क्रम इस प्रकार है-
बड़वानी की पहाड़ियां - महादेव श्रेणी - मैकाल श्रेणी।

44. कन्याकुमारी से सटी पहाड़ियां हैं?

(a) अन्नामलाई पहाड़ियां

(b) नीलगिरि पहाड़ियां

(c) कार्डामम पहाड़ियां

(d) शेवरॉय पहाड़ियां

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर—(c)

पश्चिमी घाट पर्वत हिमालय के बाद भारत की दूसरी सबसे लंबी पर्वत श्रेणी है। इसकी लंबाई लगभग 1500 किमी. है। इसे सह्याद्रि के नाम से भी जाना जाता है। नीलगिरि पहाड़ी एक स्थलीकृत गांठ है, जहां पूर्वी घाट एवं पश्चिमी घाट पर्वत मिलते हैं। नीलगिरि का सर्वोच्च शिखर 'दोद्दाबेट्टा' है जो, दक्षिण भारत का दूसरा सर्वोच्च शिखर है। दक्षिण भारत का सर्वोच्च शिखर अन्नाईमुडी, अन्नामलाई पर्वत में है। यह नीलगिरि के दक्षिण में है। अन्नामलाई के दक्षिण में कार्डामम (इलायची) की पहाड़ियां हैं। इनका विस्तार कन्याकुमारी तक लगभग 8°19' उत्तरी अक्षांश तक है। अतः कार्डामम पहाड़ियां कन्याकुमारी से सटी हैं।

45. निम्नलिखित में से किस पहाड़ी पर चाय बागान नहीं है?

(a) कानन देवन

(b) नीलगिरि

(c) दार्जिलिंग

(d) गिरनार

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर—(d)

दिए गए विकल्पों में गिरनार पहाड़ी पर चाय बागान नहीं है। अन्य सभी पहाड़ियों पर चाय बागान हैं। कानन देवन पहाड़ियां भारत के केरल राज्य के इडुक्की (Idukki) जिले में अवस्थित हैं। यह क्षेत्र मुन्नार (Munnar) हिल स्टेशन के पास अवस्थित है। मुनार क्षेत्र में 1870 के दशक में चाय बागानों की शुरुआत हुई थी।

- ☐ नीलगिरि, दक्षिण में अवस्थित पश्चिमी घाट का महत्वपूर्ण पर्वत क्षेत्र है, नीलगिरि चाय, भारत की सबसे विशिष्ट चायों में से एक है।
- ☐ भारत का दार्जिलिंग मुख्यतः चाय उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है, जो सिक्किम राज्य के दक्षिण में पश्चिम बंगाल राज्य में अवस्थित है।
- ☐ गिरनार पर्वत गुजरात राज्य में अवस्थित है, जहां पर चाय बागानों का विकास नहीं हो पाया है।

अतः प्रश्न का सही उत्तर विकल्प (d) है।

46. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

सूची-I (पहाड़ी/पर्वत)	**सूची-II (भारतीय राज्यों में अवस्थिति)**
A. बटेश्वर पहाड़ी	**1. हरियाणा**
B. बिलारी शृंखला	**2. मणिपुर**
C. चिन शृंखला	**3. बिहार**
D. धोषी पहाड़ी	**4. कर्नाटक**

कूट :

	A	**B**	**C**	**D**
(a)	3	2	4	1
(b)	4	3	1	2
(c)	2	3	1	4
(d)	3	4	2	1

U.P.P.C.S. (Pre) 2022

उत्तर-(d)

विकल्पगत सूचियों का सही मिलान इस प्रकार है-

सूची-I (पहाड़ी/पर्वत)	**सूची-II (भारतीय राज्यों में अवस्थिति)**
बटेश्वर पहाड़ी	बिहार (भागलपुर)
चिन शृंखला	मणिपुर (यह म्यांमार से मणिपुर तक विस्तृत है।)
धोषी पहाड़ी	हरियाणा (महेन्द्रगढ़)

प्रश्न में बिलारी शृंखला के बारे में पूछा गया है, जबकि कर्नाटक में बेल्लारी गुड्डा (Ballari/Bellary Gudda) शृंखला है। परंतु निकटतम बिलारी को बेल्लारी मानते हुए प्रश्न का उत्तर विकल्प (d) दिया गया है।

iv. पर्वत चोटियां

नोट्स

***माउंट एवरेस्ट** (Mount Everest) विश्व का **सर्वोच्च पर्वत शिखर** है। इसकी ऊंचाई लगभग **8848 मी.** तथा **नेपाल** में अवस्थित है। वर्ष 2020 में नेपाल एवं चीन ने माउंट एवरेस्ट की आधिकारिक ऊंचाई 8848.86 मी. घोषित किया है। ***बछेंद्री पाल प्रथम भारतीय महिला** हैं, जिनको **एवरेस्ट शिखर** पर चढ़ने में वर्ष 1984 में सफलता प्राप्त हुई थी। ***भारत का **सर्वोच्च पर्वत शिखर माउंट गॉडविन ऑस्टिन या K_2** है। यह पर्वत शिखर **काराकोरम श्रेणी** पर स्थित है। समुद्रतल से इसकी ऊंचाई **8611 मी.** है। **K_2 पाक अधिकृत भारतीय भू-भाग** में स्थित है। ***भारत की **दूसरी सबसे ऊंची** चोटी **कंचनजंगा** है, जो भारत के **सिक्किम** राज्य एवं नेपाल में अवस्थित है। कंचनजंगा की ऊंचाई **8598 मीटर** है। वर्ष 2016 में यूनेस्को द्वारा कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान को मिश्रित वर्ग के अंतर्गत विश्व धरोहर स्थल के रूप में संरक्षित किया गया। ***भारत की तीसरी सर्वोच्च चोटी नंगा पर्वत है। भारत की चौथी सर्वोच्च चोटी नंदा देवी की ऊंचाई **7816 मी.** है। यह पूरा क्षेत्र **नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान** घोषित किया जा चुका है। यूनेस्को द्वारा वर्ष **1988 में** इसे प्राकृतिक महत्व की **विश्व धरोहर** के रूप में **संरक्षित** किया गया।

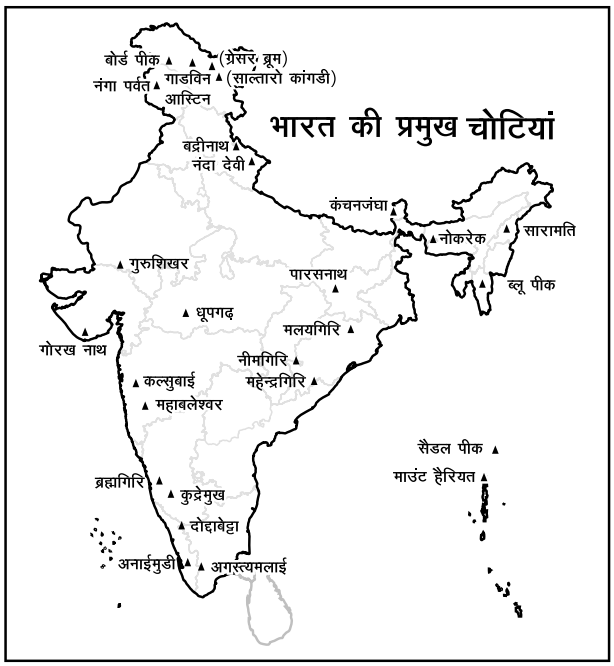

अरावली की सर्वोच्च चोटी **गुरु शिखर (1722 मी.)** है। यह राजस्थान के **सिरोही जिले** में अवस्थित है। ***कामेत** तथा **त्रिशूल पर्वत शिखर** भारत के **उत्तराखंड राज्य** में स्थित हैं। ** **गोसाईंथान तिब्बत में नेपाल की सीमा** के निकट स्थित है। ***माउंट आबू अरावली पर्वत** का भाग है। ***उटकमंड** नीलगिरि पहाड़ी पर स्थित है। ***दक्षिण भारत का **कोडाईकनाल तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले में पालनी पहाड़ी** में अवस्थित है।

प्रश्नकोश

1. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए -

शिखर		पर्वत
1. नामचा बरवा	-	**गढ़वाल हिमालय**
2. नंदा देवी	-	**कुमाऊं हिमालय**
3. नोकरेक	-	**सिक्किम हिमालय**

उपर्युक्त युग्मों में कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 1 और 3 (d) केवल 3

I.A.S. (Pre) 2022

उत्तर—(b)

नामचा बरवा पर्वत शिखर तिब्बत (चीन) में अवस्थित है। अतः यह गढ़वाल हिमालय में स्थित नहीं है। नंदा देवी पर्वत शिखर के नाम से दो शिखर हैं- नंदा देवी पश्चिमी (7817 मी.) एवं नंदा देवी पूर्वी (7434 मी.)। इनमें से नंदा देवी पश्चिमी चमोली जिले में स्थित है, जो गढ़वाल हिमालय पर्वत का पर्वत शिखर है, जबकि नंदा देवी पूर्वी चमोली, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर जिलों की सीमा पर स्थित है, जो कुमाऊं हिमालय पर्वत का शिखर है। चूंकि प्रश्न में केवल नंदा देवी शिखर पूछा गया है। अतः युग्म 2 सही सुमेलित है। सिडनी बुर्रार्ड के हिमालय के प्रादेशिक विभाजन के अनुसार भी नंदा देवी कुमाऊं हिमालय का पर्वत शिखर है। नोकरेक शिखर, गारो पहाड़ी श्रृंखला का सर्वोच्च शिखर है। यह सिक्किम हिमालय पर्वत का शिखर नहीं है।

2. 'माउंट एवरेस्ट' कहां है?

(a) पाकिस्तान (b) भारत
(c) तिब्बत (d) नेपाल

M.P.P.C.S. (Pre) 1995

उत्तर—(d)

माउंट एवरेस्ट (Mount Everest) विश्व का सर्वोच्च पर्वत शिखर है। इसकी ऊंचाई लगभग 8848 मीटर (29028 फीट) तथा नेपाल में अवस्थित है। वर्ष 2020 में नेपाल एवं चीन ने माउंट एवरेस्ट की आधिकारिक ऊंचाई 8848.86 मी. घोषित किया है।

3. कौन-सा सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है?

(a) माउंट एवरेस्ट (b) कंचनजंगा
(c) लोट्से (d) मकालू

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. प्रथम भारतीय नारी, जो एवरेस्ट शिखर पर चढ़ने में सफल हुई थी, हैं—

(a) बछेंद्री पाल (b) डिक्की डोलमा
(c) संतोष यादव (d) पी. टी. ऊषा

U.P.P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर—(a)

बछेंद्री पाल प्रथम भारतीय महिला हैं, जिनको एवरेस्ट शिखर पर चढ़ने में वर्ष 1984 में सफलता प्राप्त हुई थी ।

5. माउंट एवरेस्ट शिखर पर चढ़ने वाली पहली महिला थीं-

(a) जुंको ताबेई
(b) कारोलिन मिकेलसन
(c) वेलेंटिना तेरेश्कोवा
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

M.P.P.C.S. (Pre), 2015*

उत्तर—(a)

जुंको ताबेई एक जापानी पर्वतारोही हैं। इन्होंने 16 मई, 1975 को माउंट एवरेस्ट को फतह कर इतिहास रच दिया तथा ऐसा करने वाली वह प्रथम महिला बन गईं। ये सातों महाद्वीपों के सर्वोच्च शिखर पर चढ़ने वाली पहली महिला भी हैं।

6. दो बार माउंट एवरेस्ट पर विजय प्राप्त करने वाली महिला पर्वतारोही हैं—

(a) बछेंद्री पाल (b) चंद्रप्रभा ऐतवाल
(c) जया क्षेत्री (d) संतोष यादव

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2002

उत्तर—(d)

विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर सर्वप्रथम दो बार विजय प्राप्त करने वाली महिला पर्वतारोही संतोष यादव (भारत की एवरेस्ट पर चढ़ने वाली द्वितीय महिला) हैं।

7. एवरेस्ट पर चढ़ने वाली द्वितीय भारतीय महिला हैं—

(a) बछेंद्री पाल (b) मधु यादव
(c) संतोष यादव (d) सुनीता गोदरा

M.P.P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. भारत की सर्वोच्च पर्वत चोटी कौन-सी है?

(a) K_2 गॉडविन ऑस्टिन (b) कंचनजंगा
(c) नंदा देवी (d) एवरेस्ट

U.P.P.C.S. (Pre) 1990

42nd B.P.S.C. (Pre) 1997

उत्तर—(a)

भारत का सर्वोच्च पर्वत चोटी माउंट गॉडविन ऑस्टिन या K_2 (काराकोरम श्रेणी पर स्थित) है। यह भारत के केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में है। इस क्षेत्र पर पाकिस्तान का अवैध कब्जा है।

9. भारतवर्ष की सबसे ऊंची चोटी कौन-सी है?

(a) एवरेस्ट (b) सियाचिन

(c) के-2 (d) कारगिल

U.P.P.C.S. (Mains) 2009

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. भारत का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है—

(a) कंचनजंगा (b) मकालू

(c) काराकोरम (d) माउंट एवरेस्ट

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1995

उत्तर—(a)

हिमालय पर्वत श्रेणी के पर्वतों की ऊंचाइयां एवं देश इस प्रकार हैं—

माउंट एवरेस्ट (लगभग 8848 मी.)	–	नेपाल
गॉडविन ऑस्टिन (K_2-8611 मी.)	–	भारत
कंचनजंगा (8598 मी.)	–	भारत/नेपाल
मकालू (8463 मी.)	–	नेपाल

स्पष्ट है कि गॉडविन ऑस्टिन भारत की सर्वोच्च पर्वत चोटी है, चूंकि गॉडविन ऑस्टिन विकल्पों में नहीं है, अतः अभीष्ट उत्तर विकल्प (a) होगा। वर्ष 2020 में नेपाल एवं चीन ने संयुक्त रूप से माउंट एवरेस्ट की अधिकारिक ऊंचाई 8848.86 मी. घोषित किया है।

11. हिमालय की ऊंची चोटी कंचनजंगा कहां स्थित है?

(a) कश्मीर (b) नेपाल

(c) सिक्किम (d) हिमाचल प्रदेश

M.P.P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर—(b/c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. निम्न में सही क्रम क्या है?

(a) गॉडविन ऑस्टिन, कंचनजंगा, माउंट एवरेस्ट

(b) नंदा देवी, गॉडविन ऑस्टिन, कंचनजंगा

(c) माउंट एवरेस्ट, गॉडविन ऑस्टिन, कंचनजंगा

(d) गॉडविन ऑस्टिन, माउंट एवरेस्ट, कंचनजंगा

M.P.P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. नंदा देवी चोटी—

(a) असम हिमालय का भाग है।

(b) गढ़वाल हिमालय का भाग है।

(c) नेपाल हिमालय का भाग है।

(d) पंजाब हिमालय का भाग है।

I.A.S. (Pre) 2003

उत्तर—(b)

नंदा देवी (Nanda Devi) भारत की चौथी सर्वोच्च (K_2 8611 मी., कंचनजंगा 8598 मी. तथा नंगा पर्वत के बाद) चोटी है। इसकी ऊंचाई 7816 मी. है। यह गढ़वाल हिमालय का भाग है। भारत की तीसरी सर्वोच्च चोटी नंगा पर्वत है।

14. नंदा देवी स्थित है-

(a) हिमाचल प्रदेश में (b) उत्तराखंड में

(c) नेपाल में (d) सिक्किम में

Jharkhand P.C.S. (Pre.), 2013

उत्तर—(b)

नंदा देवी शिखर बृहद् हिमालय पर्वत श्रृंखला में भारत के उत्तराखंड राज्य में स्थित है।

15. नंदा देवी शिखर स्थित है—

(a) हिमाचल प्रदेश में (b) उत्तराखंड में

(c) उत्तर प्रदेश में (d) सिक्किम में

M.P.P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. गुरु शिखर पर्वत चोटी कौन-से राज्य में अवस्थित है?

(a) राजस्थान (b) गुजरात

(c) मध्य प्रदेश (d) महाराष्ट्र

I.A.S. (Pre) 2007

उत्तर—(a)

गुरु शिखर (Guru Shikhar) राजस्थान के सिरोही जिले में अरावली पर्वत की सर्वोच्च चोटी है। इसकी ऊंचाई समुद्र तल से 1722 मीटर है।

17. निम्नलिखित में से कौन-सा एक अरावली का उच्चतम शिखर है?

(a) सज्जनगढ़ (b) लीलागढ़

(c) कुम्भलगढ़ (d) तारागढ़

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2012

उत्तर—(c)

अरावली का सर्वोच्च शिखर गुरु शिखर (1722 मी.) है, जो विकल्प में नहीं है। विकल्प में दिए गए शिखरों में सर्वोच्च शिखर कुम्भलगढ़ (1224 मी.) है।

18. निम्न में से कौन हिमालय की चोटियों के पूर्व से पश्चिम दिशा में सही क्रम को प्रस्तुत करता है?

(a) धौलागिरि, कंचनजंगा, मकालू, माउंट एवरेस्ट

(b) नमचा बरवा, कंचनजंगा, नंदादेवी, माउंट एवरेस्ट

(c) मकालू, धौलागिरि, कुमाऊं, नमचा बरवा
(d) नामचा बरवा, कंचनजंगा, माउंट एवरेस्ट, नंदा देवी

U.P.P.C.S. (Spl) (Mains) 2008

उत्तर—(d)

हिमालय की चोटियों का पूर्व से पश्चिम दिशा की ओर सही क्रम निम्नानुसार है- नामचा बरवा (चीन), कंचनजंगा (सिक्किम/नेपाल), माउंट एवरेस्ट (नेपाल), नंदा देवी (उत्तराखंड)।

19. निम्नलिखित पर्वत शिखरों में कौन-सा एक भारत में अवस्थित नहीं है?

(a) गोसाईथान (b) कामेत
(c) नंदा देवी (d) त्रिशूल

U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर—(a)

नंदा देवी, कामेत तथा त्रिशूल पर्वत शिखर भारत के उत्तराखंड राज्य में अवस्थित हैं, जबकि गोसाईथान तिब्बत में नेपाल की सीमा के निकट अवस्थित है।

20. अधोलिखित युग्मों में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

(a) माउंट आबू-अरावली पहाड़ियां
(b) कोडाईकनाल-अन्नामलाई पहाड़ियां
(c) उटकमंड-नीलगिरि पहाड़ियां
(d) शिमला-पीर पंजाल श्रेणी

U.P.U.D.A./L.D.A. (Pre), 2013

उत्तर—(*)

कोडाईकनाल, अन्नामलाई पहाड़ी में नहीं बल्कि तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले में पालनी पहाड़ी में अवस्थित है। पालनी पहाड़ी पश्चिम में अन्नामलाई पहाड़ी से जुड़ी हुई है। यहां यह उल्लेखनीय है कि इसी प्रकार शिमला पीर पंजाल श्रेणी में नहीं बल्कि धौलाधार श्रेणी में अवस्थित है। अतः इस प्रश्न में विकल्प (b) एवं (d) दोनों सुमेलित नहीं हैं।

21. निम्नलिखित में से कौन-सी एक चोटी भारत में अवस्थित नहीं है?

(a) गुरला मान्धाता (b) नामचा बरवा
(c) कामेट (d) नंगा पर्वत

U.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(a & b)

गुरला मान्धाता पर्वत शिखर भारत में नहीं बल्कि पश्चिमी तिब्बत में नेपाल की उत्तर-पश्चिम सीमा के निकट अवस्थित है। इसी प्रकार नामचा बरवा पर्वत चोटी भी अरुणाचल प्रदेश सीमा के निकट दक्षिण-पूर्वी तिब्बत (चीन) में अवस्थित है। इस प्रकार गुरला मान्धाता और नामचा बरवा ये दोनों ही पर्वत शिखर भारत में अवस्थित नहीं हैं। कामेट या कामेत पर्वत उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में तथा नंगा पर्वत भारत के जम्मू एवं कश्मीर (पाक-अधिकृत कश्मीर) में अवस्थित है। इस प्रकार इस प्रश्न के दो विकल्प सही हैं।

22. 'गौरलाटा' चोटी किस पाट में स्थित है?

(a) सामरीपाट (b) मैनपाट
(c) जशपुरपाट (d) जारंगपाट

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर—(a)

गौरलाटा चोटी सामरीपाट के चांदों पहाड़ी रेंज पर स्थित है। यह छत्तीसगढ़ राज्य में अवस्थित है। इस पर्वतीय शिखर की ऊंचाई लगभग 1225 मीटर है।

23. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I (भारत के राज्य)	**सूची-II (सबसे ऊंची चोटी)**
A. तमिलनाडु	**1. धूपगढ़ चोटी**
B. राजस्थान	**2. सारामती चोटी**
C. नगालैंड	**3. गुरुशिखर चोटी**
D. मध्य प्रदेश	**4. डोडा बेट्टा चोटी**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	2	1	4
(b)	1	4	3	2
(c)	4	2	3	1
(d)	4	3	2	1

U.P. P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर—(d)

सही सुमेलन निम्नवत है-

सूची-I (भारत के राज्य)	**सूची-II (सबसे ऊंची चोटी)**
तमिलनाडु	डोडा बेट्टा चोटी
राजस्थान	गुरुशिखर चोटी
नगालैंड	सारामती चोटी
मध्य प्रदेश	धूपगढ़ चोटी

24. 'हिमालय में त्रिशूल शिखर' के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

1. यह उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में स्थित है।
2. यह चोटी 7500 मीटर से भी अधिक ऊंची है।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

कूट :

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) दोनों 1 और 2 (d) न तो 1 और न ही 2

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2021

उत्तर—(a)

त्रिशूल, तीन हिमालय पर्वत चोटियों का एक समूह है, जिसकी सबसे ऊंची चोटी त्रिशूल-I की ऊंचाई 7120 मी. है। जबकि त्रिशूल-II की ऊंचाई 6680 मी. एवं त्रिशूल-III की ऊंचाई 6315 मी. है। यह उत्तराखंड में स्थित है। यह समूह भगवान शिव के त्रिशूल के समान प्रतीत होता है।

v. घाटियां

नोट्स

*हिमालय **समानांतर श्रेणियों** से निर्मित है। इन्हें **कश्मीर घाटी, दून घाटी, कांगड़ा एवं कुल्लू घाटियां** (हिमाचल प्रदेश), **भागीरथी घाटी** (गंगोत्री के समीप) एवं **मंदाकिनी घाटी** (केदारनाथ के समीप) आदि अनेक घाटियों द्वारा **प्रतिच्छेदित** किया जाता है। ये पर्यटकों के आकर्षण के स्थान हैं एवं यहां जनसंख्या का जमाव भी पाया जाता है। ***कुल्लू घाटी** (Kullu Valley) **हिमाचल प्रदेश** में **धौलाधार और पीर पंजाल श्रेणियों** के मध्य अवस्थित है। ***नेलांग घाटी** भारत के **उत्तराखंड राज्य** (उत्तरकाशी जिला स्थित गंगोत्री नेशनल पार्क में) में स्थित है। *भारत-चीन सीमा के निकट सुरम्य **नेलांग घाटी** है, जो वर्ष **1962 के युद्ध के बाद** नागरिकों के लिए **बंद** कर दिया गया था। मई, 2015 में इसे पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। ***मर्खा घाटी** (Markha Valley) **लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश (31 अक्टूबर, 2019 से प्रभावी)** की **प्रसिद्ध घाटी** है। *समुद्र तल से **2438 मी.** की ऊंचाई पर भारत के पूर्वोत्तर राज्य नगालैंड में **जफू पर्वत** (Japfu Range) के पीछे **जुकू घाटी** (Dzukou Valley) स्थित है। ***सांगला घाटी** (Sangla Valley) **किन्नौर** (हिमाचल प्रदेश) में स्थित है। यह चारों ओर से **पर्वतीय चोटियों** और **बस्पा नदी** (Baspa River) से घिरी हुई है। ***युथांग घाटी गंगटोक** (सिक्किम की राजधानी) से **लगभग 149 किमी.** की दूरी पर स्थित है, यह **रोडोडेंड्रान** (Rhododendron) एवं अन्य वनस्पति प्रजातियों से ढकी हुई है। इस घाटी को **हॉट स्प्रिंग (Hot Spring)** के रूप में भी जाना जाता है। ***शांत घाटी या मौन घाटी** (Silent Valley) केरल के **पलक्कड़** जिले में स्थित है। यह पश्चिमी घाट की **नीलगिरि पहाड़ियों** पर स्थित है।

प्रश्नकोश

1. कुल्लू घाटी जिन पर्वत श्रेणी के बीच अवस्थित है, वे हैं—

(a) धौलाधार तथा पीर पंजाल
(b) रणज्योति तथा नागटिब्बा
(c) लद्दाख तथा पीर पंजाल
(d) मध्य हिमालय तथा शिवालिक

U.P.P.C.S. (Pre) 1999
U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2002

उत्तर—(a)

कुल्लू घाटी (Kullu Valley) हिमाचल प्रदेश में धौलाधार और पीर पंजाल श्रेणियों के मध्य अवस्थित है।

2. नेलांग घाटी किस राज्य में स्थित है?

(a) हिमाचल प्रदेश (b) सिक्किम
(c) जम्मू एवं कश्मीर (d) उत्तराखंड

U.P.P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(d)

नेलांग घाटी भारत के उत्तराखंड राज्य (उत्तरकाशी जिला स्थित गंगोत्री नेशनल पार्क में) में स्थित है।

3. सूची-I (घाटी) को सूची-II (राज्य) के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (घाटी)	सूची-II (राज्य)
A. मर्खा घाटी	**1. सिक्किम**
B. जुकू घाटी	**2. हिमाचल प्रदेश**
C. सांगला घाटी	**3. जम्मू और कश्मीर**
D. यूथांग घाटी	**4. नगालैंड**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	4	3	1
(b)	3	1	2	4
(c)	2	1	3	4
(d)	3	4	2	1

I.A.S. (Pre) 2006

उत्तर—(d)

मर्खा घाटी (Markha Valley) लद्दाख (प्रश्नकाल में जम्मू और कश्मीर) की प्रसिद्ध घाटी है। 31 अक्टूबर, 2019 से मर्खा घाटी केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में है।
जुकू घाटी (Dzukou Valley) भारत के पूर्वोत्तर राज्य नगालैंड में जफू पर्वत (Japfu Range) के पीछे स्थित है।
सांगला घाटी (Sangla Valley) किन्नौर (हिमाचल प्रदेश) में स्थित है। यह चारों ओर से पर्वतीय चोटियों और बस्पा नदी (Baspa River) से घिरी हुई है।
यूथांग घाटी गंगटोक (सिक्किम की राजधानी) से लगभग 149 किमी. की दूरी पर स्थित है। अभीष्ट सुमेल विकल्प (d) में प्रस्तुत है।

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. मौन घाटी (साइलेंट वैली) राष्ट्रीय वन नल्लामलाई श्रेणी में है।
2. मौन घाटी (साइलेंट वैली) राष्ट्रीय वन के निकट पथरक्कडावु जलविद्युत परियोजना बनाने का प्रस्ताव है।
3. कुन्ती नदी मौन घाटी (साइलेंट वैली) के वर्षा-प्रचुर वनों से उद्भूत होती है।

उपर्युक्त कथनों से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) 1 और 3 (b) केवल 2

(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

I.A.S. (Pre) 2005

उत्तर–(c)

शांत घाटी या मौन घाटी (Silent Valley) राष्ट्रीय वन केरल के पलक्कड़/पालघाट में स्थित है। यह पश्चिमी घाट की नीलगिरि पहाड़ियों में स्थित है न कि नल्लामलाई पहाड़ियों/श्रेणी पर। इसलिए कथन–1 गलत है। केरल स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (KSEB) द्वारा मौन घाटी राष्ट्रीय पार्क से मात्र 1 किमी. की दूरी पर 'पथरक्कडावु जलविद्युत परियोजना' के निर्माण का प्रस्ताव किया गया है। अतः कथन–2 सत्य है। कुन्ती नदी, भरतपुझा नदी की उपसहायक नदी है, जो मौन घाटी के वर्षा-प्रचुर वनों से उद्गमित होती है। अतः कथन–3 सत्य है। इस प्रकार सही उत्तर विकल्प (c) होगा।

5. भारत में 'शांत घाटी' किस राज्य में स्थित है?

(a) तमिलनाडु (b) केरल

(c) कर्नाटक (d) असम

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. निम्न में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

(i) गलवान नदी का नाम गुलाम रसूल गलवान के नाम पर पड़ा

(ii) गुलाम रसूल गलवान एक लद्दाखी खोजकर्ता थे

(iii) उन्होंने 'सर्वेन्ट्स ऑफ साहिब्स' नामक एक अंग्रेजी पुस्तक लिखी

(a) (i), (ii) और (iii) (b) (i) और (ii)

(c) (i) और (iii) (d) केवल (i)

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(a)

गलवान नदी, गलवान घाटी के निर्माण का मुख्य स्रोत है। घाटी का नाम गुलाम रसूल गलवान के नाम पर रखा गया है। वह एक लद्दाखी खोजकर्ता थे। उन्होंने अंग्रेजी में 'सर्वेन्ट्स ऑफ साहिब्स' नाम की एक पुस्तक लिखी।

vi. दर्रे

नोट्स

*किसी पर्वत अथवा पहाड़ी में स्थित **निचला भाग** जिससे होकर **स्थल मार्ग** गुजरता है, उसे **दर्रा (Pass)** कहा जाता है। दर्रा पर्वत के **द्रोणी (Basin)** से होकर गुजरता है। भारत के **हिमालय क्षेत्र** एवं **पश्चिमी घाट** में अनेक दर्रे मिलते हैं, जिनसे होकर सड़क एवं रेलमार्ग गुजरते हैं। *केंद्रशासित प्रदेश **लद्दाख (31 अक्टूबर, 2019 से)** में स्थित **काराकोरम दर्रा** भारत के सबसे ऊंचे दर्रों में से एक **(लगभग 5540 मी. या 18176 फीट)** है। भारत का सबसे ऊंचा दर्रा **यांग्जी दीवान (Yangzi Diwan)** (5890 मीटर) है। ***बुर्जिल दर्रा श्रीनगर को गिलगित** से जोड़ता है। ***जोजि ला जास्कर श्रेणी** में स्थित है, इससे **श्रीनगर-लेह** मार्ग गुजरता है। ***पीर पंजाल दर्रे** से **कुलगांव से कोठी** जाने का मार्ग गुजरता है। ***बनिहाल दर्रे** से **जम्मू से श्रीनगर** जाने का मार्ग गुजरता है। **'जवाहर सुरंग' बनिहाल दर्रे** में स्थित है। ***शिपकी ला शिमला (हिमाचल प्रदेश) से तिब्बत** को जोड़ता है। ***बडालाचा दर्रे** से **मंडी से लेह** जाने का मार्ग गुजरता है। ***थांगा ला** दर्रा उत्तराखंड के कुमाऊं श्रेणी में स्थित है, ***माना दर्रा** हिमालय क्षेत्र में **भारत और तिब्बत** के बीच स्थित है। जिसे **चिरबितया-ला** या **डूंगरी-ला** भी कहा जाता है। यह **उत्तराखंड राज्य** में **नंदा देवी** बायोस्फीयर रिजर्व से **जास्कर पर्वत** श्रेणी के **पूर्वी छोर** तक फैला हुआ है। इसी दर्रे में **देवताल झील** है, जहां से **अलकनंदा** की सहायक नदी **सरस्वती** का उद्गम होता है।

***लिपुलेख (Lipulekh) दर्रा भारत- चीन सीमा** पर **उत्तराखंड राज्य** में स्थित है। ***नाथू ला** एवं **लिपुलेख दर्रों** से **मानसरोवर** झील व **कैलाश घाटी** का मार्ग गुजरता है। ***सिक्किम** स्थित **नाथू ला** हिमालय क्षेत्र में समुद्र तल से लगभग **4404 मी. (14450 फीट)** की ऊंचाई पर स्थित है। भारतीय क्षेत्र में सिक्किम की राजधानी **गंगटोक** से **लगभग 55 किमी.** पूर्व में स्थित **नाथू ला** चीनी क्षेत्र में **तिब्बत पठार की चुंबी घाटी में** खुलता है। ***नाथू ला भारत एवं चीन** के बीच **तीसरा** सीमा **व्यापार प्वाइंट** है। अन्य दो व्यापार प्वाइंट **उत्तराखंड में 'लिपुलेख'** तथा **हिमाचल प्रदेश में शिपकी ला** हैं। वर्ष **1962** में भारत-चीन युद्ध के दौरान बंद किए गए **नाथू ला** को भारत और चीन के मध्य व्यापार के विस्तार के उद्देश्य से **6 जुलाई, 2006** को पुनः खोला गया है। ***सिक्किम** में स्थित **जेलेप ला पूर्वी सिक्किम जिले** को **ल्हासा (तिब्बत)** से जोड़ता है।

***बॉमडि ला अरुणाचल प्रदेश** (पश्चिमी कामेंग जिला) **एवं ल्हासा** (तिब्बत) को जोड़ता है। ***यांग याप दर्रा अरुणाचल प्रदेश** में स्थित है। इस दर्रे के पास ही **ब्रह्मपुत्र नदी** भारत में प्रवेश करती है। यहां से **चीन के लिए भी मार्ग** जाता है। ***दिफू** व **पांगसाड दर्रा अरुणाचल प्रदेश भारत-म्यांमार सीमा** पर स्थित है। *मणिपुर में स्थित **तुजू दर्रा** से **इम्फाल से तामू व म्यांमार** जाने का मार्ग गुजरता है।

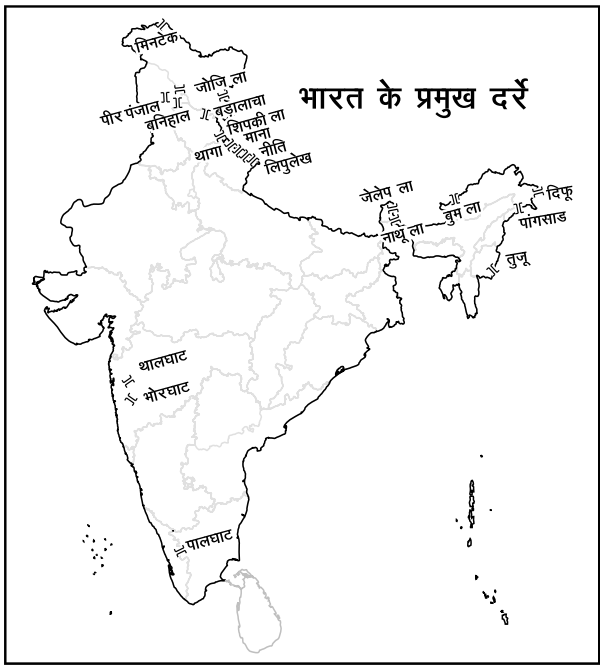

***पश्चिमी घाट तापी** के मुहाने से लेकर **कन्याकुमारी अंतरीप** तक **लगभग 1500 किमी.** की लंबाई में विस्तृत है। पश्चिमी घाट पर कुछ प्रमुख दर्रे पाए जाते हैं। ***महाराष्ट्र** में **पश्चिमी घाट** में स्थित **थालघाट दर्रे** से **मुंबई-नागपुर-कोलकाता** रेलमार्ग तथा सड़क मार्ग गुजरते हैं। ***भोरघाट दर्रा महाराष्ट्र** में स्थित है। इसे खांडला घाट भी कहा जाता है। यहां से **मुंबई-पुणे-वेलगांव-चेन्नई** रेलमार्ग एवं सड़क मार्ग गुजरता है। ***पालघाट दर्रा (394 मी.) नीलगिरि** और **अन्नामलाई** श्रेणियों में स्थित है। पालघाट दर्रा को **पलक्काड़ गैप** के नाम से भी जाना जाता है। **केरल में स्थित** इस दर्रे से **कालीकट-त्रिचूर-कोयम्बटूर-इडोर** के रेल एवं सड़क मार्ग गुजरते हैं।

***भारत के कुछ अन्य प्रमुख दर्रों में **चांग ला- केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख** (31 अक्टूबर, 2019 से) में, **बुम ला-अरुणाचल प्रदेश** में, **रोहतांग दर्रा-हिमाचल प्रदेश** एवं **नीति दर्रा-उत्तराखंड** में स्थित है। **मुलिंग ला गंगोत्री** के **उत्तर** में स्थित **मौसमी दर्रा** है, जो **उत्तराखंड को तिब्बत** से जोड़ता है। **शीतकाल** में यह बर्फ से ढका रहता है और आवागमन संभव नहीं होता है। 16 नवंबर, 2021 को लद्दाख में उमलिंगला दर्रे पर 19,024 फीट पर दुनिया की सबसे ऊंची वाहन योग्य सड़क के निर्माण और ब्लैक टॉपिंग के लिए सीमा सड़क संगठन की इस उपलब्धि हेतु गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का प्रमाण-पत्र दिया गया। इससे पूर्व यह रिकॉर्ड बोलीविया के नाम था।

भारत के प्रमुख दर्रे	
दर्रे	**राज्य/केंद्रशासित प्रदेश**
खार्दुंगला, काराकोरम, जोजि ला, चांग ला	लद्दाख
पीरपंजाल, बनिहाल	जम्मू और कश्मीर
शिपकी ला, रोहतांग, बड़ालाचा, यांग्जी दीवान, भाबा, पारंग ला, मणिरंग	हिमाचल प्रदेश
मुलिंग ला, माना, नीति, लिपुलेख, कुंगरी भिंगरी, नामा, रालाम, सिरला	उत्तराखंड
नाथू ला, जेलेप ला	सिक्किम
से ला, बॉमडि ला, यांग्याप, दिफू	अरुणाचल प्रदेश
तुजु	मणिपुर
थालघाट, भोरघाट	महाराष्ट्र
पालघाट	केरल

प्रश्नकोश

1. निम्नलिखित में से कौन एक सही सुमेलित नहीं है?

(a) चांग ला - जम्मू एवं कश्मीर
(b) रोहतांग - हिमाचल प्रदेश
(c) बॉमडि ला - अरुणाचल प्रदेश
(d) से ला - उत्तराखंड

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर—(d)

प्रश्नगत दर्रों एवं उनसे संबंधित राज्यों का सही सुमेलन निम्न प्रकार है- चांग ला - जम्मू एवं कश्मीर (31 अक्टूबर, 2019 से केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में)
रोहतांग - हिमाचल प्रदेश
बॉमडि ला - अरुणाचल प्रदेश
से ला - अरुणाचल प्रदेश

2. पालघाट निम्नलिखित में से किनके मध्य स्थित है?

(a) नीलगिरि और कार्डामम पहाड़ियां
(b) नीलगिरि और अन्नामलाई पहाड़ियां
(c) अन्नामलाई और कार्डामम पहाड़ियां
(d) कार्डामम पहाड़ियां और पालिनी पहाड़ियां

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2013

उत्तर—(b)

पालघाट दर्रा नीलगिरि और अन्नामलाई श्रेणियों के मध्य स्थित है।

3. निम्नांकित युग्मों में से किसका सुमेल नहीं है?

(a) बॉमडि ला – अरुणाचल प्रदेश
(b) नाथू ला – सिक्किम

(c) भोरघाट – हिमाचल प्रदेश
(d) पालघाट – केरल

U.P.P.C.S. (Pre) 1998

उत्तर–(c)

भोरघाट हिमाचल प्रदेश में न होकर महाराष्ट्र राज्य में अवस्थित है। इस दर्रे से होकर मुंबई-पुणे हाइवे एवं रेलमार्ग गुजरता है। यह कर्जत और खंडाला के बीच स्थित है।

4. इनमें से कौन-सा दर्रा पश्चिमी घाट पर्वत शृंखला में नहीं
(a) थाल घाट (b) भोर घाट
(c) खैबर दर्रा (d) पालघाट

U.P. R.O. / A.R.O. (Mains) 2016

उत्तर–(c)

दिए गए विकल्पों में थाल घाट, भोर घाट एवं पालघाट दर्रे पश्चिमी घाट शृंखला में हैं, जबकि खैबर दर्रा पाकिस्तान में है। यह पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान को जोड़ता है।

5. निम्नलिखित में से कौन सुमेलित नहीं है?
(a) शिपकी ला – हिमाचल प्रदेश
(b) लिपु लेख – उत्तर प्रदेश
(c) नाथू ला – सिक्किम
(d) जोजि ला – कश्मीर

U.P.P.C.S. (Pre) 2001
U.P.P.C.S. (Mains) 2014

उत्तर–(b)

लिपुलेख (Lipulekh) दर्रा भारत-चीन सीमा पर उत्तराखंड राज्य में स्थित है न कि उत्तर प्रदेश राज्य में। अतः सही उत्तर विकल्प (b) है। 31 अक्टूबर, 2019 से जोजि ला केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के कारगिल जिले में अवस्थित है।

6. निम्नलिखित युग्मों में कौन सही सुमेलित नहीं है?

(पर्वत दर्रा)		(राज्य)
(a) शिपकी ला	-	हिमाचल प्रदेश
(b) बॉमडि ला	-	अरुणाचल प्रदेश
(c) नाथू ला	-	मेघालय
(d) जोजि ला	-	जम्मू एवं कश्मीर

U.P.P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर–(c)

शिपकी ला हिमाचल प्रदेश में, बॉमडि ला अरुणाचल प्रदेश में तथा नाथू ला सिक्किम में स्थित है। प्रश्नकाल में जोजि ला जम्मू और कश्मीर में स्थित था। 31 अक्टूबर, 2019 से जोजि ला केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के कारगिल जिले में अवस्थित है। नाथू ला भारतीय क्षेत्र में सिक्किम की राजधानी गंगटोक से लगभग 55 किमी. पूर्व में स्थित है, जो चीनी क्षेत्र में तिब्बती पठार की चुंबी घाटी में खुलता है।

7. नाथू ला किस राज्य में स्थित है?
(a) अरुणाचल में (b) असम में
(c) मेघालय में (d) सिक्किम में

U.P.P.C.S. (Pre) 2006

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. निम्नलिखित दर्रों में से किससे होकर लेह जाने का रास्ता है?
(a) जोजि ला (b) शिपकी ला
(c) चुंबी घाटी (d) बनिहाल

U.P.P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(a)

जोजि ला श्रीनगर को लेह से जोड़ता है। बनिहाल दर्रा जम्मू को श्रीनगर से जोड़ता है, जबकि शिपकी ला हिमाचल प्रदेश को तिब्बत से संबद्ध करता है।

9. वर्ष 2006 के लगभग मध्य में निम्नलिखित हिमालय दर्रों में से कौन- सा एक, भारत और चीन के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए पुनः खोला गया?
(a) चांग ला (b) जारा ला
(c) नाथू ला (d) शिपकी ला

I.A.S. (Pre) 2007

उत्तर–(c)

नाथू ला भारत एवं चीन के बीच तीसरा सीमा व्यापार प्वाइंट है। वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान बंद किए गए नाथू ला को भारत चीन के मध्य व्यापार विस्तार के उद्देश्य से 6 जुलाई, 2006 को पुनः खोला गया।

10. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (पहाड़ी दर्रा)	सूची-II (राज्य)
A. बनिहाल	**1. हिमाचल प्रदेश**
B. नाथू ला	**2. जम्मू एवं कश्मीर**
C. नीति	**3. सिक्किम**
D. शिपकी	**4. उत्तराखंड**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	2	3	4	1
(c)	4	3	1	2
(d)	3	4	2	1

U.P.P.C.S. (Spl) (Mains) 2004
U.P.P.C.S. (Mains) 2011

उत्तर–(b)

दिए गए दर्रों एवं उनसे संबंधित राज्यों का सुमेलन निम्नानुसार है-

(पहाड़ी दर्रा)		(राज्य)
बनिहाल	—	जम्मू और कश्मीर
नाथू ला	—	सिक्किम
नीति	—	उत्तराखंड
शिपकी ला	—	हिमाचल प्रदेश

31 अक्टूबर, 2019 से बनिहाल दर्रा केंद्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में है।

11. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (पर्वतीय दर्रा)	सूची-II (राज्य)
A. बुम ला	**1. अरुणाचल प्रदेश**
B. जेलेप ला	**2. हिमाचल प्रदेश**
C. मुलिंग ला	**3. सिक्किम**
D. शिपकी ला	**4. उत्तराखंड**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	1	3	4	2
(c)	4	3	2	1
(d)	3	1	4	2

U.P.P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(b)

दिए गए पर्वतीय दर्रों तथा उनसे संबंधित राज्यों का सुमेलन निम्नानुसार है-

(पर्वतीय दर्रा)		(राज्य)
बुम ला	–	अरुणाचल प्रदेश
जेलेप ला	–	सिक्किम
मुलिंग ला	–	उत्तराखंड
शिपकी ला	–	हिमाचल प्रदेश

12. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

सूची-I (पर्वतीय दर्रा)	सूची-II (राज्य)
A. माणा	**1. सिक्किम**
B. नाथू ला	**2. जम्मू एवं कश्मीर**
C. जोजि ला	**3. हिमाचल प्रदेश**
D. शिपकी ला	**4. उत्तराखंड**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	3	1	4
(b)	4	3	2	1
(c)	4	1	2	3
(d)	4	1	3	2

U.P.P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

सूची-I और सूची-II का सही सुमेलन है–

(पर्वतीय दर्रा)	(राज्य)
माणा दर्रा	उत्तराखंड
नाथू ला	सिक्किम
जोजि ला	जम्मू और कश्मीर
शिपकी ला	हिमाचल प्रदेश

31 अक्टूबर, 2019 से जोजि ला केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में है।

13. निम्नलिखित में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?

(दर्रे)		(राज्य में स्थित)
(a) जेलेप ला	-	सिक्किम
(b) माना और नीति	-	उत्तराखंड
(c) शिपकी ला	-	जम्मू व कश्मीर
(d) बॉमडि ला	-	अरुणाचल प्रदेश

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

(1) जेलेप ला दर्रा पूर्वी सिक्किम जिले को ल्हासा (तिब्बत) से जोड़ता है।
(2) गढ़वाल (उत्तराखंड) की पहाड़ियों में तिब्बत को जोड़ने वाले दो दर्रे नीति एवं माणा (माना) हैं।
(3) तिब्बत को जोड़ने वाला शिपकी ला दर्रा हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में स्थित है।
(4) बॉमडि ला दर्रा अरुणाचल प्रदेश एवं ल्हासा (तिब्बत) को जोड़ता है।
स्पष्ट है कि शिपकी ला, जम्मू और कश्मीर में नहीं है। अतः विकल्प (c) सुमेलित नहीं है।

14. निम्नलिखित दर्रों में से कौन उत्तराखंड में अवस्थित है?

(a) जेलेप ला (b) लिपुलेख
(c) नाथू ला (d) शिपकी ला

U.P.P.C.S.(Spl) (Mains) 2008

उत्तर–(b)

लिपुलेख दर्रा उत्तराखंड राज्य में अवस्थित है, इस दर्रे का उपयोग कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए भी किया जाता है।

15. लिपुलेख दर्रा स्थित है–

(a) जम्मू-कश्मीर (b) हिमाचल प्रदेश
(c) उत्तरांचल (d) अरुणाचल प्रदेश
(e) पश्चिमी घाट

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(c)

लिपुलेख दर्रा उत्तराखंड राज्य में स्थित है। ध्यातव्य है कि 1 जनवरी, 2007 से पहले उत्तराखंड राज्य उत्तरांचल नाम से जाना जाता था।

16. निम्नलिखित में से कौन एक सुमेलित नहीं है?

(a) नाथू ला - अरुणाचल प्रदेश
(b) लिपुलेख - उत्तराखंड
(c) रोहतांग - हिमाचल प्रदेश
(d) पालघाट - केरल

U.P.U.D.A./L.D.A. (Pre) 2010
U.P.P.C.S. (Pre) 2013
U.P. Lower Sub. (Pre) 2013

उत्तर—(a)

दिए गए दर्रों तथा उनसे संबंधित राज्यों का सुमेलन निम्नानुसार है-

(दर्रा)		(राज्य)
नाथू ला	–	सिक्किम
लिपुलेख	–	उत्तराखंड
रोहतांग	–	हिमाचल प्रदेश
पालघाट	–	केरल

17. रोहतांग दर्रा अवस्थित है—

(a) हिमाचल प्रदेश में (b) जम्मू एवं कश्मीर में
(c) सिक्किम में (d) उत्तराखंड में

U.P. Lower Sub.(Pre) 2009

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. 'माना दर्रा' स्थित है-

(a) उत्तर प्रदेश (b) उत्तराखंड
(c) जम्मू-कश्मीर (d) हिमाचल प्रदेश

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर—(b)

'माना दर्रा' उत्तराखंड राज्य में नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व क्षेत्र से जास्कर पर्वत श्रेणी के पूर्वी छोर तक फैला हुआ है।

19. किंग्री-विंग्री, नीति, माणा क्या हैं?

(a) दर्रे (b) नदियां
(c) पर्वत (d) धार्मिक स्थल

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(a)

किंग्री-विंग्री (कुंगरी भिंगरी), नीति, माणा (माना) दर्रे (Passes) हैं। नीति दर्रा भारत के उत्तराखंड राज्य को तिब्बत से जोड़ने वाला हिमालय का एक प्रमुख दर्रा है। माणा या माना दर्रा हिमालय क्षेत्र में भारत और तिब्बत के बीच स्थित है, जिसे चिरिबितिया या डूंगरी ला भी कहा जाता है। इसी दर्रे में देवताल झील है, जहां से अलकनंदा की सहायक नदी सरस्वती का उद्गम होता है।

20. निम्नलिखित पर्वतीय दर्रों का सही पश्चिम से पूर्व क्रम पहचानिए—

I. शिपकी ला
II. नाथू ला
III. बॉमडि ला
IV. लिपुलेख

कूट :

(a) I, II, III, IV (b) II, III, IV, I
(c) I, IV, II, III (d) III, II, I, IV

U.P. Lower Sub.(Pre) 2009

उत्तर—(c)

शिपकी ला दर्रा हिमाचल प्रदेश में, नाथू ला दर्रा सिक्किम में, बॉमडि ला दर्रा अरुणाचल प्रदेश में तथा लिपुलेख दर्रा उत्तराखंड में है। अतः इनका सही पश्चिम से पूर्व क्रम होगा : शिपकी ला >लिपुलेख >नाथू ला >बॉमडि ला।

21. वह दर्रा, जो सर्वाधिक ऊंचाई में अवस्थित है, हैं-

(a) जोजि ला
(b) रोहतांग
(c) नाथू ला
(d) खैबर
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

B.P.S.C. (Pre), 2018

उत्तर—(e)

दिए गए विकल्पों में नाथू ला सर्वाधिक ऊंचाई में अवस्थित है। नाथू ला (दर्रा) की ऊंचाई 14450 फीट (4404 मीटर), जोजि ला (दर्रा) की ऊंचाई 11578 फीट, रोहतांग दर्रा की ऊंचाई 13044 फीट (3978 मीटर) तथा खैबर दर्रा की ऊंचाई 3510 फीट है, परंतु भारत का सर्वाधिक ऊंचाई में अवस्थित दर्रा यांग्जी दीवान (Yangzi Diwan) (5890 मीटर) है। चूंकि विकल्प में उपर्युक्त में से कोई भी नहीं है। अतः इस प्रश्न का सही उत्तर विकल्प (e) होगा।

vii. हिम रेखा एवं हिमनद

नोट्स

***हिम की **निचली सीमा** को '**हिम रेखा**' कहते हैं। **अक्षांशों, उच्चावच, वर्षण की मात्रा, ढाल** एवं **स्थानीय स्थलाकृति** में **भिन्नताओं** के कारण हिमालय के अलग-अलग हिस्सों में **हिमरेखा** की स्थिति भिन्न-भिन्न होती है। परंतु **औसत हिम रेखा** की ऊंचाई महान हिमालय के उत्तरी भाग में **5500-6000 मी.** और **महान हिमालय** के **दक्षिणी भाग** में **4500–6000 मी.** पर पाई जाती

है। इसी प्रकार **पश्चिमी हिमालय** में **औसत हिम रेखा 5800 मी.** तथा **पूर्वी हिमालय** में **4300 मी.** पर पाई जाती है। ***काराकोरम** (केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख) और **अरुणाचल प्रदेश** के मध्य हिमालय का लगभग **40,000 वर्ग किमी.** क्षेत्र **हिमनदों** (बर्फीले क्षेत्रों) से ढका है।

***हिमालय के प्रमुख हिमनद, **महान हिमालय** (Great Himalaya) आर **परा-हिमालय** (Trans Himalaya) के पर्वतों में विद्यमान हैं। ***काराकोरम, लद्दाख** और **जास्कर** श्रेणियों में **हिमनद** पाए जाते हैं। ***लघु हिमालय** के हिमानी **छोटे** होते हैं, जबकि **पीर पंजाल** और **धौलाधार श्रेणियों** में **बड़े हिमनदों** के अवशेष मिलते हैं। ***पीर पंजाल** का **सबसे बड़ा हिमनद सोना पानी** है, जो **लाहुल और स्पीति प्रदेश** के **चंद्रा घाटी** में स्थित है। ***काराकोरम और महान हिमालय** में **बड़े आकारों के हिमनद विद्यमान** हैं, जिनमें **सियाचिन** (76.64 किमी.), **हिस्पार** (61 किमी.), **बियाफो** (60 किमी.), **बालटोरो** (58 किमी.), **ससाइनी** (17.85 किमी.) प्रमुख हैं। ***चौराबाड़ी ग्लेशियर उत्तराखंड** के **रुद्रप्रयाग** जिले में **केदारनाथ मंदिर** के उत्तर में अवस्थित है। इस ग्लेशियर के दक्षिणी ढलान की दूरी मंदिर से 4 किमी. उत्तर में है। **ग्लेशियर के पिघलने** के कारण ही **गांधी सरोवर** झील का निर्माण हुआ है। ***मिलाम हिमनद** उत्तराखंड के **कुमाऊं प्रक्षेत्र** में अवस्थित **मुख्य हिमनद** है। इसी हिमनद से **शारदा नदी (काली गंगा)** का उद्‌गम होता है।

नोट-

ग्लेशियर : सियाचिन बड़ा या ससाइनी

- ❒ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अनुसार- सियाचिन (स्रोत- भारत का भूगोल, ले. प्रो. रामचंद्र तिवारी)
- ❒ इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अनुसार-**ससाइनी**

स्रोत- ● भौतिक भूगोल का स्वरूप, लेखक - सविन्द्र सिंह
- Geography of India by V.S. Chauhan and Alka Gautam.
- Geography of India by K. Bharadwaj.

ग्लेशियर की माप हेतु पुस्तकों को कितना उत्तम स्रोत माना जा सकता है? जबकि इनकी लंबाई एवं क्षेत्रफल के लिए वास्तविक सर्वेक्षण आधारित स्रोत उपलब्ध हों।

ऐसे स्रोत हैं- (1) Records of the Geological Survey of India (Vol. 63) एवं

(2) World Glacier Inventory.

❒ Records of the Geological Survey of India के अनुसार-

1- सियाचिन (लं.-45 मील) **2- ससाइनी (लं.- 11 मील)**

● **नोट-** Geological Survey of India (Vol. 63, Page- 260) के अनुसार ध्रुवों के अतिरिक्त सबसे बड़ा ग्लेशियर फेड-चेन्को ग्लेशियर (Fed-Chenko Glacier) है, जो पामीर क्षेत्र में स्थित है, जबकि सियाचिन दूसरा सबसे बड़ा ग्लेशियर है। इंटरनेट पर उपलब्ध लगभग सभी स्रोतों के अनुसार, ध्रुवों के अतिरिक्त सबसे बड़ा ग्लेशियर फेड चेन्को तथा **दूसरा सबसे बड़ा ग्लेशियर सियाचिन** है। इस क्रम में ससाइनी का स्थान बहुत पीछे है।

❒ World Glacier Inventory के अनुसार-

- सियाचिन - लं.- 76.64 किमी. क्षे., - 1056.42 वर्ग किमी.
- ससाइनी - लं.- 17.85 किमी. क्षे., - 33.51 वर्ग किमी.
- **नोट-** W.G.I. के अनुसार, जेमू एवं गंगोत्री भी ससाइनी से बड़े ग्लेशियर हैं।

स्पष्ट है कि सर्वेक्षण आधारित स्रोतों में सियाचिन एक विशाल ग्लेशियर है तथा ससाइनी का कोई उल्लेखनीय स्थान नहीं है। अतः अभी भी ससाइनी का सियाचिन से बड़ा ग्लेशियर होने का दावा वाद योग्य है।

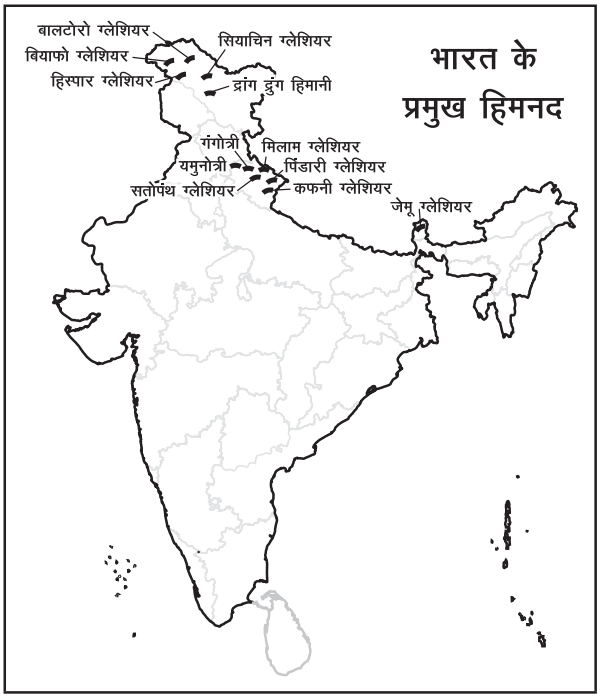

भारत के प्रमुख हिमनद

क्र.सं.	हिमानी के नाम	स्थिति	लंबाई (किमी.)
1.	सियाचिन	काराकोरम	76.64
2.	बियाफो	काराकोरम	60
3.	हिस्पार	काराकोरम	61
4.	बालटोरो	काराकोरम	58
5.	चोगोलुंगमा	काराकोरम	50
6.	खोर्दो जीन	काराकोरम	41
7.	रिमो	कश्मीर	40
8.	पुन्माह	कश्मीर	27
9.	गंगोत्री	उत्तराखंड	26
10.	जेमू	सिक्किम/नेपाल	25
11.	ससाइनी	काराकोरम	17.85
12.	रूपल	कश्मीर	16
13.	दीयामीर	कश्मीर	11

प्रश्नकोश

1. हिमालय में हिम रेखा निम्न के बीच होती है–

(a) 4300 से 6000 मीटर पूर्व में
(b) 4000 से 5800 मीटर पश्चिम में
(c) 4500 से 6000 मीटर पश्चिम में
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर–(a)

हिम रेखा की औसत ऊंचाई महान हिमालय के उत्तरी भाग में 5500-6000 मी. और महान हिमालय के दक्षिणी भाग में 4500-6000 मी. पर पाई जाती है। इसी प्रकार पश्चिमी हिमालय की औसत हिम रेखा 5800 मी. पर तथा पूर्वी हिमालय में 4300 मी. पर पाई जाती है।

2. सिचाचिन हिमनद कहां स्थित है?

(a) अक्साई चिन के पूर्व में (b) लेह के पूर्व में
(c) गिलगिट के उत्तर में (d) नुब्रा घाटी के उत्तर में

I.A. S. (Pre) 2020

उत्तर–(d)

सियाचिन ग्लेशियर (हिमनद) अक्साई चिन के पश्चिम, गिलगिट के पूर्व, लेह के उत्तर तथा नुब्रा घाटी के उत्तर में स्थित है। यह भारत के केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में है।

3. निम्न में कौन-सा हिमनद सबसे बड़ा है?

(a) सियाचिन (b) बाल्टोरो
(c) चोगोलुंगमा (d) बियाफो

U.P.U.D.A./L.D.A. (Pre.), 2013

उत्तर–(a)

विकल्प में दिए गए हिमनदों में सबसे बड़ा हिमनद सियाचिन (76.64 किमी.) है।

4. सबसे बड़ा हिमनद, निम्नलिखित में कौन है?

(a) कंचनजंगा (b) रून्डुन
(c) गंगोत्री (d) केदारनाथ

U.P.P.C.S. (Pre) 1995

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न में दिए गए हिमनदों की लंबाइयां इस प्रकार हैं– गंगोत्री हिमनद–26 किमी., रून्डुन हिमनद–19 किमी., कंचनजंगा हिमनद–16 किमी., केदारनाथ हिमनद–14 किमी.। अतः सही उत्तर विकल्प (c) है।

5. निम्न में से कौन-सा विशालतम हिमनद है?

(a) ससाइनी (b) गंगोत्री
(c) जेमू (d) सियाचिन

U.P.P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर–(d)

विकल्प में दिए गए हिमनदों की लंबाई WGI के अनुसार निम्न है-

हिमनद	स्थान	लंबाई (किमी. में)
ससाइनी	काराकोरम	17.85
गंगोत्री	उत्तराखंड	26
जेमू	सिक्किम/नेपाल	25
सियाचिन	काराकोरम	76.64

Geological Survey of India (Vol-63 में पेज नं. 260) के अनुसार, ध्रुवों के अतिरिक्त दूसरा सबसे बड़ा ग्लेशियर सियाचिन है तथा इसी दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा ग्लेशियर फेड चेन्को ग्लेशियर (Fed Chenko Glaciar) है, जो कि पामीर क्षेत्र में स्थित है। अतः स्पष्ट है कि दिए गए विकल्पों में सियाचिन ग्लेशियर सबसे बड़ा होगा।

6. चौराबाड़ी ग्लेशियर स्थित है–

(a) केदारनाथ मंदिर के दक्षिण में
(b) केदारनाथ मंदिर के पश्चिम में
(c) केदारनाथ मंदिर के उत्तर में
(d) केदारनाथ मंदिर के पूर्व में

U.P.P.C.S. (Mains) 2004
U.P.P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(c)

चौराबाड़ी ग्लेशियर उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ मंदिर के उत्तर में अवस्थित है।

7. हिमालय के हिमनदों के पिघलने की गति–

(a) सबसे कम है।
(b) सबसे अधिक है।
(c) विश्व के अन्य भागों के हिमनदों के समान है।
(d) हिमालय के हिमनदों के पिघलने के विषय में सूचना उपलब्ध नहीं है।

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2006

उत्तर–(b)

हिमालय के हिमनदों के पिघलने की गति सर्वाधिक है। गंगा नदी के उद्गम स्थल पर स्थित गंगोत्री ग्लेशियर तेजी से पिघल रहा है। इसी के परिणामस्वरूप इसका विस्तार कम होकर पिछले 50 वर्षों की तुलना में लगभग आधा हो गया है।

8. निम्नलिखित हिमनदों में से कौन-सा उत्तराखंड के कुमाऊं प्रक्षेत्र में अवस्थित है?

(a) हिस्पार (b) जेमू
(c) मिलाम (d) रूपल

U.P.P.S.C. (R.I.) 2014

उत्तर–(c)

मिलाम हिमनद उत्तराखंड के कुमाऊं प्रक्षेत्र में अवस्थित मुख्य हिमनद है। इसी हिमनद से शारदा नदी (काली गंगा) का उद्गम होता है।

9. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए–

(हिमनद)		(नदी)
1. बंदरपूंछ	:	**यमुना**
2. बारा शिग्री	:	**चेनाब**
3. मिलाम	:	**मंदाकिनी**
4. सियाचिन	:	**नुब्रा**
5. जेमू	:	**मानस**

उपर्युक्त में से कौन-से युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) 1, 2 और 4

(b) 1, 3 और 4

(c) 2 और 5

(d) 3 और 5

IAS (Pre) 2019

उत्तर–(a)

सही सुमेलन इस प्रकार है–

(हिमनद)		(नदी)
1. बंदरपूंछ	:	यमुना
2. बारा शिग्री	:	चेनाब
3. मिलाम	:	गोरी गंगा
4. सियाचिन	:	नुब्रा
5. जेमू	:	तीस्ता

इस प्रकार विकल्प (a) सही उत्तर है। बंदरपूंछ एवं मिलाम हिमनद उत्तराखंड में, बारा शिग्री हिमनद हिमाचल प्रदेश में, सियाचिन हिमनद जम्मू और कश्मीर में तथा जेमू हिमनद सिक्किम में है। मंदाकिनी नदी का स्रोत सुमेरू हिमनद है।

10. निम्नलिखित हिमनदी को उनकी लंबाई के घटते क्रम में सजाएं -

(a) बिआफो > हिस्पर > सोनापानी > बारा शिगरी > द्रांग द्रुंग

(b) हिस्पर > द्रांग द्रुंग > बिआफो > सोनापानी > बारा शिगरी

(c) हिस्पर > बिआफो > द्रांग द्रुंग > सोनापानी > बारा शिगरी

(d) बिआफो > हिस्पर > बारा शिगरी > सोनापानी > द्रांग द्रुंग

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(c)

हिमनदी की लंबाई के घटते क्रम में-
हिस्पर > बिआफो > द्रांग द्रुंग > सोनापानी > बारा शिगरी।

viii. पठार

नोट्स

*प्रायद्वीपीय भारत की चट्टानों की उत्पत्ति लगभग **3600 मिलियन** वर्ष पूर्व हुई थी। ***कार्बोनीफेरस युग** के पहले यह **गोंडवानालैंड** का एक भाग था। ***कार्बोनीफेरस युग** के दौरान **दामोदर, सोन, महानदी** और **गोदावरी** बेसिन में **कोयले का निर्माण** हुआ, जबकि **क्रिटैशियस युग** के दौरान अत्यधिक **ज्वालामुखी उद्गार** से **दक्कन ट्रैप** का निर्माण हुआ। इसी काल में **दक्कन के पठार** पर **बेसाल्ट-निर्मित लावा** शैलों का निर्माण हुआ। ***दक्कन ट्रैप** का निर्माण क्रिटेशियस काल के अंतिम चरण में प्रारंभ हुआ। प्रायद्वीपीय पठार में **चौड़ी, छिछली घाटियां** एवं **गोलाकार पहाड़ियां** हैं। इस पठार के दो मुख्य भाग हैं- '**मध्य उच्च भूमि**' तथा '**दक्कन का पठार**'। ***नर्मदा नदी** के **उत्तर** में स्थित **मालवा के पठार** के अधिकतर भागों को **मध्य उच्च भूमि** नाम से जाना जाता है। **मध्य उच्च भूमि** पश्चिम में **चौड़ी** परंतु **पूर्व** में **संकीर्ण** है। *मध्य उच्च भूमि के **पूर्वी विस्तार** को स्थानीय रूप से **बुंदेलखंड** तथा **बघेलखंड** के नाम से जाना जाता है। ***दामोदर नदी** द्वारा अपवाहित **छोटानागपुर पठार** मध्य उच्च भूमि का भाग है। ***छोटानागपुर पठार** (Chhota Nagpur Plateau) का विस्तार मुख्यतः **झारखंड के रांची, हजारीबाग, संथाल परगना, पलामू, धनबाद, सिंहभूम जिलों** तथा **पश्चिमी बंगाल** के **पुरुलिया जिले** में है।

*इस पठार में **विभिन्न ऊंचाइयों के पठारों** का क्रम मिलता है। **मध्य पश्चिमी भाग** पर **पाट भूमि** स्थित है, जिसकी **अधिकतम** ऊंचाई **1100 मी.** मिलती है। इस पठार के **प्रत्येक दिशा** में **सोपान** मिलते हैं। ***छोटानागपुर पठार** में ढाल **तीव्र स्कार्पों** के रूप में पाए जाते है। अतः यह एक **अग्रगंभीर** है। ***मध्य उच्च भूमि** क्षेत्र में बहने वाली नदियां **चंबल, सिंधु, बेतवा** तथा **केन दक्षिण-पश्चिम** से **उत्तर-पूर्व** की तरफ बहती हैं, इस प्रकार ये नदियां इस क्षेत्र के **ढाल** को दर्शाती हैं। ***मालवा का पठार लगभग 530** किमी. लंबाई एवं **390 किमी.** चौड़ाई के साथ प्रायद्वीप के लगभग **150,000** वर्ग किमी. क्षेत्र पर विस्तृत है। इसकी **उत्तरी सीमा अरावली** एवं **दक्षिणी सीमा विंध्य श्रेणी** और **पूर्वी सीमा बुंदेलखंड पठार** द्वारा निर्धारित की जाती है।